रांची, सोमवार
02.12.2024
वर्ष : 10, अंक : 02 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

माणिक लाल हेंब्रम बने झारखंड विधानसभा के नये सचिव

रांची। माणिक लाल हेंब्रम को झारखंड विधानसभा का सचिव नियुक्त किया गया है। जानकारी के अनुसार माणिक लाल हेंब्रम 01 दिसंबर से अगले आदेश तक झारखंड विधानसभा के सचिव के पद पर बने रहेंगे। उल्लेखनीय है कि माणिक लाल हेंब्रम झारखंड विधानसभा के संयुक्त सचिव थे।

राज्य में अगले दो माह में तीन आईपीएस होंगे सेवानिवृत

रांची। राज्य में अगले दो महीनों के दौरान झारखंड पुलिस के तीन डीजी रैंक के आईपीएस अधिकारी सेवानिवृत होंगे। इनमें तत्कालीन डीजीपी अजय कुमार सिंह एवं एम मीणा जनवरी, 2025 में और आरके मल्लिक 31 जनवरी, 2025 को रिटायर होंगे। साथ ही नये साल के पहले दिन एक जनवरी, 2025 से 2007 बैच के तीन आईपीएस अनूप बिरथरे, सुनील भास्कर और मयूर पटेल कन्हैयालाल आईजी रैंक में प्रोन्नत हो जायेंगे। इसके अलावा 2011 बैच के सीनियर एसपी रैंक (सीनियर सिलेक्शन ग्रेड) में प्रोन्नत छह आईपीएस अधिकारी एक जनवरी, 2025 से डीआईजी हो जायेंगे। सीनियर एसपी रैंक में प्रोन्नत अधिकारी को राज्य सरकार चाहे तो वर्तमान में कहीं भी प्रभारी डीआईजी बना सकती है। इनमें चंदन झा, चंदन सिन्हा, प्रियदर्शी आलोक, अजीत पीटर डुंगडुंग, अनुरंजन किस्पोट्टा और अंबर लकड़ा शामिल हैं। दूसरी ओर, झारखंड कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अजय भटनागर शनिवार (30 नवंबर) को सेवानिवृत हो गये। अजय भटनागर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे और सीबीआई में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत थे।

अवैध बालू पर रोक लगाएं उपायुक्त: हेमंत

बिभा संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बालू और लॉटरी के अवैध धंधे पर उपायुक्तों को तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया है. सोशल मीडिया पर बोकारो में ट्रैक्टर से बालू की अवैध ढुलाई करती तस्वीर पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिया. साथ ही अन्य जिलों के डीसी को भी कार्रवाई करने को कहा है. उधर दुमका में लॉटरी के अवैध धंधे पर भी डीसी को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. सोशल मीडिया पर डाली गयी एक खबर के अनुसार दुमका में रातों रात करोड़पति बनने के चक्कर में युवाओं के बर्बाद होने की जानकारी दी गयी है. कहा गया है कि प्रतिबंधित लॉटरी के चक्कर में दुमका के युवा अपनी मेहनत और समय को गवां रहे हैं.

बंगाल बॉर्डर पर आलू रोकने के मामले में मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान, मुख्य सचिव को दिए निर्देश

रांची। बंगाल बॉर्डर पर 30 नवंबर को आलू के वाहन रोकने की खबरों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव से तत्काल मामले में निष्पादन करने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत से फोन पर मामले का निष्पादन के लिये बात की है। मनोज पंत ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही एक कमेटी बनाकर आलू के मामले का निष्पादन सुनिश्चित किया जायेगा।

तेलंगाना मुठभेड़ में नक्सली नेता समेत सात माओवादी ढेर

एजेंसी

मुलुगु (तेलंगाना) : छत्तीसगढ़ व तेलंगाना की सीमा पर मुलुगु जिले के इटुरनगरम वन क्षेत्र में रविवार तड़के पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली नेता सहित सात माओवादी मारे गए।
पुलिस के अनुसार, माओवादी विरोधी दस्ते के साथ समन्वय में तेलंगाना ग्रेहाउंड्स ने जंगल में एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षा बलों से मुठभेड़ होने पर माओवादियों ने कथित तौर पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी।
इसके बाद हुई गोलीबारी में सात माओवादी मारे गये। मृतकों की पहचान नक्सली नेता कुरसम मंगू उर्फ भद्रू उर्फ पापन्ना (35), एगोलापु मल्लैया उर्फ मधु (43), मुसाकी देवल उर्फ करुणाकर (22), जय सिंह (25), किशोर (22), कामेश (23) के रूप में हुयी।
पुलिस ने बताया कि घटना स्थल से दो एके-47, एक इंसास रायफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। इलाके में सर्चिंग जारी है।
मुलगु जिले के पुलिस अधीक्षक शबरी सिंह ने बताया कि जिले के चालपाका के जंगलों में माओवादियों की होने की सूचना मिली थी जिसके तहत ग्रेहंट जवानों को इस इलाके में भेजा गया था। आज सबेरे से ही ग्रेहंट फोर्स और नक्सलियों के बीच करीब एक घंटे से अधिक तक गोलीबारी होती रही। इस गोलीबारी में सात नक्सली मारे गए शव बरामद कर शिनाख्त भी की गई। मारे गए नक्सलियों में नक्सली नेता पापन्ना, मधु, मुस्की देवल, मुस्की जमुना, जयसिंग, किशोर और कमलेश शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि घटना स्थल से दो एके-47 एक इंसास रायफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किए गए हैं इलाके में सर्चिंग जारी है विस्तृत विवरण की प्रतिक्षा है।

भारत अब लेने नहीं, बल्कि देने वाला देश है : जेपी नड्डा

एजेंसी

इंदौर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि एक समय ऐसा था, जब भारत में टिटनेस की दवा को 40 साल, टीबी की दवा को 30 साल, डिप्थीरिया की दवा को 30 साल, जापानी बुखार को ठीक करने वाली दवा आने में 100 साल लग गए, लेकिन कोरोना के दो टीके नौ माह में आ गए। जिन्होंने कई लोगों की जिंदगी बचाई। हमने चालीस देशों को मुफ्त कोरोना की दवा दी। यह बदलता भारत है। कोरोना मैनेजमेंट को उठाकर देखिए।
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कहा कि अमेरिका में स्ट्राइक हुई, यूरोप में लोगों ने लॉकडाउन लगाने से रोका, कई देश लॉकडाउन लगाने के लिए तय नहीं कर पाए। वे असमंजस में थे। लेकिन भारत में पहले जनता कर्फ्यू, फिर लॉकडाउन लगाए। भारत ने पीपीई किट बनाए, आईसीयू में जगह तैयार की, सैनेटाइजर, मास्क बनाए। तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जान भी है और जहान भी। दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज कोरोना वैक्सीन बनाने का अभियान भारत में चला। अब भारत लेने वाला नहीं, बल्कि देने वाला देश बन चुका है। कोरोना का मैनेजमेंट देश में प्रभावी रहा। वे रविवार को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर इंदौर के खंडवा रोड स्थित देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।
उन्होंने कहा कि एड्स को लेकर चर्चा करने में कई संकोच नहीं करना चाहिए। जब मैं इस पर बात कर सकता हूं तो आपको भी समाज में जाकर खुलकर चर्चा करना चाहिए। स्कूलों में कार्यक्रम होना चाहिए। 9वीं-10वीं के बच्चों को जागरूक करना चाहिए। कैंपेन चलाना चाहिए। हेल्दी बिहेवियर को प्रमोट करना चाहिए। वर्ल्ड एड्स डे एचआईवी और उसके खिलाफ चल रही जंग को डेडिकेट और रि-डेडिकेट करने का दिन है। यह दिन अपने आप को एचआईवी से प्रोटेक्ट करने का दिन है। अभी ऐसी कोई दवा नहीं आई है जो पूरी तरह एचआईवी को ठीक कर सके। दवाएं तो पूरे समय खाना पड़ेंगी, लेकिन दवाओं से व्यक्ति पूरे जीवन स्वस्थ रह सकता है। इसलिए ऐसे लोगों को समाज में जगह देना चाहिए।

वर्तमान स्थिति में अर्थव्यवस्था बढ़ाने के लिए समान अवसर जरूरी : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश के आर्थिक हालात लगातार खराब हो रहे हैं और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की दर दो साल में सबसे निचले स्तर पर आ गई है इसलिए सबको समान अवसर देकर अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की जरूरत है।
श्री गांधी ने कहा, भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट दो साल में सबसे नीचे 5.4 प्रतिशत पर आ गई है। बात साफ है - भारतीय अर्थव्यवस्था तब तक तरक्की नहीं कर सकती जब तक इसका फायदा सिर्फ. गिने-चुने अरबपतियों को मिल रहा हो और किसान, मजदूर, मध्यमवर्ग और गरीब तरह- तरह की आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हों।
उन्होंने स्थिति को चिंताजनक बताया और कहा, खुदरा महंगाई दर बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 6.21 प्रतिशत पर पहुंच गई है। पिछले साल अक्टूबर की तुलना में इस वर्ष आलू और प्याज की कीमत लगभग 50 प्रतिशत बढ़ गई है। रुपया 84.50 के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है और बेरोजगारी पहले ही 45 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। पिछले पांच सालों में मजदूरों, कर्मचारियों और छोटे व्यापारियों की आमदनी या तो ठहर गई है या काफी कम हो गई है। आमदनी कम होने से मांग में भी कमी आई है। दस लाख से कम कीमत वाले कारों की बिक्री में हिस्सेदारी घटकर 50 प्रतिशत से कम हो गई है, जो 2018-19 में 80 प्रतिशत थी। श्री गांधी ने कहा, सस्ते घरों की कुल बिक्री में हिस्सेदारी घटकर करीब 22 प्रतिशत रह गई है, जो पिछले साल 38 प्रतिशत थी। एफएमसीजी प्रोडक्ट्स की मांग पहले से ही कम होती जा रही है। कॉरपोरेट टैक्स का हिस्सा पिछले 10 सालों में सात प्रतिशत कम हुआ है जबकि इनकम टैक्स 11 प्रतिशत बढ़ा है। नोटबंदी और जीएसटी की मार से अर्थव्यवस्था में विनिर्माण का हिस्सा घटकर 50 वर्षों में सबसे कम सिर्फ.13 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने कहा है कि जब वास्तविक हालात यह है तो ऐसे में नई नौकरियों के अवसर कैसे बनेंगे। इसीलिए भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक नई सोच चाहिए और बिजनेसेस के लिए एक न्यू डील उसका अहम भाग है। सबको समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा तभी अर्थव्यवस्था का पहिया आगे बढ़ेगा।

चक्रवात फेंगल कमजोर होकर गहरे दबाव में तब्दील और कमजोर होने का अनुमान

एजेंसी

चेन्नई : चक्रवाती तूफान फेंगल रविवार को कमजोर होकर एक दबाव में बदल गया और इसके और कमजोर होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर तटीय तमिलनाडु और पुड्डुचेरी में पिछले 12 घंटों के दौरान यह लगभग स्थिर रहा।
तूफान कमजोर होकर गहरे दबाव में तब्दील गया है और आज 1130 बजे से पुड्डुचेरी के करीब अक्षांश के पास एक ही क्षेत्र में केंद्रित है, जो कि कुड्डालोर से 30 किमी उत्तर, विल्लुपुरम से 40 किमी पूर्व और 120 किमी चेन्नई के दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में है।
इसके बहुत धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान उत्तरी तमिलनाडु में दबाव का क्षेत्र बनकर धीरे-धीरे कमजोर होने का अनुमान है। इसकी लगातार निगरानी की जा रही है।
इस बीच, चेन्नई शहर और उपनगरों में जनजीवन सामान्य हो गया है जबकि कल की भारी बारिश से हवाई, ट्रेन और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित हुई लेकिन अब ये सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं।
मौसम विभाग ने दिन में भारी बारिश का अनुमान लगाया है, लेकिन शहर में थोड़े समय के लिए मध्यम बारिश देखी गई, हालांकि मौसम ठंडा रहा और आसमान में बादल छाए रहे।

प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर बोला हमला, कहा- हमारी लड़ाई हमारे देश की आत्मा के लिए है

वायनाड। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज लड़ाई उस ताकत के खिलाफ है जो लोगों के अधिकारों को कमजोर करके उन्हें कुछ व्यापारी मित्रों के हवाले कर रही है। उन्होंने यहां वायनाड के मनंतवाडी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, आज हम अपने राष्ट्र की भावना, भारत की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। वायनाड के अपने दौरे के दूसरे दिन की शुरूआत करते हुए उन्होंने कहा, हम एक ऐसी ताकत के खिलाफ लड़ रहे हैं जो हमारे देश की नींव पर बनी संस्थाओं को नष्ट करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। उन्होंने वायनाड के लोगों के साथ रहने और उनकी जरूरतों के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने का वादा किया।

मुख्यमंत्री नीतीश ने एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2024 की विजेता टीम को किया सम्मानित

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2024 की विजेता टीम इंडिया तथा इस आयोजन को सफल बनाने में बहुमूल्य योगदान देने वालों को सम्मानित किया।
मुख्यमंत्री ने बापू टावर के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में बिहार विमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2024 की विजेता भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ियों, मुख्य प्रशिक्षक और सपोर्ट स्टाफ सहित मुख्य प्रशिक्षक को बहुमूल्य योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया। विजेता भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों और मुख्य प्रशिक्षक को 10-10 लाख तथा टीम के सर्पोटिंग स्टाफ को 5 लाख रुपये की सम्मान राशि मुख्यमंत्री ने प्रदान की। साथ ही इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों और सहयोगियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।
भारतीय टीम के चैंपियनशिप जीतने पर मुख्यमंत्री ने टीम की खिलाड़ियों सहित पूरी टीम को सम्मान राशि के साथ सम्मानित करने की उसी दिन तत्काल घोषणा की थी। सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेन्द्र सिंह, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे, भारतीय महिला हॉकी टीम की उप कप्तान नवनीत कौर, खिलाड़ी शर्मिला देवी, बिचू देवी खारिबाम, प्रिया सिरोही, सविता, संगीता कुमारी, मुमताज खान, उदिता, वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, लालरेम्सियामी, बलजीत कौर, ज्योति, सुशीला चानू पुखरामबम, सुनेलिता टोप्पो, नेहा, प्रीति दुबे, मनीषा चौहान, इशिका चौधरी, ब्यूटी डुंगडुंग तथा दीपिका को 10-10 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री को सामान्य प्रशासन एवं खेल विभाग के प्रधान सचिव डॉ बी राजेन्दर ने शॉल भेंटकर स्वागत किया जबकि हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम में खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सबकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जाति जनगणना जरूरी : खरगे

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों को समान अधिकार देकर उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए और इसके लिए जाति जनगणना कराना आवश्यक है।
श्री खरगे ने आज यहां रामलीला मैदान में संविधान बचाने, आरक्षण की सीमा बढाने और जाति जनगणना की मांग को लेकर आयोजित विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा, देश में गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई बढ़ती ही जा रही है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। रामलीला मैदान में संविधान बचाने, आरक्षण की सीमा बढ़ाने और जाति जनगणना के लिए हो रही रैली में देश भर से आए आप सभी साथियों को मैं बधाई देता हूं।हम साथ मिलकर संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ेंगे।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड आंदोलनकारी का शव रेलवे ट्रैक पर मिला, इलाके में सनसनी

सरायकेला। झारखंड के अलग राज्य गठन के लिए आंदोलन करने वाले 70 वर्षीय बुजुर्ग वरुण चक्रवर्ती का शव रेलवे ट्रैक पर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। वरुण चक्रवर्ती का शव जमशेदपुर से सटे सरायकेला-खरसावां जिले के कांड्रा-चांडिल रेलवे स्टेशन के बीच कांड्रा थाना अंतर्गत पोल संख्या 290/एस 4 के पास से पुलिस ने बरामद किया है। इससे लोगों में शोक की लहर है। मृतक की पहचान वरुण चक्रवर्ती (70) के रूप में हुई। वह कांड्रा एसकेजी कॉलोनी में रहते थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ वरुण चक्रवर्ती की मौत की जांच में जुट गयी है। चक्रवर्ती ने झारखंड आंदोलन में अहम भूमिका निभायी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रेन से कटकर रविवार सुबह वरुण चक्रवर्ती की मौत हो गई. वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई हैं।

गृह रक्षा वाहिनी के परेड में शामिल हुई उपायुक्त

गढ़वा। झारखंड गृह रक्षा वाहिनी क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, हजारीबाग में रविवार को पासिंग आउट परेड समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त नैंसी सहाय शामिल हुई। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त ने परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी प्रशिक्षणरत गृहरक्षा वाहिनी के जवानों को सेवा मूल्यों को बनाए रखने, संविधान में श्रद्धा और सच्ची निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने की शपथ दिलाई गई। मार्च पास्ट के दौरान प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण का शानदार नजारा दिखा। उपायुक्त ने कहा कि 188 होमगार्ड के जवानों ने अपना प्रशिक्षण पूरा किया है। इस प्रशिक्षण की अवधि 63 दिनों की थी। प्रशिक्षण के बाद गढ़वा जिले के 388 गृहरक्षकों ने मार्च पास्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अब ये गृह रक्षक अपने गृह जिला गढ़वा में सेवा देंगे। उपायुक्त ने इनके कड़े प्रशिक्षण की सराहना की तथा प्रशिक्षकों ने भी बहुत कम समय में प्रशिक्षण की अवधि को पूर्ण कराया उन्हें भी सराहा।

भुईफोड़ शिव मंदिर में दसवां वार्षिक महोत्सव श्रद्धा से मना

धनबाद। धनबाद जिले का प्रसिद्ध मंदिरों में शुमार भुईफोड़ शिव मंदिर का दसवां वार्षिक महोत्सव रविवार को श्रद्धा से मनाया गया। भारत सेवा संघ द्वारा इसका आयोजन किया गया। महोत्सव पर हवन कीर्तन व पूजन बड़े धूमधाम से की गई।पत्रकारों से बात करते हुए स्वामी विक्रमानंद महाराज ने बताया किमाताजी कालेश्वरी की पुण्यतिथि पर भंडारा हुआ जिसमें बड़ी तादाद में श्रद्धालु उपस्थित हुए।इस वर्ष भुईफोड़ मंदिर का दसवां वार्षिक महोत्सव बहुत श्रद्धा से मनाया जा रहा है। भुईफोड़ मंदिर के वार्षिक महोत्सव में विभिन्न क्षेत्र के महर्षि यहां हवन पूजन के लिए उपस्थिति हुए है।

भाजपा ने कहा पलामू बालिका गृह कांड ने उठाए सुरक्षा पर सवाल

राज्य सरकार पर बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही का लगाया आरोप

स्वदेश संवाददाता

रांची। झारखंड के पलामू जिले में स्थित बालिका गृह में बच्चियों के साथ यौन शोषण की घटना पर भाजपा ने राज्य सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने इस गंभीर घटना को राज्य के तंत्र और प्रशासन की विफलता करार देते हुए, हेमंत सरकार पर कठोर आरोप लगाए हैं। साह ने कहा, "बालिका गृह में उन बच्चियों को रखा जाता है, जो पहले ही यौन अपराधों का शिकार हो चुकी होती हैं। सरकार का उद्देश्य उन्हें वहां सुरक्षित वातावरण देना होता है। लेकिन अगर वही स्थान अपराध का केंद्र बनता है, तो यह स्पष्ट है कि रक्षक ही भक्षक बन गए हैं।"

साह ने यौन शोषण की इस घटना को गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स से पता चला है कि बालिका गृह में बच्चियों पर अधिकारियों को खुश करने का दबाव बनाया जा रहा था। उन्होंने सवाल उठाया, "यह जानना जरूरी है कि ये अधिकारी कौन थे। यह मामला एक उच्च स्तरीय जांच का विषय है और इसकी जांच उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से कराई जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि बालिका गृह पर बाल कल्याण समिति, जिला कलेक्टर और कल्याण विभाग का नियंत्रण होता है। ऐसे में यह घटना सरकार की कार्यक्षमता और प्रशासनिक जिम्मेदारी पर सवाल खड़े करती है। साह ने यह भी याद दिलाया कि तीन साल पहले राजधानी रांची के एक बाल गृह में भी इसी प्रकार का मामला सामने आया था, लेकिन राज्य सरकार ने इससे कोई सबक नहीं लिया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह घटना राज्य सरकार की बच्चों की सुरक्षा के प्रति उदासीनता को उजागर करती है। उन्होंने कहा, "हाई कोर्ट के दबाव के बाद ही तीन साल पहले झारखंड राज्य बाल संरक्षण आयोग का गठन किया गया। इसके बावजूद, पिछले एक साल से आयोग के अध्यक्ष का पद खाली पड़ा है, जो सरकार की लापरवाही को दर्शाता है। साह ने पलामू की घटना की तुलना बिहार के कुख्यात मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड से करते हुए कहा कि इस मामले में दोषी अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि घटना की उच्च स्तरीय जांच और निष्पक्ष कार्रवाई से ही बच्चियों को न्याय मिल सकता है।

रांची के लोकप्रिय विधायक सीपी सिंह के सम्मान में समारोह का हुआ आयोजन

विभा संवाददाता

रांची। झारखंड जनशक्ति मजदूर यूनियन झारखंड मोटर फाउंडेशन छात्रा युवा संघर्ष समिति द्वारा रांची के लोकप्रिय विधायक सीपी सिंह का सम्मान समारोह आयोजन हुआ सम्मान समारोह झारखंड जनशक्ति मजदूर यूनियन के अध्यक्ष ललित नारायण ओझा जी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें मुख्य रूप मैं रांची के लोकप्रिय सांसद केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जी मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा रांची का विकास मेरी पहली प्राथमिकता है रांची को विकसित राजधानी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी मूलभूत सुविधाएं कैसे रांची की जनता को मिले इसका प्रयास हम करेंगे। रांची से लगातार सातवीं बार विजय होने वाले लोकप्रिय विधायक ने कहा जनता ने जिस विश्वास के साथ मुझे सातवीं बार विधायक बनाया है मैं उसे पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूंगा रांची की जनता के हर सुख दुख में मैं उनके साथ खड़ा हूं मेरे दरवाजे रांची की जनता के लिए 24 घंटे खुले हैं कभी किसी तरह की कोई परेशानी हो आप सीधे मुझसे संपर्क कर सकते हैं मुझसे बात कर सकते हैं रांची की जनता मेरा परिवार है मैं इस परिवार के साथ सदैव खड़ा रहूंगा। रांची के लोकप्रिय विधायक सीपी सिंह को स्वागत करने वालों में झारखंड मोटर फाउंडेशन छात्रावास संघर्ष समिति टेंपो यूनियन सहित विभिन्न संस्था के लोगों ने उन्हें स्वागत किया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजय कुमार जायसवाल सुनील सिंह चौहान,प्रभाकर सिंह संजीव चौधरी अशोक मिश्रा राजकुमार जायसवाल बैजू सोनी अशोक यादव विवेक सिंह अमित चौधरी कुणाल राय उदय चौधरी बाली राय महेंद्र राय सहित हजारों की संख्या में मातृ शक्ति मजदूर यूनियन के मजदूर साथी सहित विभिन्न संगठन के समाजसेवी उपस्थित रहे।

रामगढ़ में पहला टैक्स एकेडमी का उद्घाटन

विभा संवाददाता

रामगढ़। रविवार को शहर के झंडा चौक स्थित गीता स्वामी टैक्स एकेडमी का उद्घाटन संपन्न हुआ॥ मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो डा0 सुनील कुमार अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया॥ इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वाणिज्य के विद्यार्थियों को टैक्स एकेडमी का काफ़ी लाभ मिलेगा॥ सुरेश पी अग्रवाल का चालीस वर्षों का टैक्स प्रैक्टिस का अनुभव तथा ज्ञान से युवा लाभान्वित हो सकेंगे। गीता स्वामी टैक्स एकेडमी के प्रबंध निदेशक सुरेश पी अग्रवाल (वरिष्ठ कर अधिवक्ता) ने बताया कि टैक्स एकेडमी की परिकल्पना रामगढ़ ज़िले में मौलिक विचार है। यहाँ तीन महीने में 36 क्लासेज़ में एकाउंट्स, टैली, जीएसटी तथा आयकर का सैद्धांतिक तथा व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा। यह एक प्रकार से कौशल विकास प्रशिक्षण होगा। इस कोर्स के पश्चात युवाओं को आसानी से जॉब प्राप्त हो सकेगा। इस अवसर पर प्रो प्रणीत कुमार, प्रो तारा शंकर अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, विवेक अग्रवाल (अधिवक्ता) संगीता अग्रवाल शेखर शरद (सीए) रक्षा अग्रवाल (सीए) अंकित अग्रवाल, रविश गोयल,दीक्षा अग्रवाल, अंश गुप्ता, मनीषा सोनी, प्रशंसा वर्मा, अर्चिता वर्मा,विशाखा गोयनका, पंकज अग्रवाल, संजय कुमार आयुष सोनी, सात्विक, शाश्वत, समृद्धि, अनन्या उपस्थित थे।

प्रभु के नाम में 2000 बच्चे एक साथ हुए इकट्ठा प्रभु येसु आपके दिल में है : बिशप थियोडोर

विभा संवाददाता

डाल्टेनगंज। कैथोलिक मैनोरिटी स्कुल इन्स्टीट्यूट, डाल्टेनगंज धर्म प्रांत के सभी कैथोलिक ईसाई बच्चों के लिए तीन दिवसीय क्रुसवीर सेमिनार आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 28, 29 और 30 नवंबर 2024 डाल्टनगंज धर्मप्रांत के पासटरल सेन्टर साधना सदन मे सम्पन्न हुआ।

पूरे डाल्टनगंज धर्मप्रान्त के 36 विद्यालय के बच्चों ने जोरशोर से इस सम्मेलन में भाग लिया। यह धार्मिक कार्य कर्म तीन साल में एक बार आयोजित किया जाता है। इसके पूर्व प्रत्येक विद्यालय में एवं तीनों भिखारियेट में अलग-अलग स्थानों में क्रुसवीर सेमिनार आयोजित किए जाते हैं तब पुरे भिखारियेट के बाद धर्म प्रांतीय अधिवेशन रखा जाता है। अन्य वर्षों के अपेक्षा इस बार बच्चों में ज्यादा उत्साह देखने को मिला, क्योंकि गत वर्ष कोरोना के कारण यह सम्मेलन आयोजित नहीं हो पाया था। इसलिए बच्चे काफी उत्सुक थे, बच्चों कि कुल संख्या लगभग 2000 और अनुप्रांदाताओ की संख्या 80 थी।

यह धार्मिक सम्मेलन का उद्देश्य बच्चों का धार्मिक महत्व को समझना और येसु ख्रीस्त के बताए मार्ग अपनाकर दया, क्षमा, और नम्रता सेवा भाव पैदा करना। मुख्य वक्ता फा अमित खाखा संत मरियम विद्यालय के प्रधान अध्यापक, और फा० अनुज सोरेन रांची महाधर्म प्रांत के पुरोहित ने कलीसिया में क्रुसवीर बच्चों कि क्या भुमिका होना चाहिए, माता पिता, समाज एवं कलिसीया अच्छा नमुना बन कर जीने के अर्थ को समझाया गया। डाल्टेनगंज धर्म प्रांत के बिशप थेयोदोर मसकारेनहस एस एफ एस के नेतृत्व में यह धार्मिक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन को संपन्न करने में कई लोगों का योगदान रहा कुछ स्कूल चावल दाल कुछ राशि दिए, राम चन्द्र सिंह ने मोबाइल टोइलेट कि व्यवस्था कराई। इस प्रकार सब लोगों ने अपना योगदान दिया ताकि यह कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो सके। सभी बच्चों सभी कार्यकलापों में बढ़ चढ़ कर भाग लिए । उनका जोश देखते ही बनता था। कई तरह के प्रतियोगिता के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सभी बच्चों ने बखूबी से भाग लिया।

जूडो ट्रायल में राजकमल सवि मंदिर व धनबाद पब्लिक स्कूल के खिलाड़ी छाये

धनबाद। 26-27 दिसंबर को रांची मे आयोजित होने वाले झारखंड राज्य सब जूनियर वा सिनियर जूडो चैम्पियनशिप मे भाग लेने हेतु धनबाद जिला जूडो ट्रायल का शानदार आयोजन धनबाद मार्शल आर्ट सेंटर,नन्हे कदम प्ले स्कूल, धोवाटांड मे किया गया। इसकी जानकारी देते हुए धनबाद जिला जूडो संघ के सचिव पप्पू कुमार ने बताया की ट्रायल के लिए भारी संख्या मे धनबाद के जूडोका सम्मिलित हुए। सभी खिलाड़ीयों की वजन माप, शारीरिक जांच, जूडो टेक्निक वा फाईट के पश्चात धनबाद जूडो टीम का चयन किया गया जिसमें सब जूनियर प्रशांत हेम्ब्रम, दिवाकर कुमार शर्मा, काव्यांश कुमार,आर्यन प्रकाश, उल्लास रंजन,हर्ष कुमार,अरन्व सिंह, सिध्दार्थ सैनी,मोहित कुमार ठाकुर, संघर्ष सुमन,आदर्श राज, प्रेरित कुमार, युवराज सिंह, सत्यम सिंह, मिहिर कुमार झा,युवराज शर्मा,शिवम दे,प्रियांशु राज, राजवीर राज,लक्ष्य कुमार सिंह।

संयम एवं समझदारी से एड्स को नियंत्रित किया जा सकता है: डॉ अजीत

विभा संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में विश्व ऐडस दिवस के अवसर पर आर यू के भूगर्भ शास्त्र विभाग के सभागार में संगोष्ठी, भाषण प्रतियोगिता, शपथ एवं जागरूकता रैली का आयोजन कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार के अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा नैक मूल्यांकन के तैयारी में अति व्यस्त होने के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके परंतु अपना लिखित संदेश भेजवाया था जिसे डॉ ब्रजेश कुमार ने पढ़ा।

अपने संदेश में कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि पूरा विश्व आज ऐडस के विरुद्ध जागरूकता अभियान चला रहा है एवं इसे कैसे रोका जाय इसपे चिंतन मंथन हो रहा है। उन्होंने कहा कि संयम एवं समझदारी से ऐडस को रोका जा सकता है एवं सभी को सामुहिक प्रयास कर इसके विरुद्ध सघन जागरूकता अभियान चलाना होगा।

विशिष्ठ अतिथि आर एल एस वाई महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विष्णु चरण महतो ने कहा कि एच आई वी के विरुद्ध जागरूकता अभियान युवा चलाएं एवं स्वयं को इस लाइलाज बीमारी से बचते हुए दूसरों को भी जागरूक करें।उन्होंने कहा कि जागरूकता ही ऐडस जैसे घातक बीमारी से बचाव है।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अतुल कुमार,द्वितीय स्थान पर कोयल एवं तृतीय स्थान पर क्षणिका रानी रही। सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। संगोष्ठी को एन एस एस के कार्यक्रम पदाधिकारी क्रमशः डॉ कुमुद कला मेहता, डॉ अरुण कुमार पांडेय ,डॉ हैप्पी भाटिया, डॉ चंचल लकड़ा ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालनएन एस एस के टीम लीडर रिकेष कुमार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन पुरुषोत्तम कुमार ने किया संगोष्ठी के पश्चात बेसिक साइंस बिल्डिंग परिसर में ऐडस के विरुद्ध जागरूकता अभियान का शपथ एन एस एस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने कराया उसके पश्चात जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

जेएलकेएम ने किया समीक्षा बैठक संगठन की मौजूदा स्थिति पर चर्चा

विभा संवाददाता

सिल्ली। राज्य में विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुकी है। नई सरकार की गठन भी हो चुकी है। सभी राजनीतिक दल अपने चुनावी आकलन में लगे हुए हैं। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने आज रविवार को सिल्ली प्रखंड के कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी समीक्षा बैठक किया। पड़े मतदान और संगठन की मौजूदा स्थिति पर चर्चा किया गया। संगठन की रणनीति पर सुधार पर विचार किया गया। विधानसभा प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो ने अपने कार्यकर्ताओं को हौसला अफजाई करते हुए क्षेत्र की सेवा हेतु प्रेरित किया। और जयराम महतो के विचारधारा को प्रसारित करने बात कही गई। आज के इस बैठक में सिल्ली प्रखंड के सभी 20 पंचायतो के सभी पंचायत प्रभारी व बुथ कमेटी मौजूद रहे।

आज के हिरण पार्क,रामडेरा बैठक में मुख्य रूप से कृष्णा महतो, खुदीराम महतो, राजु महतो, महावीर साहू, सुखदेव, वीरेन, चण्डी प्रसाद ने अपनी बातें रखी।

धर्म रक्षा निधि समर्पण 01 से 15 तक 11 को गीता जयंती शौर्य दिवस : विहिप

विभा संवाददाता

रांची। विश्व हिंदू परिषद झारखण्ड प्रांत कार्यकारिणी की एक दिवसीय बैठक पूर्वाह्न 10:00 से 5:00 बजे तक बैठक दो सत्रों में स्टेशन रोड स्थित होटल ग्रीन होरिजन में की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विहिप प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत जी ने कहा सभी कार्यकर्ताओं को समाज में समन्वय बना कर कार्य करने का निवेदन किया। बैठक में विगत माहों में संपन्न हुए कार्यक्रमों हुतात्मा दिवस और संस्कार सप्ताह की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाई गई। 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक धर्म रक्षा निधि संग्रह अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। गीता जंयती के अवसर पर 11 दिसम्बर और 15 दिसम्बर को गीता जयंती क्या अवसर पर शौर्य दिवस का आयोजन प्रखंड स्तर पर किया जाएगा। 15 जनवरी 2025 त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम विभाग स्तर पर करने का निर्णय लिया गया। आगामी जनवरी माह में प्रयागराज महाकुंभ में आयोजित केंद्रीय बैठकों की जानकारी कार्यकर्ताओं को दी गई। बैठक में विश्व हिंदू परिषद् झारखण्ड प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव, राजेंद्र मुंडा, मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र, प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, सहमंत्री सह बजरंग दल संयोजक रंगनाथ महतो, स्वामी कृष्णा चैतन्य,प्रांत विशेष संपर्क प्रमुख अरविंद सिंह,मातृ शक्ति प्रमुख दीपा रानी कुंज, प्रांत सत्संग प्रमुख रंजन कुमार सिन्हा, प्रांत धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख युगल किशोर प्रसाद, प्रांत मंदिर अर्चक पुरोहित सहप्रमुख मनोज पांडे,प्रांत सेवा सहप्रमुख अशोक अग्रवाल, प्रांत विशेष संपर्क सह प्रमुख प्रिंस आजमानी, प्रांत गोरक्षा प्रमुख कमलेश सिंह ,शसुजीत साहू ,रांची महानगर अध्यक्ष कैलाश केशरी,मंत्री विश्वरंजन, विभाग मंत्री केशव चंद्र साय जन्मेजय सारंगी अनूप राय ,अरुण सिंह, अनूप यादव, संतोष वर्मा उपस्थित थे।

डीएमएफटी मद से संचयित दो संस्थानों को जौहर दिखाने का मौका

विभा संवाददाता

हजारीबाग। समय का सदुपयोग करने वाला व्यक्ति हमेशा सफल,संतुष्ट और सम्मानित होता है। समय और धन का सदुपयोग हमारे जीवन को सुंदर और सार्थक बनाता है। इसी कथन को चरितार्थ करते हुए डीएमएफटी मद का सदुपयोग कर उपायुक्त ने कई उल्लेखनीय कार्य को गति दी है।

डीएमएफटी मद से पोषित और संचयित दो संस्थानों के उत्पादों को अपने कला का जौहर दिखाने का मिला मौका मिला है।

नई दिल्ली में दिनांक 21 से 27 नवंबर 2024 तक आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में डीएमएफटी मद के सहयोग से जिले के स्थानीय निर्मित उत्पाद को बढ़ावा देने हेतु दिल्ली के प्रगति मैदान में हजारीबाग जिले के दो संस्थानों को स्टॉल लगाने का अवसर मिला तथा स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पाद से पूरी दुनिया को अवगत कराया गया।

हम बात कर रहे है जमुनिया सखी मंडल के द्वारा निर्मित ब्रास तथा ब्रोंज बर्तन उत्पाद की तथा मार्शल प्राथमिक बुनकर सहयोग समिति लिमिटेड,कजरी कॉटन के कपड़ों की। ये दोनों संस्थानों द्वारा प्रगति मैदान, नई दिल्ली में स्थानीय उत्पादित सामग्रियों की प्रदर्शनी लगाई गई। इन स्थानीय उत्पादों को दुनिया भर के लोगों से साक्षात्कार कराया गया।हजारीबाग के स्थानीय उत्पादों को इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर प्रदर्शनी स्थल पर खूब सराहना मिली। उपायुक्त ने कहा है कि इस प्रकार के बड़े मंच के माध्यम से हम अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध करवा सकते है। जिले में ऐसी कई संस्थाएं है जो अच्छा कार्य कर रहें है यह एक सकारात्मक पहल है।

मेरू कैम्प में मनाया गया सीमा सुरक्षा बल का 60वां स्थापना दिवस

विभा संवाददाता

हजारीबाग। सीमा सुरक्षा बल के 60 वें स्थापना दिवस के मौके पर मेरू कैम्प परिसर स्थित अन्नताचारी स्टेडियम में कमलजीत सिंह बन्याल, महानिरीक्षक, प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय तथा सहायक प्रशिक्षण केन्द्र के तत्वावधान में बड़ा खाना व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया, जिनकी शुरुआत महानिरीक्षक द्वारा पौधारोपण कर की गई। इस पावन अवसर पर राजेश कुमार, उप0 महानिरीक्षक, राकेश रंजन लाल, उप0 महानिरीक्षक, देवजीत कुमार प्रमाणिक, उप0 महानिरीक्षक, गणेश कुमार, समादेष्टा (एस0टी0एस0), मुकुंद कुमार झा, समादेष्टा (एस0टी0सी0), मेरू परिसर के अधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी, अन्य कार्मिक एवं झारखण्ड राज्य के सीमा सुरक्षा बल के सेवा निवृत कार्मिक उपस्थित रहे। सीमा सुरक्षा बल 01 दिसंबर 1965 से राष्ट्र की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी का निर्वहन भी कर रहा है। बल के संस्थापक श्री के0 एफ0 रूस्तम जी, आई0पी0एस0, प्रथम महानिदेशक के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का करिश्मा, सन् 1971 के भारत पाक युद्ध में सीमा सुरक्षा बल के अविस्मरणीय योगदान में दिखा, जहाँ युद्ध में भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अभूतपूर्व विजय मे सीमा सुरक्षा बल बराबरी पर खड़ी थी। सीमा सुरक्षा बल के शहीद सीमा प्रहरियों को उनके शौर्य, साहस एवं बलिदान के लिए 01 महावीर चक्र एवं 11 वीर चक्र से नवाजा गया। सीमा सुरक्षा बल कुल 193 वाहिनियों में कार्यरत 2.65 लाख कार्मिकों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ आतंरिक सुरक्षा जैसे नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर जैसे राज्यों की दुर्गम पहाड़ियों, छतीसगढ़, ओडिसा के घने जंगलो तथा जम्मु और कश्मीर के बर्फीले इलाकों में नक्सलवाद व उग्रवाद से लड़ने में अपना अहम योगदान दे रहा है, साथ ही वी0आई0पी0 सुरक्षा जैसे एन0एस0जी0, एस0पी0जी0 एवं संयुक्त राष्ट्र अभियान के विश्वव्यापी सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रहा है। सीमा सुरक्षा बल विश्व के सबसे बड़े बॉर्डर गार्डिंग फोर्स के बहादुर जवानों को तोपखाना, वायु एवं जल स्कंध, उँट एवं श्वानों के दस्ते, कमांडो युनिट, संचार स्कंध बेहतरीन प्रशिक्षण तथा स्वास्थ सेवाओं से मजबूत किया गया है। सीमा सुरक्षा बल के सीमा प्रहरीयों को अब तक उनके कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र की सुरक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने हेतु 01 महावीर चक्र, 13 वीर चक्र, 04 कीर्ति चक्र, 13 शौर्य चक्र, 56 सेना मेडल, 232 पी0पी0एम0जी0 एवं 968 पी0एम0जी0 दिए जा चुके है। सीमा सुरक्षा बल के 60 वें स्थापना दिवस के इस आयोजन को यादगार बनाने के लिए मेरू कैंप सीमा सुरक्षा बल के द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बड़े खाने के साथ-साथ सीमा सुरक्षा बल की जॉज एवं ब्रास बैंड की धुन व सीमा प्रहरीयों के सीमा सुरक्षा बल गान, देशभक्ति गीत व नृत्य देखते ही बनते थे। समस्त मेरू परिवार व बल के सेवा निवृत कार्मिकों ने बड़े ही हर्षोल्लास व धूमधाम से सी0सु0बल स्थापना दिवस मनाया। मौसमी प्रमाणिक, वरिष्ठ बावा स्दस्य के तत्वावधान में मेरु परिसर स्थित परिवार कल्याण केन्द्र में बावा स्दस्यों और परिसर एवं उसके आस-पास रह रही वीरांगनाओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम व बडे खाने का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी वरिष्ठ बावा सदस्याएं एवं प्रहरी संगिनियां कार्यक्रम में शामिल हुई। कार्यक्रम के समापन पर कमलजीत सिंह बन्याल, महानिरीक्षक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन हर एक सीमा प्रहरी व उनके परिजनों के लिए हर्ष का दिन है।

संक्षिप्त खबरें

ऑल व्यापार संगठन के पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

रांची। फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन के पदाधिकारियों की एक बैठक दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में आहूत की गई और संस्था के क्रियाकलापों पर चर्चा की गई तथा आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। उक्त बैठक में उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह और रेणुका तिवारी, महासचिव सत्येन्द्र प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद जैन बेगवानी, शाहीद आलम, हरीश नागपाल उपस्थित रहे। उक्त बैठक में संगठन का विस्तार पर व्यापक चर्चा हुई और पदाधिकारी के द्वारा विभिन्न जिलों का दौरा का कार्यक्रम बनाने पर सहमति बनी। फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन राज्य में झारखंड राज्य व्यापारी कल्याण आयोग गठन के लिए नई सरकार से मिलकर कोशिश करेगा इस पर रूपरेखा तय की गई।

हटिया सांकी पैसेंजर ट्रेन का विस्तार की मांग

रांची। ट्रेन संख्या 08607/08617 हटिया सांकी पैसेंजर ट्रेन का विस्तार हजारीबाग टाउन तक करने के संबंध मे महाब्रबंधक दक्षिण पूर्व रेलवे, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा, आदित्य साहू को पत्र लिखकर मांग की। बताया गया कि रांची कोडरमा रेललाइन का निर्माण वाया बरकाकाना, हजारीबाग टाउन होते हुए 3200 करोड़ की लागत से किया गया है। इस रेललाइन का निर्माण हजारीबाग की जनता की मांग पर किया गया है। इस ट्रेन का हजारीबाग टाउन तक विस्तार होने से क्षेत्र की ग्रामीण जनता को बहुत बड़ा लाभ मिलेगा।

मेलोडी रियल्टर्स ने मनाया 14वीं वर्षगांठ

रांची। मेलोडी रियल्टर्स प्रा. लि. के 14 वर्षगांठ मे हिल व्यू फार्म में कार्यरत सभी मजदूरों को मेलोडी रियल्टर्स के प्रबंध निर्देशक जुल्फान अंसारी द्वारा उपहार का वितरण किया गया। जिसमे उनके साथ मेलोडी रियल्टर्स के ज्वाइंट डायरेक्टर नौशाद अंसारी, राजु रंजन सिंह एवं ऑफिस स्टाफ मजरूल इस्लाम, निक्की रंजन, अरीब इफरान, आशु, सयूम अंसारी और साइड स्टाफ विक्रम कुमार, सुरज मुंडा, उपेन्द्र महतो भी शमिल थे।

शोतोकन कराटे डो फेडरेशन ऑफ इंडिया

रांची। रविवार को डोरंडा कॉलेज कराटे सेंटर में रांची में आयोजित होने वाले सब जूनियर झारखंड स्टेट कराटे चैंपियनशिप 2024, को देखते हुए 14 वर्ष से नीचे के कराटेकारो के लिए विशेष कराटे प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय कराटे कोच शिहान रंजीत मेहता द्वारा 14 वर्ष से नीचे के कराटेकरो को काता एवं कुमिते का विशेष ट्रेनिंग दिया गया। कराटे प्लेयर्स को वर्ल्ड कराटे फेडरेशन के नियमों से अवगत कराया गया।

हिमंता बिस्वा झारखंड भजेंगे टीम

- सीएम हेमंत सोरेन ने पूर्वोत्तर राज्य में चाय बगानों की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए एक सर्वदलीय टीम भेजने का कैबिनेट का फैसला लिया था।
- सरमा ने कहा 5 दिसंबर को हमारी कैबिनेट में झारखंड के कुछ इलाकों का दौरा करने के बारे में कुछ निर्णय लिए जाएंगे। हम वहां जाकर दो-तीन चीजें भी देखेंगे।

विभा संवाददाता

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने पलटवार करते हुए कहा कि वे झारखंड में कुछ चीजों का अध्ययन करने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजेंगे। इससे कुछ दिन पहले ही सीएम हेमंत सोरेन ने पूर्वोत्तर राज्य में चाय बगानों की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए एक सर्वदलीय टीम भेजने का कैबिनेट का फैसला लिया था। हालांकि, सरमा ने झारखंड में निरीक्षण दल भेजने के असम सरकार के फैसले के बारे में कुछ नहीं बताया।

गुवाहाटी में भाजपा की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, 5 दिसंबर को हमारी कैबिनेट में झारखंड के कुछ इलाकों का दौरा करने के बारे में कुछ निर्णय लिए जाएंगे। हम वहां जाकर दो-तीन चीजें भी देखेंगे। बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन ने 28 नवंबर को झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। इसके कुछ घंटों बाद ही उनकी सरकार ने असम में हाशिए पर चाय जनजातियों की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए एक सर्वदलीय पैनल के गठन को मंजूरी दे दी। हाल ही में झारखंड में हुए विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के सह-प्रभारी रहे सरमा ने कहा, अगर कोई हमारी देखभाल करता है तो हमें खुशी होगी क्योंकि हमारे पास करने के लिए बहुत काम है। वे यहां एक टीम भेज रहे हैं, लेकिन हम 2 प्रतिनिधिमंडल झारखंड भेजेंगे जो 2 खास चीजें देखेंगे। हम अगले सप्ताह निर्णय लेंगे। वे हमसे मिलने आएंगे, हम भी उनसे मिलने जाएंगे।

अब आप व्हाट्सएप नंबर पर भी जिला प्रशासन को कर सकते हैं शिकायत

विभा संवाददाता

- डीसी के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा आम जनों की शिकायतों के लिए एक व्हाट्सएप नंबर 9430328080 जारी किया जा रहा है
- संबंधित विभाग लोगों की समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेगा और उसका समाधान करेगा
- रांची समाहरणालय ब्लॉक-ए के कमरा सं. - 220 में स्थित जन शिकायत कोषांग में भी अपनी समस्या से सम्बंधित आवेदन जमा कर सकते हैं

रांची। डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन आम जनों की शिकायतों के लिए एक व्हाट्सएप नंबर 9430328080 जारी कर रहा है, जिसमें लोग अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे। यह नंबर 2 दिसंबर से शुरू होगा। इस नंबर पर रांची की जनता 24×7 शिकायत कर सकेगी। संबंधित विभाग लोगों की समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेगा और उसका समाधान करेगा। इसके लिए तीन पारियों में दो-दो कर्मियों और पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गयी है। प्रत्येक सप्ताह के शनिवार के दिन जनता के शिकायतों की समीक्षा की जायेगी। इसमें लोगों से प्राप्त होने वाले शिकायतों को ससमय निराकरण के लिए संबंधित विभाग को भेजा जायेगा। शिकायत पर की गयी कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन समय-समय पर उपलब्ध कराना होगा। डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर जिला जन शिकायत कोषांग भी रेस हो गया है। जिला जन शिकायत कोषांग समाहरणालय ब्लॉक-ए के कमरा सं. - 220 में हैं। डीसी ने आम जनता को अपनी शिकायत को लेकर रांची जिला जन शिकायत कोषांग में आवेदन जमा करने की अपील की है। उन्होंने जनता से आवेदन की रिसीविंग भी लेने को कहा है। इसके बाद कोषांग प्राप्त आवेदन पर यथाशीघ्र नियमानुसार कार्रवाई करेगा।

आरसीएच में मिला दुर्लभ प्रजाति का सांप झारखंड में पहली बार किया गया रेस्क्यू

रांची। नामकुम स्थित आरसीएच कार्यालय में दवा के कार्टून के अंदर से ओरनेट फ्लाईंग स्नेक तक्षक नाग को रेस्क्यू पिठोरिया निवासी स्नेक रेस्क्यूवर रमेश कुमार महतो ने किया है। सांप लगभग 3 फीट का था। रमेश ने बताया कि यह सांप दुर्लभ प्रजाति का है और झारखंड में पहली बार इसे रेस्क्यू किया गया है। यह सांप ज्यादातर पठारी क्षेत्र के झाड़ीनुमा जगहों पर पाया जाता है। यह सांप 100 फीट उपर से नीचे जंप कर सकता है। यह जमीन में बहुत कम आता है। अधिकतर यह पेंड़ में ही रहता है। इसका भोजन मुख्य रूप से छिपकली एवं कीड़े-मकौड़े हैं। यह सांप विलुप्त के कगार पर है। यह भारत में रेयर कैटेगरी में आता है। इस सांप के जेनेटिक के बारे में रिसर्च होगा। इसलिए इसे बिरसा जैविक उद्यान को सुपुर्द कर दिया जाएगा।

देर रात अपराधी गिरोह ने ओरमांझी में की फायरिंग और आगजनी

रांची। ओरमांझी थाना क्षेत्र के हुटपा गांव में अपराधी गिरोह ने फायरिंग और आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। अपराधियों ने भारत पेट्रोलियम की ट्रक में आगजनी की। इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी का माहौल बना हुआ है। सूचना मिलने के बाद डीएसपी अनुज उरांव, ओरमांझी थाना प्रभारी समेत पुलिस बल मौके पर पहुंच का जांच कर रही है।

विश्व एड्स दिवस पर ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

इस बार का विषय मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार

विभा संवाददाता

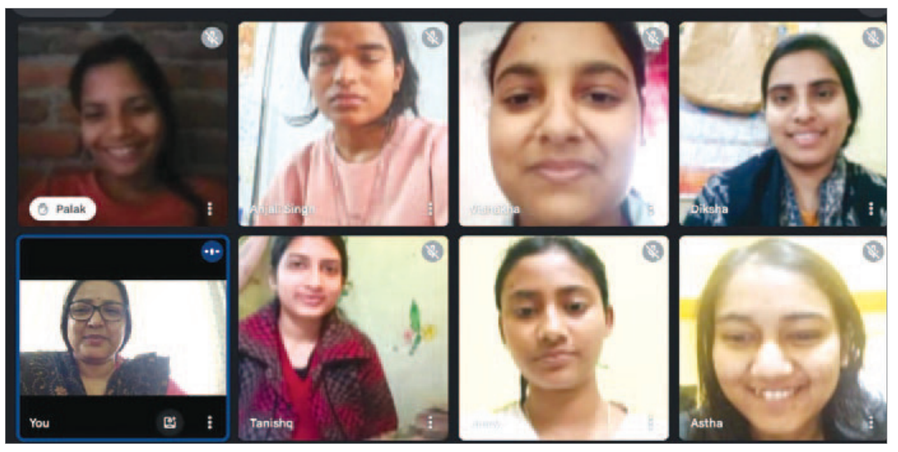

रांची। प्राचार्या डॉ सुप्रिया के निर्देशन में रांची विमेंस कॉलेज, रांची की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक की प्रोग्राम ऑफिसर डॉ कुमारी उर्वशी द्वारा आज 10:00 बजे विश्व एड्स दिवस पर एक ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय रखा गया "एड्स के रोगी और उनके मानवाधिकार"। ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) वह वायरस है जो एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम (एड्स) का कारण बनता है। पेरिस के पाश्चर इंस्टीट्यूट में ल्यूक मॉन्टैग्नियर, एमडी द्वारा मानव इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) की पहचान की गई, और फिर 1984 में एनसीआई के रॉबर्ट गैलो, एमडी द्वारा इसे एड्स का कारण बताया गया, तो एनसीआई के वैज्ञानिक इन खोजों पर तेजी से कार्रवाई करने के लिए तैयार थे। हर साल विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता बढ़ाने को लेकर हर साल का विषय अलग होता है। इस साल विश्व एड्स दिवस 2024 का विषय है "सही मार्ग अपनाएं : मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार" रखा गया है। प्रतियोगिता में कुमारी मानसी आस्था कुमारी जोशी कुमारी विशाखा कुमारी तान्या दीक्षा कुमारी शिवानी कुमारी तनिष्क मिश्रा अंजली सिंह पलक शर्मा ने अपने विचार रखे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विशाखा कुमारी को द्वितीय स्थान दीक्षा कुमारी को और तृतीय स्थान आस्था कुमारी एवं तनिष्क मिश्रा को संयुक्त रूप से मिला। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक के स्वयंसेवकों के विचारों से यह तथ्य उभरकर सामने आया की मानव अधिकार एचआईवी/एड्स के प्रसार और प्रभाव से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। मानव अधिकारों के प्रति सम्मान की कमी रोग के प्रसार को बढ़ावा देती है और इसके प्रभाव को बढ़ाती है, जबकि साथ ही एचआईवी मानव अधिकारों की प्राप्ति में प्रगति को कमजोर करता है। यह संबंध कुछ समूहों में रोग के असमान प्रसार और घटना में स्पष्ट है, जिसमें महामारी की प्रकृति और मौजूदा सामाजिक, कानूनी और आर्थिक स्थितियों के आधार पर महिलाएं और बच्चे और विशेष रूप से गरीबी में रहने वाले लोग शामिल हैं। यह इस तथ्य में भी स्पष्ट है कि आज महामारी का भारी बोझ विकासशील देशों द्वारा वहन किया जा रहा है, जहां यह रोग मानव विकास में महत्वपूर्ण उपलब्धियों को उलटने की धमकी देता है। एड्स और गरीबी अब कई विकासशील देशों में परस्पर नकारात्मक शक्तियों को मजबूत कर रहे हैं।

50 साल से रेलवे की जमीन पर बसे ग्रामीणों को खाली करने का आदेश

रांची। जिले के तुपुदाना क्षेत्र में स्थित पिठिया टोली के निवासियों को रेलवे प्रशासन ने नोटिस जारी कर रेलवे की जमीन खाली करने का आदेश दिया है। यह नोटिस मिलने के बाद 50 सालों से रेलवे की जमीन पर बसे इन ग्रामीणों के सामने बेघर होने का संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने इस मुद्दे पर एक बैठक आयोजित की और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के हटिया मंडल अध्यक्ष राम मनोज साहू के नेतृत्व में विधायक नवीन जायसवाल से मुलाकात की। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि वे पिछले 50 वर्षों से हटिया के पिठिया टोली में रेलवे लाइन के किनारे रह रहे हैं और यहां उनके घर बसे हुए हैं। विधायक ने DRM से बात करने का आश्वासन दिया ग्रामीणों ने विधायक से आग्रह किया कि उन्हें बेघर होने से बचाने के लिए रेलवे प्रशासन से बातचीत की जाए। विधायक नवीन जायसवाल ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वह DRM (डिवीजनल रेलवेज़ मैनेजर) से इस मुद्दे पर बातचीत करेंगे और पिठिया टोली के निवासियों के लिए जल्द समाधान निकाला जाएगा।

पवित्रता और एक दूसरे के प्रति प्रेम आगमन काल का केंद्र : विंसेंट आइंद

विभा संवाददाता

रांची। आज आगमन के पहले रविवार के दिन रांची कैथोलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने संत फ्रांसिस चर्च, आरागेट, रांची में 04 धर्म बंधुओं का उपयजाकीय अभिषेक किया। संत फ्रांसिस चर्च आरागेट के विश्वासियों के लिए आज एक विशेष दिन रहा क्योंकि आज 04 धर्म बंधुओं ने ब्रा० जोनिश गाड़ी, ब्रा० नीरज कंडूलना ब्रा० नेलसन कुजूर आई० एम० एस ०, ब्रा० पायस बागे, कैपुचिन ने उपयजाकीय अभिषेक ग्रहण किया। इस अवसर पर आरागेट के विश्वासियों ने महाधर्माध्यक्ष को स्वागत करते हुए गिरिजा परिसर में ले कर आए। उपयाजकीय अभिषेक समारोह पवित्र मिस्सा बलिदान के साथ आरंभ हुआ जिसकी अगुवाई महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने की। महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने अपने धर्मोपदेश में कहा कि आगमन काल सिर्फ़ आने वाले क्रिसमस की बाहरी तैयारी नहीं है बल्कि यह समय पवित्रत, शुद्धता, और एक दूसरे को प्रेम दिखाने का काल है। चूंकि यह दिन धर्म बंधुओं को उपयाजकीय अभिषेक प्रदान करने का मौका रहा इसलिए महाधर्माध्यक्ष ने उपयाजक (डीकन) होने का मर्म समझाते हुए कहा कि - उपयाजक होना सेवा करने के भाव से संबंधित है। इसीलिए उपयाजकों को ईमानदारी और निष्ठा से सेवा करने का आह्वान किया। उपदेश समाप्ति पर चारों धर्मबंधुओं को नाम लेकर पुकारा गया जिसके प्रत्युत्तर में उन्होंने प्रस्तुत हूँ कहा। इसके बाद रांची के महाधर्माध्यक्ष ने उन्हें उपयाजक के रूप में अभिषेक किया। मिस्सा के अंत में महाधर्माध्यक्ष ने चारों धर्मबंधुओं को उपयाजकीय अभिषेक प्राप्त करने पर बधाईयां एवं शुभकामनाएं दीं। इस उपयाजकीय अभिषेक समारोह में रांची के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद , फा० हरमन मिंज प्रोविंशियल, फा० प्रदीप कुमार, फा० साइमन मुर्मू, फा० बेसिल रुंडा आरागेट के पल्ली पुरोहित, फा० आनंद डेविड खलखो रांची धर्मप्रांत के विकार जेनरल , फा० वाल्टर किस्पोट्टा, फा० एंजेलुस एक्का, फा० रोशन तीड़, फा० फिलिप मिंज एवं अन्य पुरोहितगण विभिन्न धर्म समाज की धर्मबहनें, आरागेट के विश्वासी एवं उपयाजक अभिषेक ग्रहण करने वाले धर्म बंधुओं के माता-पिता एवं रिश्तेदार शामिल हुए।

सांसद संजय सेठ ने सांसद मद से यादव भवन का किया उद्घाटन

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने सांसद मद से यादव भवन का उद्घाटन किया यादव भवन 2400 स्क्वायर फीट में बनाया गया है इस अवसर पर सांसद संजय सेठ ने कहा किसी भी समाज का अपना भवन होना अनिवार्य है इस भवन के निर्माण से समाज के गरीब बच्चों की शादी एवं अन्य कार्यक्रम के लिए यह सदुपयोग में काम आएगा समाज को आगे बढ़कर इस तरह के कार्य करने चाहिए जिससे समाज के लोगों को फायदा हो मेरा प्रयास है जो भी समाज के लोग हैं उनके हर सुख दुख में मैं उनके कामो मों उनके साथ में हमेशा खड़ा रहूं प्राथमिकता के आधार पर समाज के हर वर्ग का कार्य मेरी प्राथमिकता में हैआज के इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष इंद्रजीत यादव निवर्तमान पार्षद विनोद सिंह ,अरुण झा, राम आशीष यादव, बनारस यादव, रमेश यादव, सुमन सिंह ,रामचंद्र जायसवाल, सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित थे।

भगवान् का नित्य दर्शन सनातन संस्कार का संचार करता है : जगतगुरु

विभा संवाददाता

रांची। श्रीधाम वृंदावन से पधारे जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनिरुद्धाचार्यजी महाराज की सरस वाणी में रविवार को सातवें दिनके प्रवचनामृत का रसपान कर श्रोतागण भाव विभोर हो गये।

स्वामी अनिरुद्धाचार्य उपदेश करते हुए कहा -कि आज अमावस्या का पवित्र दिन है। अमावस्या सूर्य देवता की तिथि है। सौर्यमास्य का महीनान्त अमावस्या तिथि को ही होता है। आज रविवार का दिन भगवान सूर्य का दिन भी है । सूर्यदेव अंतर्यामी भगवान श्रीमन्नारायण के नेत्र माने गये हैं। भगवान् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश भक्तों के अभीष्ट फलदाता हैं। भगवान की अहैतुकी कृपा के कारण ही हम भगवान् का नित्य दर्शन करते हैं। भगवान के नित्य दर्शन करने से हमारे मन में सनातन संस्कारों का उदय होता है। भगवान की कृपा से ही हमारा जन्म भारतवर्ष के पवित्र भूमि पर हुआ है। हमें नित्य दर्शन देने के लिए ही भगवान ने सूर्यावतार रूप धारण किया है। स्वामी जी ने जोर देकर कहा - हम इस संसार में आए हैं, परिवार के बीच रहते हुए भी हर पल भगवान का स्मरण करते रहना चाहिए। अपनी सारी समस्याएँ और सांसारिक मोह माया भगवान को ही अर्पण कर देना चाहिए। सुबह सूर्योदय के पहले उठना चाहिए और संकल्पपूर्ण भगवान से अपने कल्याण के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जगद्गुरु रामानुजाचार्य अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने आगे कहा भगवान श्रीमन्नारायण के परम अनुग्रह से भारत जैसे पावन देश के राँची नगर जो भगवान के दिव्य विहार स्थल हो गया है; जहाँ श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर भगवान प्रतिष्ठित होकर हमें कृपा वृष्टि से अभिभूत कर रहे हैं, सिञ्चित कर रहे हैं और हमारे पाप को काट रहे हैं। हमारे भारतवर्ष की जो संस्कृति है ,वह अपने आप में अनुपम है। वही संस्कृति हमें संस्कारवान बनाती है। यदि हमारे जीवन में संस्कार नहीं है तो हमारा जीवन शुष्क है , निरस है। संस्कार ही हमारे जीवन को उन्नत बनाती है। संस्कार ही हमें बताती है कि तुम भगवान के हो और भगवान तुम्हारे हैं। इसलिए संस्कार के तहत पुण्य कर्म करना चाहिए। हमें हमेशा शुभ कर्म करना चाहिए।

आगे स्वामी जी ने कहा- मोह माया ही हमें संसार से भटकाती है और भगवान् के चरणों में अनुराग रखने में बाधक बनती है इसलिए मोह-माया का त्याग करने का प्रयास तो जरूर करना चाहिए। मोह हमसे पाप भी करा देते हैं।

बंगलादेश में चिन्मय कृष्ण दास की अविलंब रिहाई हो : विहिप

विभा संवाददाता

रांची। विश्व हिंदू परिषद झारखण्ड प्रांत द्वारा रांची के रेलवे स्टेशन, बगलामुखी हनुमान मंदिर में विरोध प्रदर्शन किया गया। विहिप झारखण्ड प्रांत के मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने बांग्लादेश प्रशासन द्वारा वहां के इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुजारी की गिरफ्तारी पर चिंता व्यक्त करते हुए उसे वहाँ के प्रशासन की कायरता पूर्ण और अलोकतांत्रिक घटना बताया है। बजरंग दल प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहा कि बंगला देश तत्कालीन सरकार के इस कायरता पूर्ण और अलोकतांत्रिक घटना का पुरजोर विरोध करती है। इस्कॉन संस्थान तथा हिंदू समाज के संगठनों ने अभी तक अपने बांगला देशी हिन्दु उत्पीडन के विरोध में जितनी भी कार्यवाहियां की हैं, सभी लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन किया है। किसी भी प्रकार की हिंसा का उन्होंने प्रतिहिंसा के रूप में अभी तक कोई उत्तर नहीं दिया है। इस प्रकार के पूर्ण शांतिप्रिय और लोकतांत्रिक रूप से अपनी बात रखने वाले समाज के किसी नेतृत्व को, जो एक वर्ग का भी नेतृत्व करते हैं, इस प्रकार से अलोकतांत्रिक तरीके से गिरफ्तार करना, उनको बंद करना उनकी आवाज को दबाने की कुचेष्टा करना अलोकतांत्रिक है, अमानवीय है और हिंदू समाज के मानवाधिकारों का हनन भी है।

विहिप के प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने कहा कि हम प्रारंभ से ही मांग कर रहे हैं कि बांग्लादेश में जो घटनाक्रम चल रहा है उसमें वामपंथी, इस्तामिक तत्वों के साथ मिलकर वहां के हिंदू समाज का दमन कर रहे हैं। दुर्भाग्य की बात है कि पूरे विश्व समुदाय ने, वैश्विक संगठनों ने इस घटनाक्रम पर जितनी चिंता व्यक्त करनी चाहिए थी जैसी रोक लगानी चाहिए थी. ऐसी रोक नहीं लगाई है। विश्व हिंदू परिषद पूरे विश्व समुदाय से यह अपेक्षा करती है कि वहां पर हो रहे घटनाक्रम को ध्यान से देखे, उसकी गंभीरता को समझे और बांग्लादेश के प्रशासन पर दबाव बनाए कि हिंदुओं के मानवाधिकारों की रक्षा की जाए, सुरक्षा की जाए।

विहिप प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह ने कहा कि भारत सरकार का प्रति-उत्तर इस विषय में बहुत ही सावधानी पूर्वक और न्यूनतम रहा है। यह सही है कि एक संप्रभु देश की स्वायत्तता को किसी भी प्रकार से चुनौती देना दूसरे देश की सरकार के लिए ठीक नहीं है परंतु, एक बड़े हिंदू समुदाय का इस प्रकार का उत्पीड़न पूरा विश्व, सारे पड़ोसी देश, भारत सरकार सिर्फ देखते रहे और कुछ भी कार्यवाही नहीं करें यह भी एक सीमा तक तो स्वीकार्य है लेकिन लंबे समय तक यह भी स्वीकार नहीं किया जा सकता।

विश्व हिंदू परिषद का मानना है कि विश्व समुदाप इन सब घटनाओं को उनके संज्ञान में ले, बांग्लादेश के प्रशासन पर दबाव बनाए कि हिंदुओं के उत्पीड़न को रोके। हम तुरंत प्रभाव से इस्कॉन के मुख्य पुजारी श्री चिन्मय कृष्ण दास प्रभु जी की रिहाई की मांग करते हैं। और किसी भी प्रकार के हिंदू नेता की, हिंदू पुजारी को, गुरु को बिना किसी कारण के गिरफ्तार करने की किसी भी प्रकार की मानसिकता से बांग्लादेश सरकार बचे, पह अपेक्षा भी करते हैं। आज के विरोध प्रदर्शन में झारखंड प्रांत रांची महानगर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में अन्य हिंदू संगठन एवं सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर संत जेवियर्स कॉलेज रांची में कार्यक्रम का आयोजन

विभा संवाददाता

रांची। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर रविवार संत जेवियर्स कॉलेज रांची में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक अबू इमरान शामिल हुए। कार्यक्रम में रेड रिबन क्लब के सदस्य , संत जेवियर कॉलेज के छात्र छात्राओं एवं एनएसएस के सदस्यों के द्वारा स्वागत गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए गए साथ ही एड्स से बचाव को लेकर जागरूकता फैलाने हेतु नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। छात्र-छात्राओं के बीच क्विज कंपटीशन, पेंटिंग कंपटीशन इत्यादि का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए असिस्टेंट प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ एस एस पासवान ने बताया कि 2002 में राज्य में एड्स कार्यक्रम की शुरुआत हुई है। वर्तमान में राज्य में 59 आईटीसी सेंटर कार्यरत है जिसमें हाई रिस्क ग्रुप के मरीजों का टेस्ट किया जाता है साथ ही जो मरीज पॉजिटिव पाए जाते हैं फिर उन्हें एआरटी सेंटर में भेजा जाता है जहां उनका मुफ्त इलाज किया जाता है एवं एक बेहतर जीवन देने की कोशिश की जाती है।

संक्षिप्त खबरें

आरपीएफ बोकारो ने नाबालिग लड़की का किया रेस्क्यू, सही सलामत चाइल्डलाइन को सौंपा

बोकारो(बिभा) : ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत आरपीएफ ने एक 16 साल की नाबालिक लड़की को बोकारो रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 से रेस्क्यू किया। मालूम हो कि रेस्क्यू की हुई नाबालिक की उम्र 16 वर्ष है वह बिहार के जिला गोपालगंज,ग्राम पैठन पट्टी वी एस मिल्स के पास के रहने वाली है बताया कि नाबालिक लड़की को बोकारो रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 के पास रात के लगभग 01:5 बजे संदिग्ध तरीका से घूमते देखा गया। ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ पुलिस द्वारा जब पूछताछ किया गया तो पता चला कि वह घर में बिना बताए घर से भाग निकली हैं रेस्क्यू किया टीम ने नाबालिग को स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 से पकड़ा. आरपीएफ एसआई बसंत कुमार, स्टेशन पेट्रोलिंग स्टाफ कांस्टेबल अनीश कुमार के साथ एलसी परिणीति भरी, के एम शिला देवी, मेरी सहेली टीम, नन्हे फरिश्ते की टीम की सतर्कता से नाबालिक का रेस्क्यू किया जा सका. बताया जाता है कि आरपीएफ सहित अन्य टीम प्लेटफार्म पर ड्यूटी पर मौजूद थी. जब रेलवे स्टेशन के के पास संदिध तरीके से उक्त को टहलते हुए देखा गया. जब पूछताछ की गई तो नाबालिक लड़की ने अपनी आप बीती सुना डाली. उसने बताया कि घरवालों के जानकारी दिए बगैर वह अपने घर से भाग गई है तथा उसके पास यात्रा टिकट या कोई यात्रा प्राधिकरण भी नहीं है और भटकते हुए यहां पहुंची है आरपीएफ ने लड़के को रेलवे चाइल्ड लाइन को सौप दिया.

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा सात को

बोकारो(बिभा) : बोकारो की प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की एक महत्वपूर्ण आमसभा आगामी सात दिसम्बर को परिषद की ओर से संचालित सेक्टर-4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में होगी। परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था की नई कार्यकारिणी समिति के गठन को लेकर विगत 13 अक्टूबर, 2024 को सम्पन्न हुई मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा के निर्णयानुसार परिषद की दूसरी आमसभा दिनांक 20 अक्टूबर, 2024 को आहूत की गई थी। परन्तु, विधानसभा चुनाव 2024 के आलोक में आदर्श आचार संहिता लागू रहने के कारण अनुमंडल पदाधिकारी, चास के आदेशानुसार उक्त आमसभा की बैठक स्थगित कर दी गई थी। इसी वजह से परिषद की आमसभा अब आगामी सात दिसम्बर को संध्या 6.00 बजे से आहूत की गई है। श्री चौधरी ने उक्त आमसभा में परिषद के सभी सदस्यों से शामिल होने का आग्रह किया है।

राजपुत समाज ने शहीद गोरीशंकर सिंह दिया श्रंद्धाजलि

घनबाद(बिभा) : बोकारो क्षेत्रीय राजपुत समाज झारखंड प्रदेश ने शहीद गौरीशंकर सिंह की 10 वां शहीद दिवस पर महुदा स्थित मुर्ति पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए श्रद्धांजलि दिया। समाज ने कहा कि शहीद परिवार के साथ समाज हमेशा साथ है ओर रहेगा। सिर्फ याद करने की जरूरत है। जबतक सुरज चाँद रहेगा, गोरीशंकर सिंह का नाम रहेगा। मौके पर केन्द्रय प्रवक्ता राधेश्याम सिंह, पुर्व महामंत्री शंकरदयाल सिंह, पुर्व अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, सावित्री देवी कार्यकारी अध्यक्ष राम बालक सिंह, जोनल अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह, पुर्व अध्यक्ष रधुनाथ सिंह, सचिव निमाई सिंह, संत परशुराम सिंह, रामचंद्र सिंह, सुरेन्द्र नाथा सिंह, बिधानचंन्द सिंह, राजाराम सिंह, गिरधारी सिंह, कन्हैयालाल सिंह ,विक्रम सिंह ,टार्जन सिंह ,राजाराम सिंह ,महावीर सिंह , राजेश सिंह ,संजय कुमार सिंह, रणजीत सिंह निरंजन सिंह, दिलीप सिंह, गणेश सिंह, बादल सिंह,महादेव सिंह संतोष सिंह शिवराम सिंह, ललित कुमार सिंह, धीरेंद्रनाथ सिंह ,मनोज सिंह विश्वनाथ सिंह, व केंद्र कमेटी जनरल कमेटी और ग्राम कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। इधर समाजसेवी व पुर्व प्रत्याशी जगन्नाथ राजवार ने शहीद गोरीशंकर सिंह के मुर्ति पर पुष्प अर्पित कर श्रंद्धाजलि दिया।

छात्र वनांचल संघ ने दी स्व. समरेश सिंह को श्रद्धांजलि

बोकारो(बिभा) : आईटीआई मोड़ में रविवार को छात्र वनांचल संघ की ओर से स्व. समरेश सिंह की दूसरी पुण्यतिथि मनाई गई। अवसर पर छात्रों ने स्व. सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महावीर सिंह चौधरी ने कहा कि दादा आज भी हमलोगों के बीच है। उनके कार्यो के बदौलत वे सदा जनमानस के बीच रहेंगे।

पलामू में सेवानिवृत्त शिक्षक की धारदार हथियार से हत्या

पलामू(बिभा)। जिले के सतबरवा प्रखंड में रविवार सुबह सेवानिवृत्त शिक्षक संघ अध्यक्ष परीक्षण सिंह (76) की निर्मम हत्या उनके पैतृक गांव हलुमाड़ में तेज धारदार हथियार से कर दी गई। परीक्षण सिंह गांव के देवी मंदिर के समीप प्यारी सिंह के खेत में शौच करने गए थे। इसी दौरान तेज धारदार हथियार से हत्या के बाद आरोपित पश्चिम दिशा की और फरार हो गए। खेत में उनका लोटा तथा टॉर्च भी पड़ा हुआ था। मौके की नजाकत को देखते हुए पुलिस ने स्निफर डॉग बुला लिया है और छानबीन कर हत्यारे की तलाश कर रही है। हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।
सेवानिवृत होने के बाद परीक्षण सिंह 2009 में मनिका विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं। मौके पर थाना प्रभारी अंचित कुमार, एसआई विश्वनाथ कुमार राणा, सुधीर कुमार, राजीव रंजन, बसंत कुमार दुबे के साथ डॉग एक्सपर्ट समेत सैकड़ों लोग घटना स्थल पर मौजूद थे।

डीपीएस बोकारो में झारखंड के प्राचार्यों का हुआ जुटान

क्षमता-निर्माण कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति की अनुशंसाओं पर विचार-विमर्श

बिभा संवाददाता

बोकारो : नई शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं को लेकर विचार-मंथन के लिए शनिवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में झारखंड भर के लगभग 200 शीर्ष शिक्षाविदों का जुटान हुआ। अवसर था क्षमता निर्माण कार्यक्रम (कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) का। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स, बोकारो के तत्वावधान में यह विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। इस मौके पर एनईपी की विभिन्न अनुशंसाओं के आलोक में भविष्य की शिक्षण-प्रणाली को लेकर शिक्षकों की तैयारी, इस दिशा में आनेवाली चुनौतियों तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक रणनीतियों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने विद्यार्थियों में जिज्ञासा की भावना को प्रोत्साहित करने हेतु प्रश्न पूछने की आदत विकसित करने तथा बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों में भी सतत ज्ञानार्जन और ज्ञान के आदान-प्रदान की अनिवार्यता

पर बल दिया। बदलते समय के साथ शिक्षा में बदलाव, कौशल-शिक्षा की आवश्यकता और इसकी महत्ता, विद्यालय की प्रासंगिकता आदि बिंदुओं को भी रेखांकित किया गया।
कार्यशाला के निर्धारित बिंदुओं के तहत सीखने की क्षमता का संरचनात्मक विश्लेषण (सफल), विद्यालय की गुणवत्ता के आकलन से संबंधित फ्रेमवर्क (एसक्यॉफ) तथा नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरआफ) के विभिन्न पहलुओं पर शिक्षकों ने आपस में अपने विचार साझा किए। इस क्रम में प्रतिभागी शिक्षकों के लिए अलग-अलग समूहों में प्रश्नोत्तरी तथा भांति-भांति की रोचक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। अंत में कार्यक्रम के सभी सहभागी वरिष्ठ शिक्षकों के बीच प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया।
इसके पूर्व, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत की बेला में हम ये गीत सुनाने आए हैं... के सुरीले गायन से अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. राधाकृष्णन सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स, बोकारो के अध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने सभी अभ्यागतों का स्वागत करते हुए उक्त कार्यशाला के उद्देश्यों तथा इसकी उपादेयता व रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उन्होंने विकसित भारत के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि 21वीं सदी के अनुरूप शिक्षा-व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव के लिए एनईपी 2020 एक पथ-निर्धारक नीति है।
कार्यशाला में मुख्य रूप से सीबीएसई, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव (कौशल शिक्षा) आर. पी. सिंह एवं संयुक्त सचिव (शैक्षणिक) अंजली छाबड़ा, सहोदया बोकारो के अध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार, सहोदया, रांची के अध्यक्ष एवं विकास विद्यालय, रांची के प्राचार्य पी. एस. कालरा, सहोदया, धनबाद की अध्यक्ष एवं डीपीएस धनबाद की प्राचार्या डॉ. सरिता सिन्हा, सहोदया, बोकारो के उपाध्यक्ष एवं जीजीपीएस बोकारो के प्राचार्य सोमेन चक्रवर्ती, सहोदया बोकारो के महासचिव एवं एआरएस पब्लिक स्कूल के प्राचार्य विश्वजीत पात्रा, सहोदया बोकारो के जिला प्रशिक्षण समन्वयक एवं चिन्मय विद्यालय बोकारो के प्राचार्य सूरज शर्मा मंचस्थ थे।

एन एच आई सड़क किनारे कचरे का अंबार, दे रहा है बड़ी घटनाओं का संकेत

स्वच्छता विभाग के अधिकारी लापरवाही में लिप्त

स्थानीय ग्रामीणों एवं राहगीर गंदगी से हो रहें हैं परेशान

बिभा संवाददाता

बोकारो : जरीडीह अंचल क्षेत्र अंतर्गत जैनामोड़ फोर लेन चौक के किनारे व्यवसायी वर्ग के लोगों द्वारा कचड़ा सड़क किनारे फेंका जा रहा है । दुसरी ओर होटल प्रबंधक के द्वारा सड़क किनारे गंदे पानी का बहाव किया जा रहा । जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला स्वच्छता समिति के अधिकारी प्रतिदिन सड़क से गुजरते हैं । जरीडीह अंचल अधिकारी प्रणव रितुराज , जरीडीह थाना प्रभारी बिक्रम सिंह,जरीडीह प्रखंड विकास पदाधिकारी सीमा कुमारी से क्षेत्र के व्यवसायियों सहित ग्रामीण ने मांग किया है कि शीघ्र ही कचड़े के अंबार एवं गंदे नाली के पानी से निजात दिलाने का काम करेंगे । बताया जाता है कि कचड़ा सड़क पर फेकने वाले लोगो पर , कचड़ा का पानी वहाव करने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई करते हुए कचड़े के अंबार पर रोक लगाई जाए । कचड़े के कारण कब्रिस्तान का मुख्य द्वार भी बंद हो गया है । जिस कारण अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों में धीरे-धीरे आक्रोश बढ़ता जा रहा है । राहगीरों को नाक मुंह बंद कर सड़क पर चलना पड़ रहा है । इस संबंध में अल्पसंख्यक समुदाय के नेता अकबर अंसारी , आजाद अंसारी , खलील अंसारी , आशिक अंसारी , शब्बीर अंसारी , सलीम अंसारी ने कहा है कि गंदे पानी का बहाव पर प्रशासन सक्रिय नहीं होते हैं तो इस संबंध में कभी भी मुख्य मार्ग को जाम किया जा सकता है । जिसकी जबाव देही प्रशासन की होगी ।

समरेश सिंह की दूसरी पुण्यतिथि मनाई गई, पहुंचे कई दिग्गज नेता

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखंड के कद्दावर नेता रह चुके समरेश सिंह की आज दूसरी पुण्य तिथि चास के रविंद्र भवन में मनाया गया। जहां इंडि गठबंधन के विभिन्न पार्टियों के नेता लोग इस श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित हुए । हजारों की संख्या में लोग अपने चर्चित नेता समरेश सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करने पहुंचे बोकारो के जाने-माने लोकप्रिय नेता समरेश सिंह को सब (दादा) के नाम से भी संबोधन करके बुलाते थे। वह हर वर्ग चाहे अमीर हो या गरीब दीन दुखियों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। उनके दोनों पुत्र सिद्धार्थ सिंह उर्फ माना सिंह एवं संग्राम सिंह जब अपने पिता पर पुष्पांजलि करने पहुंचे तो उनकी आंखें नम हो गई। दिवंगत नेता समरेश सिंह के दोनों पुत्र मान सिंह एवं संग्राम सिंह ने अपने पिता चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया एवं कहा कि जिस तरह से हमारे पिताजी को यहां के

लोगों से जो मान सम्मान और प्यार मिला है वह सदैव बरकरार रहेगा और यहां के लोगों को मैं नमन करता हूं कि वह इतना प्यार अपने प्रिय नेता समरेश सिंह उर्फ दादा को दिए हैं।
हम लोगों की कोशिश रहेगी कि उनके आदर्श एवं सिद्धांत पर चल सके एवं यहां जनता की उम्मीद पर खरा उतरे । वही वह जिस तरह से झारखंड एवं बोकारो के लोकप्रिय नेता रह चुके हैं हम लोगों की कोशिश रहेगी की उनके तरह तो नहीं पर उनके पद चिन्हों पर चलने का काम करेंगे एवं उनके छोड़े हुए सारे अधूरे काम को पूरा करने का काम करेंगे।

रिटायर्ड सेलकर्मी को अपराधियों ने मारी गोली, अंधेरे का फायदा उठा अपराधी फरार

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेक्टर 12 थाना क्षेत्र में देर रात गोलीबारी की घटना हुई जिसमे 65 वर्षीय ललन सिंह नामक व्यक्ति को बाइक सवार 3 अपराधियों ने 3 गोली सीने में उतार दिया और मौके से अपराधी हुआ फरार। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस जहा घायल को गंभीर हालत में बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बोकारो एसपी, सिटी डीएसपी सहित कई थानों की पुलिस दल बल के साथ बीजीएच पहुंचे। जिस व्यक्ति को गोली लगी उसका नाम ललन सिंह है जो 65 वर्ष का बताया जा रहा है और बोकारो स्टील प्लांट से रिटायर्ड कर्मी है जो सिटी थाना क्षेत्र के सेक्टर 2 का रहने वाला है। इस घटना के पीछे पैसे का लेनदेन बताया जा रहा है। ऐसे में पुलिस जांच की बात कह रही है।
बताया जा रहा है कि लल्लन सिंह अपने आवास सेक्टर 2 से सेक्टर 12 थाना क्षेत्र के सेक्टर 12 बी स्थित एसबीआई एटीएम के पीछे वाले ब्लॉक में गया था जहां पहले से 3 बाइक सवार अपराधी घात लगाकर इंतजार में था। ललन सिंह जैसे ही अपने बाइक से पहुंचे अपराधियों ने ताबातोड़ एक एक करके तीन गोली दाग दिया जिससे वो बुरी तरह से घायल हो गया और भागने के क्रम में गिर गया जहां घटना स्थल पर खून के धब्बे भी है। जिसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची और बोकारो जेनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां सीसीयू में इलाज चल रहा है। बोकारो एसपी मनोज स्वर्गियारी ने बताया की बाइक सवार तीन अपराधियों ने गोली मारी है और पुलिस पूरे मामले पर अनुसंधान कर रही है जल्द ही अपराधी सलाखों के पीछे होगा।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने शहीद अग्निवीर अर्जुन महतो को दिया श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

बोकारो : पूर्व सैनिक सेवा परिषद, बोकारो का एक दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सिलफोर पंचायत स्थित फतेहपुर ग्राम से शहीद अग्निवीर अर्जुन महतो के घर पहुंचा। सभी परिजनों से मुलाकात किया गया। शहीद को श्रद्धांजलि और पुष्पांजली अर्पित किया गया। परिवार की इक्षा है कि शहीद का एक स्मृति स्मारक तलगाडिया मोड़ पर बने। संगठन की तरफ से उनके गांव में भी एक आदम कद प्रतिमा के लिए परिवार की सहमति से जगह चिन्हित किया गया। मौके पे राकेश मिश्रा ,दिनेश्वर सिंह,मनोज झा,संजीव कुमार,राजहंस,बिनय कुमार परमहंस,दीपक कुमार निकेश गिरी , प्रतिनिधिमंडल में परिषद के सदस्यों के अतिरिक्त एकल के मनोज जी एवम के धीरेन्द्र जी भी शामिल थे।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सहयोगिनी संस्था द्वारा कसमार प्रखंड के मेरामहारा तथा दुगार्पुर गांव में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। इस संबंध में सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि जागरूकता के माध्यम से एचआईवी एड्स से छुटकारा पाया जा सकता है।
इस संबंध में गांव-गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किए जाने की जरूरत है जिससे लोगों के बीच में एड्स से बचाव को लेकर के जानकारी प्राप्त हो सके।
कार्यक्रम के दौरान सहयोगिनी की कार्यकर्ता प्रतिमा सिंह तथा विनीता देवी ने कहा कि एड्स दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य एचआईवी संक्रमण की वजह से होने वाली महामारी एड्स के बारे में हर उम्र के लोगों के बीच जागरूकता बढाना है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी की वजह से शरीर सामान्य बीमारियों से लडने में अक्षम होता है। इस दौरान उन्होंने उपस्थित किशोरियों को कहा कि एचआईवी से ग्रसित बच्चों के प्रति आत्मीयता रखें और उनके साथ मधुर व्यवहार रखना चाहिए।
कार्यक्रम के दौरान एड्स के कारण, लक्षण एवं रोकथाम पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने छात्राओं से ऑनलाइन चर्चा करते हुए एड्स के बारे में भ्रांतियों जैसे खांसी, भोजन, स्पर्श से एड्स होना गलत बताया। इन आधारों पर एड्स रोगी के साथ में भेदभाव किया जाना अमानवीय है। इस दौरान किशोरी क्लब की लड़कियां उपस्थित थी।

उलगोरा में बोकारो रोटरी क्लब ने किया ग्रामीण रोटरी यूथ लीडरशिप अवार्ड का सफल आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी, जिला 3250 ने ग्रामीण रोटरी यूथ लीडरशिप अवार्ड का सफल आयोजन जगदीश सेठ मेमोरियल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, आशा की किरण प्ले स्कूल, उलगोरा, बोकारो में किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाना और उन्हें जीवन की चुनौतियों को पार करते हुए आत्मनिर्भरता और प्रगति की दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 8:15 बजे प्रतिभागियों के पंजीकरण से हुई। इसके बाद रोटेरियन अशोक तनेजा और रोटेरियन मनु श्रीवास्तव द्वारा एक प्रेरणादायक उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। पूरे दिन विभिन्न प्रभावशाली सत्र

आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने रोचक अंदाज में बहुमूल्य विचार साझा किएः
डॉ. जयदेव कुमार महतो ने ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनानाः बाधाओं को तोड़ना और पुल बनाना विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिया।
रोटेरियन मनु श्रीवास्तव ने 10वीं और 12वीं के बाद करियर की खोजः अपनी रुचि और उद्देश्य को पहचानना विषय पर छात्रों को मूल्यवान मार्गदर्शन दिया। रोटेरियन राखी बनर्जी ने स्वस्थ आदतों, पोषण, व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को प्रेरित किया।
रोटेरियन चंद्रिमा रे ने संवादः बातें अनकही सी शीर्षक से एक प्रभावशाली सत्र प्रस्तुत किया।
कार्यक्रम के दौरान, एनी नीलम और रोटेरियन घनश्याम दास द्वारा आयोजित मजेदार खेल सत्र ने प्रतिभागियों में जोश और उमंग का संचार किया। इसके बाद, एक शानदार शो स्टॉपर प्रस्तुति ने सभी पर गहरी छाप छोड़ी। कार्यक्रम का समापन रोटेरियन संजय तिवारी के समेकित सारांश और समापन टिप्पणी के साथ हुआ। इसके पश्चात, आयोजित सहभोज ने प्रतिभागियों और रोटेरियनों के बीच संवाद और सौहार्द को और प्रगाढ़ किया।
हालांकि, अध्यक्ष रोटेरियन महेश कुमार गुप्ताशहर में उपस्थित नहीं थे फिर भी अपनी अनुपस्थिति के बावजूद, सभी सदस्यों, वक्ताओं, और प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उन्होंने अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने युवाओं को सशक्त बनाने और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में रोटरी क्लब की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले समर्पित सदस्यों, प्रेरक वक्ताओं और उत्साही प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। सचिव रोटेरियन हरदीप सिंह और कोषाध्यक्ष रोटेरियन प्रदीप रे ने भी इन्हीं भावनाओं को व्यक्त करते हुए, कार्यक्रम की सफलता में रोटरी सदस्यों और उनके परिजनों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में रोटेरियनों और उनके परिजनों की बड़ी संख्या में भागीदारी ने एक उत्साहवर्धक और प्रेरक वातावरण का निर्माण किया। इस आयोजन को सभी ने अत्यधिक सराहा और इसे रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी की सेवा और सामुदायिक निर्माण की समृद्ध परंपरा को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा गया।

संक्षिप्त खबरें

झालसा सचिव ने बाबा आम्रेश्वर धाम में की पूजा अर्चना

खूँटी(बिभा)। झारखंड के प्रसिद्ध बाबा भोलेनाथ की दूसरी नगरी बाबा आम्रेश्वर धाम में झारखंड उच्च न्यायालय के झालसा के सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना रविवार को पूजा अर्चना करने अपने पूरे परिवार के साथ पहुँची। उन्होंने पूरे विधि - विधान से बाबा भोले का पूजा करने के बाद पूरे परिसर के सुंदर रमणीय स्थल का भ्रमण की। साथ ही, बाबा आम्रेश्वर धाम के विषय में जानकारी ली। मौके पर बाबा आम्रेश्वर धाम के महामंत्री मनोज कुमार ने उनका स्वागत कर पूजा पाठ करवाये। तदोपरांत आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के महामंत्री द्वारा उनको यहाँ का स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया इस अवसर पर खूँटी न्यायालय की रजिस्ट्रार भी साथ में उपस्थित थी। यह जानकारी बाबा आम्रेश्वर धाम के प्रबंधक सत्यजीत कुंडू ने दी।

स्वतंत्रता सेनानी व शहीद परिवार के लिए बनाया गया ट्रस्ट पर अर्जुन मुण्डा ने उठाए सवाल

खूँटी(बिभा)। झारखंड सरकार द्वारा शहीद स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों के कल्याण और सम्मान देने के लिए झारखंड सेनानी कोष का गठन किया गया है। पर , इस कोष का गठन तो हो गया, जिसमें करोड़ों रुपये भी रखे गए, लेकिन इसका वास्तविक लाभ से आजतक शहीदों के वंशजों को नहीं मिल पाया। झारखंड के अमर शहीदों को उचित सम्मान देने एवं शहीद के परिजनों को झारखंड सेनानी कोष, गृह मंत्रालय झारखंड सरकार के अंतर्गत तत्काल राहत प्रदान करने के लिए, कार्यशील करने के मामले पर बातें भी उठ चुकी है। वहीं भगवान बिरसा मुंडा के परिजन का देहान्त पर पर अर्जुन मुंडा ने कहा कि राज्य के ऐसे शहीद परिवार के कल्याणार्थ और सहायता के लिए ट्रस्ट बनाया गया है सरकार उसे स्वचालित मोड में लेकर आए। ट्रस्ट के माध्यम से शहीद परिवारों के लिए ग्रुप इंश्योरेंस होना चाहिए। इसके लिए फंड में पर्याप्त राशि दी गई है। लेकिन इसके लिए जिस प्रकार से नियमानुकूल बैठक होनी चाहिए अभी तक नहीं हुआ है। नियम के अनुसार से जिस प्रकार से बैठक होनी चाहिए वैसी बैठक हो और सहित परिवार के लोगों को सुरक्षा साधन शिक्षा स्वास्थ्य आदि के लिए सहायता प्रदान करें। जो कि ऐसे चीजों के लिए प्राथमिकता में से एक है।

कुएं में गिरने से युवक की डूबकर हुई मौत

खूँटी(बिभा)। जिले के तोरपा थाना क्षेत्र के किंसुटोली गाँव में रविवार को 23 वर्षीय युवक का कुआं में डुबने से मौत हो गया। जानकारी के अनुसार, एतवा भेंगरा का पुत्र कार्तिक भेंगरा रविवार को जतरा टाँड़ स्थित कुएँ में नहाने गया था। जो अचानक कुएँ में गिर गया और डूब कर मृत्यु हो गयी। वहीं लोगों के अनुसार, कार्तिक भेंगरा को मिर्गी बिमारी की शिकायत थी। जिसके कारण वह कुएँ में गिरा और फिर डूब गया। जिसे कुएं से बाहर निकाला गया , लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं परिजनों व आसपास के लोगों द्वारा तोरपा थाना में इस घटना की जानकारी दी गयी। वहीं पुलिस घटनास्थल पर पहुँच जानकारी जुटाया। साथ ही, शव की मृत्यु समीक्षा प्रपत्र भरकर यूडी केस दर्ज करते हुए शव अन्त्यपरीक्षण कराया और परिजनों को सौंप दिया।

अमतीपानी में 62वां खान सुरक्षा सप्ताह की तैयारियां जोरों पर

लोहरदगा(बिभा): डीजीएमएस चाईबासा क्षेत्र के तत्वावधान में 62 वां वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह कोज आगामी 2 दिसंबर से 8 दिसंबर 2024 तक मनाया जा रहा है। अमतीपानी में खान सुरक्षा सप्ताह को लेकर तैयारियां जोरों पर है। इसके लिए बैठक कर कमिटी गठित की गई है। डीजीएमएस द्वारा गठित निरीक्षक दल सभी खनन क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे। खान सुरक्षा के प्रति जागरूकता संचालित की जा रही है। गठित समिति में अध्यक्ष प्रबंधक योगेंद्र लिलहरे, सचिव रिशव गौरव, उपाध्यक्ष सुशोवन सामंता, कोषाध्यक्ष राजन गुप्ता बनाए गए हैं। कमिटी में बीरेंद्र भगत, डीके सिंह, आकाश दास, अनिल साहू समेत कई शामिल किए गए हैं।

सड़क दुर्घटना में सात युवक घायल

तमाड़(बिभा)। थाना क्षेत्र के अलग-अलग क्षेत्र में दो सड़क दुर्घटना में सात युवक घायल हो गया। सभी घायलों का इलाज तमाड़ अस्पताल में करने के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची भेज दिया गया। पहली घटना तमाड़ खूंटी पथ पर मांझीडीह के निकट एक मोटरसाइकिल असंतुलित होकर पलट गयी। जिससे मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए घायल युवक तालाडीह निवासी भारत मुंडा एवं जीतू मुंडा बताए जाते हैं। वहीं दूसरी घटना तमाड़ सारजमडीह मार्ग पर आमलेशा के निकट दो मोटरसाइकिल आपस में भिड़ंत होने से पांच युवक घायल हो गए। घायलों में दो की स्थिति गंभीर बताई जाती है। घायल युवकों में अविनाश नायक, राहुल मछुवा, अमित नायक, नूनू मछुवा, राजू नायक शामिल है। जिसमें नूनू और अविनाश की हालत गंभीर बताई जाती है। घायलों का इलाज तमाड़ अस्पताल में करने के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेज दिया गया।

यौन शोषण के आरोप में पलामू बालिका गृह के संचालक और महिला कॉउंसलर भेजे गए जेल

पलामू(बिभा)। बालिका गृह पलामू में यौन शोषण का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। मेदिनीनगर महिला थाना में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए संचालक राम प्रताप गुप्ता (72) और महिला कॉउंसलर प्रियंका कुमारी (26) को रविवार दोपहर एक बजे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए शनिवार देर शाम आनन-फानन में बालिका गृह को सील कर सभी लड़कियों को जेलहाता स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया है। अधिकारियों की जांच दूसरे दिन भी जारी है। उल्लेखनीय है कि बालिका गृह का संचालन समाज कल्याण विभाग के जरिए होता है। पिछले तीन वर्षों से एनजीओ विकास इंटरनेशनल को इसे चलाने का जिम्मा दिया गया था। आरोपित राम प्रताप गुप्ता इस एनजीओ का सचिव है। जिस नाबालिग लड़की के साथ रामप्रताप ने दुष्कर्म किया है, वह जिले के नक्सल प्रभावित इलाके की रहने वाली है। उसके माता-पिता नहीं हैं। उसके साथ गांव के ही युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया था, जिसके बाद उसे दो साल पहले बालिका गृह लाया गया था। पीड़िता के साथ उसकी छोटी बहन भी यहां रहती थी। जून माह में छोटी बहन की मौत हो गई। इसका एक भाई बाल गृह में रहता है। बालिका गृह के मैनेजमेंट पर पहले भी सवाल उठते रहते हैं। यहां से बच्चियों के भाग निकलने की घटनाएं भी हमेशा सामने आती हैं। बच्चियों के भागने के बाद उन्हें खोज कर फिर से लाया जाता है।

कार्तिक उरांव फुटबॉल प्रतियोगिता में गोपालगंज की टीम बनी विजेता

खेल के माध्यम से मिलनेवाली चुनौती सवार्गीण विकास मे सहायक: अभिनव

बिभा संवाददाता

लोहरदगा: आदिवासी अखरा समिति सिठियो के तत्वाधान में झारखंड फुटबॉल से रजिस्टर्ड अंतर्राष्ट्रीय नियम के अनुसार खेले जाने वाले कार्तिक उरांव फुटबॉल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। फाइनल मैच का आयोजन करम मैदान सिठियो मे किया गया। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के युवा सचिव अभिनव सिद्धार्थ भगत शामिल हुए जिनका स्वागत द्वारा पारम्परिक रिती रिवाज के साथ किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा स्वर्गीय कार्तिक उरांव के चित्र पर माल्यर्पण कर किया गया। अतिथियों द्वारा खिलाड़ीओं से परिचय प्राप्त कर विधिवत फाइनल मैच का उद्घाटन किया गया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच संत जान रांची और गोपाल गंज के बीच खेला गया, जिसमे गोपाल गंज ने टाईब्रेकर मे संत जान रॉची को पराजित कर प्रतियोगिता का विजेता बना। बताते चले कि आदिवासी अखरा समिति सिठियो द्वारा प्रत्येक वर्ष स्व.कार्तिक उराँव के नाम पर प्रतियोगिता का आयोजन ग्रामीणों के आपसी सहयोग से किया जाता है। प्रतियोगिता में 16 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता 27 नवंबर से 01 दिसंबर तक चला। मैच समाप्ती के पस्चात पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर खिलाड़िओं को सम्बोधित करते हुए अभिनव सिद्धार्थ भगत ने कहा की खेल आप में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है, खेल के माध्यम से मिलने वाली चुनौती आपके स्वार्गीण विकास में सहायक होती है। उन्होंने आयोजन समिति को धन्यवाद देते हुए कहा कि आदिवासियों के मसीहा कार्तिक बाबू को खेल के माध्यम से आपने जो श्रद्धांजलि देने का प्रयास किया आप बधाई के पात्र है। फीफा के नियम से प्रतियोगिता का सफल आयोजन कर आप क्षेत्र के सभी खिलाड़ियो को प्लेटफार्म देने की कोशिश लगातार कर रहे है। मौके पर फाइनल के विजेता टीम को डेढ़ लाख रुपए नगद राशि उप विजेता को 1,00,000 रुपए नगद राशि तृतीय और चतुर्थ स्थान पर आने वाली टीम को 25,000 रुपये नगद राशि के साथ अन्य आकर्षक पुरस्कार सौंपा गया। मैच में निर्णायक की भूमिका अर्जुन उरांव, सामाउद्दीन अंसारी ,सुरेश मुंडा तबरेज आलम ने निभाई और मैच की कॉमेंट्री कमलेश उरांव ने की। मौके पर डा. रंजीत कुमार महली,सुजीत भगत, रवि साहू, नेमचन्द भगत, सुकरा मास्टर, साजिद अहमद चंगु, फूलदेव उरांव, मनोहर देवासीस उरांव, तबारक अंसारी, मंटूजी, किशोर साहु, तिवारी भगत, घुरन उरांव, नेजावत अंसारी, सनिया पुजार, सुनील उरांव, महावीर उरांव, रोशन टोप्पो, प्रतोष महली, गुलाम जिलानी, सहबीर उरांव, संदीप उरांव, परमेशवर, विकास उरांव, सुखदीप उरांव, प्रवीण उरांव, वकील महली, विपिन उरांव, कुलदीप उरांव, अनिकेत टोप्पो, प्रवीण उरांव, रोहित उरांव, गणेश बैठा ,रोशन टोप्पो, धर्मवीर उरांव, विशाल उरांव आदि उपस्थित थे।

कुडु एकादस और यूनाइटेड स्पोर्ट्स अपने-अपने मैचों में रहे विजयी

लोहरदगा : जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीनियर डिविजन क्रिकेट लीग के ग्रुप बी के अंतर्गत आज दो मैच खेले गए। पहले मैच में कुडु एकादश ने स्पोर्टिंग यूनियन को 70 रनों से पराजित किया तथा दूसरे मैच में यूनाइटेड स्पोटस ने सीटीसी सी को 131 रन से पराजित कर दिया। स्थानीय बलदेव साहू महाविद्यालय के मैदान में खेले गए पहले मैच में कुडु एकादश ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुए 30 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 221 रन का स्कोर खड़ा किया टीम की ओर से प्रभाकर दुबे ने शानदार 101 रनों की पारी खेली उन्होंने 18 चौके लगाए तन्मय कुमार ने 27 रन का योगदान दिया स्पोर्टिंग यूनियन की ओर से गेंदबाजी करते हुए सुधीर कुमार ने 4 तथा आर्यन सिंह ने दो विकेट लिया जवाबी पारी खेलते हुए स्पोर्टिंग यूनियन की टीम 25.4 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाया। टीम की ओर से सूरज ने 54 तथा प्रत्यूष दास ने 37 रनों का योगदान दिया कुरु एकादश की ओर से गेंदबाजी करते हुए तन्मय गुप्ता ने 6 विकेट तथा रजी, सिद्धार्थ , सुशांत और अभिषेक ने एक-एक विकेट लिया। दूसरे मैच में यूनाइटेड स्पोटस ने टॉस जीत कर पहले खेलते हुए 30 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 252 रन का स्कोर खड़ा किया टीम की ओर से आदित्य चौधरी ने शानदार 111 रन मोहम्मद कैफ ने 60 रन और विनीत अभिषेक ने 32 रनो का योगदान दिया सीटीसी सी की ओर से गेंदबाजी करते हुए श्लोक झा दो विकेट और नयन ने दो विकेट लिया जवाबी पारी खेलते हुए सीटीसी सी की टीम 24.5 ओवर में 121 रन बनाकर ऑल आउट हो गई शुभम कुमार ने 29 रन अभिमन्यु यादव ने 20 रन और नयन कुमार ने 20 रन का योगदान दिया यूनाइटेड स्पोटस की ओर से गेंदबाजी करते हुए शिवम भोक्ता ने चार विकेट और अनमिक उरांव ने तीन विकेट लिया।

गोमिया विधायक योगेंद्र प्रसाद से सहारा इंडिया एजेंटों ने की मुलाकात

गोमिया : गोमिया विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक योगेंद्र प्रसाद से रविवार को मुरुबंदा आवास में सहारा इंडिया के एजेंटों ने मुलाकात की. इस अवसर पर एजेंटों ने विधायक का बुके और फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया और प्रचंड जीत की बधाई दी. सहारा इंडिया के दर्जनों एजेंटों ने विधायक को अपनी समस्याओं से अवगत कराया और सहारा पीड़ितों की मदद के लिए पहल करने का आग्रह किया. उन्होंने हाल ही में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा सहारा पीड़ितों के लिए दिए गए बयान पर प्रसन्नता व्यक्त की और इस मामले में जल्द कार्रवाई की उम्मीद जताई. विधायक ने सहारा पीड़ितों की समस्याओं को प्राथमिकता देने का आश्वासन देते हुए कहा कि वे इस मुद्दे पर सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे. उन्होंने उपस्थित जनों को भरोसा दिलाया कि गोमिया के विकास और क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए वे दिन-रात काम करने को प्रतिबद्ध हैं.

एथलेटिक एसोसिएशन की बैठक आयोजित

एथलेटिक मीट का आयोजन 17 से 19 जनवरी तक

बिभा संवाददाता

लोहरदगा : बलदेव साहू शिवप्रसाद साहू धर्मशाला में जिला एथलेटिक एसोसिएशन के कार्यकारणी समिति की बैठक सचिव संजय प्रसाद साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व में लिए गए निर्णयानुसार संयोजक मण्डली का गठन किया गया था जिसमे जाहिद अहमद, किशोर कुमार वर्मा, कयूम खान और अजय प्रसाद प्रजापति को बनाया गया है, जो कार्यों को सुचारु ढंग से संपादन करने में सहयोग करेंगे। बैठक में मैदान निर्माण के प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की 67वीं एथलेटिक मीट का आयोजन 17 से 19 जनवरी 2025 तक आयोजित होगा। प्रतियोगिताएं ललित नारायण स्टेडियम में आयोजित होंगी। बैठक में 67 वीं एथलेटिक मीट के लिए पाँच लाख चौवन हजार रुपये का बजट स्वीकृत किया गया। बताते चले कि ललित नारायण स्टेडियम में 1951 से प्रतियोगिता का आयोजन होता आ रहा है। वर्तमान में नगरपरिषद की देख रेख में स्टेडियम है इसलिए नगरपरिषद ललित नारायण स्टेडियम का जीर्णोद्धार करा कर एथलेटिक एसोसिएशन को जिम्मेदारी दिया जाय। इसको ले संयोजक मंडली नगर प्रशासक एवं उपायुक्त लोहरदगा तथा एसपी लोहरदगा को इस निमित्त आमंत्रित करते हुए सहयोग प्रदान कराने का आग्रह करेंगी। एसोसिएशन की अगली बैठक दिसंबर के द्वितीय सप्ताह में एथलेटिक एसोसिएशन के अध्यक्ष सह पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू की अध्यक्षता में की जाएगी।बैठक में मनोज प्रसाद, लाल मोहन केसरी, कमल प्रसाद केसरी, उमेश्वर नाथ तिवारी, अफसर कुरैशी, कयूम खान, सैयद जाहिद अहमद, अजय प्रसाद, हाजी शकील अहमद, प्रोफेसर लोहरा उरांव, राजीव रंजन प्रसाद साहू, मोहम्मद खलील, अलोक रॉय, रामाधार पाठक, सैयद सुझाउद्दीन राजा, तनवीर गौहर, संदीप गुप्ता, मुमताज अहमद, नसीम अहमद, मुरारी गोस्वामी, कैलास केसरी, रजी अहमद, अरुण राम, संजय बर्मन, अयूब अली, मनोज गोप, सोमा उरांव, हसीन अख्तर मुन्ना, फहद खान, इंद्रदेव उरांव, आशुतोष पाठक, हिमांशु केसरी, रोहित उरांव, परवेज अहमद, अंसार अहमद, कलीम मिदाहीं एवं किशोर कुमार वर्मा आदि उपस्थित थे।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 42 लोग ने कराया अपने स्वास्थ्य जांच

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। सेवा भारती द्वारा चुन्नीलाल उच्च विद्यालय के प्रांगण मे 129 वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ,डॉ कुमुद अग्रवाल,अवधेश मित्तल, संजय चौधरी ने संयुक्त रूप से भारत माता के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 42 लोग अपने स्वास्थ्य की जांच करवा कर लाभान्वित हुए। हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड,ब्लड ग्रुप, शुगर, बी पी,वजन,हार्ट बीट, ऑक्सीजन लेवल आदि का निशुल्क जांच किया गया,एवं अन्य सभी प्रकार की जांच पैथोलॉजी के माध्यम से आधे ही खर्च में किया जा रहा है, जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा की किसी भी तरह के स्वास्थ्य जांच

कराने में घबराएं नहीं ना ही किसी प्रकार का संकोच करें नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य जांच अवश्य करते रहे जिससे कि बीमारी की जानकारी मिलने पर समय रहते उसका इलाज किया जा सके, डॉ कुमुद अग्रवाल ने कहा कि खुशहाल जीवन जीने के लिए स्वस्थ रहना जरूरी है और उसके लिए आप अपने स्वास्थ्य की जांच हर समय कराते रहिए, कभी-कभी छोटी बीमारियां भी बड़ा रूप ले लेती है, और कहा की इस शिविर में आकर लोगों की सेवा करने में हमें बहुत ही सुकून मिलता है। उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल सचिव जयप्रकाश शर्मा व सहसचिव संजय चौधरी ने कहा की प्रत्येक सप्ताह इस स्वास्थ्य शिविर में लोग अपना स्वास्थ्य चेकअप करा कर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं,यह निशुल्क स्वास्थ्य शिविर निरंतर प्रत्येक रविवार को एक घंटे के लिए लगाई जाती है।और कहा की राजीव यादव भी स्वास्थ्य की जांच करने में अपना सहयोग दे रहे हैं।आज शिविर में- जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ, डॉ कुमुद अग्रवाल, अवधेश मित्तल, संजय चौधरी, जयप्रकाश शर्मा,सुबोध महतो, सत्यम सर्राफ,राजू यादव,अतुल सर्राफ,रानी देवी,अंजली सर्राफ,कौशल्या देवी, महेश कास्यंकार,अनिल साव, सोनी देवी, दीपक श्रीवास्तव,तपेश्वर प्रसाद अग्रवाल,संजय साहू,लखपति साहू, शिमला देवी,रामदेव भारती,रामचंद्र गिरी,नंदलाल कास्कार, बेला देवी, प्रभु साहू,जुगल किशोर प्रजापति, राजेश अग्रवाल, गंगा प्रसाद अग्रवाल, रमेश शर्मा, कृष्ण प्रसाद, गंगोत्री देवी, राम प्रसाद कसेरा,उदय कसेरा,प्रभु दयाल साहू, उमाशंकर साहू आदि उपस्थित थे।

कर्रा थाना क्षेत्र के दो जगहों में ट्रेन से कटने से दो लोगों की मौत

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा थाना क्षेत्र में ट्रेन से कटकर हुई मौत रविवार सुबह से ही क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। वहीं ये घटना दो अलग-अलग जगह पर शनिवार रात को हुई है। जिसमें एक मालगो के पास तो दूसरा चियूर गाँव समीप घटी। वहीं मिली जानकारी के अनुसार, कर्रा पुलिस ने शनिवार रात्रि में दोनों लोगों का शव बरामद करके कर्रा थाना लाया गया। जिसे रविवार को अन्त्यपरिक्षण के लिए सदर अस्पताल खूँटी भेजा गया। जिसमें मालगो गांव के पास पतरा मुचिया निवासी स्व. करमदास हेरेंज का 14 वर्षीय पुत्र अनमोल हेरेंज शनिवार को मालगो बाजार आया हुआ था। मालगो बाजार से घर पतरा मुचिया गाँव लौटने क्रम ट्रेन के चपेट में आने से अनमोल हेरेंज का मौत हो गयी। वहीं दूसरी, घटना चियुर गाँव के पास ट्रेन से कटने कारण एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गयी। वहीं ग्रामीणों द्वारा दोनों घटना की जानकारी कर्रा पुलिस को दिया गया। तभी कर्रा पुलिस दोनों घटना स्थल पर पहुँचकर दोनों शव को अपने अधीन में करके शनिवार रात्रि को ही कर्रा थाना ले आया और रविवार को दोनों शव का सदर अस्पताल खूँटी में अन्त्यपरिक्षण कराया और मृतक अनमोल हेरेंज के शव को परिजनों सौंपा गया एवं अज्ञात व्यक्ति के शव को खूंटी शीतगृह में रखा गया है।

फेंगल तूफान के आगमन से पूर्व फसल को लेकर किसान चिंतित

बिभा संवाददाता

खूँटी । बंगाल की खाड़ी से उठा फेंगल तूफान का असर का लक्षण अब खूँटी में भी दिखने लगा है। खूँटी जिले में आसमान में बादल छाए हुए हैं। जिसके कारण मौसम में कनकनी बढ़ गया है। लेकिन दूसरी ओर फसल पर इसका कोई प्रभाव न पड़े इसलिए किसान धान कटनी करने में लग गये हैं। बारिश होने से फसल बर्बाद हो सकता है। इसलिए अब उन्हें फेंगल तूफान का असर का चिंता सताने लगा है। किसान रानी पूर्ति बताई कि अगर बारिश हो जाएगा तो धन अंकुरित हो जाएगा धन खराब हो जाएगा। इसलिए धान फसल को घर तक ले जाने के लिए जल्दबाजी करने में हम लोग लगे हुए हैं। मजदूर भी नहीं मिल रहा है। हम पूरा परिवार धान को खलिहान तक ले जाने के लिए लगे हुए हैं और वहां पर तिरपाल वगैरह से ढँक देंगे। कल भी बारिश की एक दो बूंद गिरा और आज भी बूंदाबांदी हुआ। किसान सुक्खू हस्सा ने बताया कि धान को खलिहान तक ले जाने के लिए लगे हुए हैं अभी काफी हड़बड़ी है बारिश हो सकता है। बारिश होने से पहले सब काम को खत्म भी करना है। बता दें कि इस प्रकार फेंगल तूफान भले नहीं खूँटी नहीं पहुँचा है लेकिन इसका लक्षण खूंटी में दिखाई देने लगा है। वही बारिश हो जाने से फसल पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।

माता शबरी अपने गुरु मतंग ऋषि के वचनों का पालन की, जिसके कारण उन्हें मिले श्री राम : स्वामी वैष्णवानन्द

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू प्रखण्ड अन्तर्गत मलियादा गाँव स्थित महर्षि मेंही आश्रम में रविवार को विशेष साप्ताहिक सत्संग का आयोजन किया गया। जिसमें बद्रीनाथ धाम के स्वामी वैष्णवानन्द जी महाराज का आगमन हुआ था। वहीं प्रवचन के दौरान मार्गदर्शन करते हुए स्वामी जी ने कहा कि परोपकार करने से जीवन में सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है और अंतःसाधना से परमात्मा की। उन्होंने कहा कि गुरु के वचन को शिरोधार्य करना चाहिए, माता शबरी अपने गुरु मतंग ऋषि के वचनों का पालन करती रही, जिसके फलस्वरूप श्री राम स्वयं भक्त का दर्शन करने पहुंच गए। महर्षि मेंही परमहंस जी की वाणी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य को संसार के सभी प्राणियों पर स्नेह रखना चाहिए, तथा झूठ,चोरी, नशा, हिंसा और व्यभिचार जैसे पंच पापों से सदैव दूर रहना चाहिए। सद्गुरु की भक्ति,निष्कपट सेवा और उनके बताए मार्ग पर चलकर हम इस दुःखालय में आसानी से पार हो सकते हैं। जीवन जीने का सबसे साधारण फार्मूला है कि हम किसी का अहित नहीं करें तो हमारा भी सदा भला होगा। वाह्य भक्ति पूजा पाठ अवश्य करें, और अपने अंदर सदा परमार्थ का भाव रखकर गुरु प्रदत ज्ञान को प्रसारित करते रहें, इससे सबका कल्याण होगा। मौके पर लोदरो लाहिरी बाबा, दिगंबर दास, डॉ डीएन तिवारी, मोचीराय मुंडा, चमरा मुंडा, रामहरि साव, कांडे मुंडा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। यह जानकारी डॉ धर्मेन्द्र नाथ तिवारी ने दी।

हजारीबाग में डिवाइडर से टकराई स्कूटी, दो युवकों की हालत नाजुक, रिम्स रेफर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। कटकमसांडी में सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना कटकमसांडी थाना क्षेत्र अंतर्गत कटकमसांडी डांटो मार्ग पर भदुलिया के पास हुई है। तीखे घुमावदार मोड़ पर स्कूटी असंतुलित होकर डिवाइडर से जा टकराई और उस पर सवार दो युवक गड्ढे में जा गिरे। दोनों को रिम्स रेफर कर दिया गया है। घायलों में डांटो निवासी विकास कुजूर तथा कटकमसांडी छलदा निवासी रंजीत नोन्हा हैं। रंजीत नोन्हा स्कूटी से विकास कुजूर को डांटो छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान दोनों हादसे का शिकार हो गए। राहगीरों ने घायलावस्था में दोनों को देखा तो घटना की जानकारी कटकमसांडी पंचायत की मुखिया को फोन से दी। कटकमसांडी पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई। घायलों को कटकमसांडी सीएचसी लाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल हजारीबाग भेज दिया। वहां डॉक्टरों ने दोनों की गंभीर हालत और हेड इंजरी होने के कारण तुरंत रिम्स रांची रेफर कर दिया।

पाक में क्यों बह रहा शिया मुसलमानों का खून

आर.के. सिन्हा

पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के खिलाफ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं।

मोहम्मद अली जिन्ना ने जिस इस्लामिक देश पाकिस्तान को बनवाया था, वहां मुसलमान ही अब मुसलमानों की जान के दुश्मन हो गये हैं। वहां सुन्नी और शिया समुदायों के बीच हुए हालिया संघर्ष में 100 से ज्यादा लोगों का खून बहा। हिंसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में हुई। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में 24 करोड़ की आबादी में शिया मुस्लिम लगभग 15 प्रतिशत ही हैं। पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच का हालिया संघर्ष जटिल है, जिसके जड़ें सदियों पुरानी धार्मिक और राजनीतिक विभाजन के इतिहास पर टिकी हैं। वैसे तो कुछ कट्टरपंथी समूह तो दोनों पक्षों में ही मौजूद हैं जो हिंसा का इस्तेमाल करके ही अपने धार्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। ये समूह साम्प्रदायिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और हिंसा को सही ठहराते हैं। पाकिस्तान में सुन्नी समुदाय कतई शिया मुसलमानों को पसंद नहीं करते। इससे साफ है कि इस्लाम अपने मानने वालों को भी नहीं जोड़ता। हालांकि बातें बहुत होती हैं कि सारी दुनिया के मुसलमान एक हैं। लेकिन, ये अपनी इस बात को तो स्वयं ही बार-बार गलत साबित करते रहते हैं।

पाकिस्तान में शिया मस्जिदों में धमाके और विस्फोट होना भी आम बात हो चुकी है। पेशावर में मई, 2022 में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए दिल दहलाने वाले आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 60 से अधिक शिया नमाजी मारे गए थे। हमलावरों ने निशाना बनाया था शिया मुसलमानों और उनकी इबादतगाह को। यह भी याद रखा जाए कि एक इस्लामिक मुल्क में ही शिया मुसलमानों का जीना मुश्किल हो गया है। वे हर वक्त डर-भय के साए में जीने को मजबूर बने रहते हैं। यह हाल उस पाकिस्तान का है जो मुसलमानों के वतन के रूप में बना था।

पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के खिलाफ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं। वहां पर शिया मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाने वाला साहित्य भी हर जगह आसानी से वहाँ पर आम लोगों को आसानी से उपलब्ध है।

तालिबान और इसी तरह के अन्य अतिवादी समूहों के विचारों का प्रभाव पाकिस्तान में है, जो साम्प्रदायिक संघर्षों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए शिया-सुन्नी संघर्ष का उपयोग आम तौर पर करते हैं। पाकिस्तान में कुछ सियासी नेता साम्प्रदायिक तनाव को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मतदाताओं को लुभाने के लिए और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काते हैं।

बेशक, पाकिस्तान सरकार की सुन्नी परस्त नीति के कारण साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने में नाकामी, या वहां तक कि कुछ मामलों में इसमें सहयोग करने से, इस समस्या को और बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान में कुछ सुन्नी जिन्ना को भी शिया बताते हैं। कौन जाने की एक बार जिन्ना शिया साबित कर दिए गए तो उनकी विरासत को भी बिना कुछ जाने समझे ही पाकिस्तान में धूल में मिला दिया जायेगा।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर शिया मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों के साथ भेदभाव के कई जटिल कारण हैं, जिनमें धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक उद्देश्य और कई सामाजिक-आर्थिक कारक शामिल हैं। कोई एकल कारण नहीं है, बल्कि ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान में कुछ अतिवादी आतंकी धार्मिक समूहों का प्रभाव काफी है, जो सुन्नी इस्लाम के एक विशेष व्याख्या का प्रचार करते हैं जो अन्य धर्मों और शिया इस्लाम के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देता है।

कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है। वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें दूसरे के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है।

एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं।

पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त, 1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था। वे पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से थे। मंडल को जिन्ना ने अपनी कैबिनेट में विधि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा था कि इस्लामिक पाकिस्तान में सबके हक सुरक्षित हैं। पर हुआ इसके ठीक विपरीत। मंडल पाकिस्तान के पहले और शायद आखिरी हिन्दू मंत्री बने। वे वहां पर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता थे। मंडल अपने को बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों से बहुत प्रभावित बताते थे। वे दलित समुदाय से आते थे। वे 1946 में पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार में भी विधि मंत्री थे।

जिन्ना की 11 सितंबर, 1948 को मौत के साथ ही मंडल की वहां पर दुर्गति चालू हो गई थी। उनकी हर सलाह को नामंजूर कर दिया जाता। नतीजा यह हुआ कि वे पाकिस्तान को छोड़कर भारत आ गए। ये 1951 के आसपास की बातें हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ नाइंसाफी होती है। इसलिए उनका पाकिस्तान में रहना मुमकिन नहीं होगा। मंडल उसके बाद कोलकत्ता आ गए। उनका 1968 में निधन हो गया। मंडल ने जो कहा था, वह अक्षरशः सही निकला। पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ कभी न्याय नहीं हुआ। इसी का नतीजा था कि जिन्ना का करीबी एक दलित हिन्दू मंत्री तक पाकिस्तान में नहीं रह सका। कुल मिलाकर बात यह है कि पाकिस्तान में अभी तो सिर्फ सुन्नी ही सुरक्षित हैं। आगे क्या होगा शायद खुदा को खुद भी पता न हो। आगे-आगे देखिये होता है क्या?

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

क्या 1971 याद नहीं

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर कातिलाना हमले और उनके मंदिरों को तोडे, आग लगा देने की घटनाओं पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर संसद के दोनों सदनों में वक्तव्य देंगे। विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सामने भी मंत्रालय बांग्लादेश की घटनाओं का खुलासा करेगा। क्या बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात और हिंदुओं पर किए जा रहे अत्याचारों पर भारत सरकार का यह रुख ही पर्याप्त है? क्या प्रधानमंत्री मोदी को वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस से सख्त लहजे में बात नहीं करनी चाहिए? क्या बांग्लादेश को 1971 की याद नहीं दिलानी चाहिए? हम नहीं जानते कि कूटनीति क्या कहती है, लेकिन हम वहां के हिंदुओं के अस्तित्व को लेकर चिंतित हैं। बांग्ला हिंदू भी बुनियादी तौर पर 'भारतीय' ही हैं। चिंतित सरोकार तो यह है कि यूनुस मौजूदा घटनाओं और हत्याओं को 'हिंदू अत्याचार' मानते ही नहीं! बांग्लादेश की सडकों पर जो बेखौफ भीड़ दिखाई देती है, हिंदुओं को मारने-काटने के जो नारे बुलंद किए जा रहे हैं, रात में हिंदुओं के घरों में घुसकर सेना और पुलिस जो यातनाएं दे रही हैं, अपहरण-धर्मांतरण किए जा रहे हैं, मंदिरों में देवी-देवताओं की जिस तरह प्रतिमाएं खंडित की जा रही हैं, क्या वे खुद हिंदू ही कर रहे हैं? भारत के हिंदू हों या बांग्लादेश में बसे हिंदू हों, सभी सनातनी संस्कृति के आस्थावान समुदाय हैं। उनके जीवन और धार्मिक स्वतंत्रता की सुरक्षा करना प्रधानमंत्री मोदी का ही समान दायित्व है। यह बांग्लादेश का आंतरिक मामला नहीं है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह का राज्यसभा में दिया यह बयान बिल्कुल गलत है कि हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की रक्षा करना वहां की सरकार की जिम्मेदारी है। वहां के कट्टरपंथी तो बांग्लादेश को हिंदू-मुक्त करना चाहते हैं।

वे ऐसे ऐलान भी करते रहे हैं। स्थानीय विश्वविद्यालयों से हिंदू प्रोफेसरों को जबरन निकाला जाता रहा है। वहां की सरकार खामोश, कन्नी काट कर बैठी रहेगी, तो क्या भारत सरकार भी तटस्थ बनी रहेगी? शायद बांग्लादेश की मौजूदा पीढ़ी को याद नहीं है कि 1971 में पूर्वी पाकिस्तान को बांग्लादेश बनाने में भारत का निर्णायक योगदान था। यदि भारतीय सेना तत्कालीन 'मुक्तिवाहिनी' के आंदोलन के साथ न जुड़ती, तो शायद बांग्लादेश ही न बनता! बेखौफ, बेलगाम घूमती कट्टरपंथी जमात को यह इतिहास पढ़ाया जाना चाहिए। बांग्लादेश की मौजूदा पीढ़ी को यह भी याद नहीं होगा कि जब 'बांग्लादेश' बन रहा था, तब चारों ओर भुखमरी, गरीबी के ही हालात थे। उस दौर में 'इस्कॉन' ने ही रोजाना लाखों लोगों को भोजन मुहैया कराया था। भारत में भी करीब 12,000 बांग्लादेशियों को हर रोज खाना खिलाया गया था। आज भी बांग्लादेश में 'इस्कॉन' 77 मंदिरों का संचालन कर रहा है और 75,000 से अधिक उसके अनुयायी हैं। तब प्रख्यात सितारवादक पंडित रवि शंकर ने एक अन्य विदेशी संगीतकार के साथ मिल कर न्यूयॉर्क में कंसर्ट किया था, जिससे बांग्लादेश के लिए 100 करोड़ रुपए जुटाए गए थे।

चिंतन-मनन

प्रतिभा की पहचान

यूनान के किसी गांव का एक लड़का लकड़ियां काटकर गुजारा करता था। वह दिन भर जंगल में लकड़ियां काटता और शाम को पास के शहर के बाजार में उन्हें बेच देता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसकी नजर बालक के गट्ठर पर पड़ी जो बेहद कलात्मक ढंग से बंधा था। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने खुद बांधा है? लड़के ने जवाब दिया- जी हां, मैं दिन भर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को बाजार में बेच देता हूं। उस व्यक्ति ने कहा- क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दोबारा बांध सकते हो? लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुंदर तरीके से उसे फिर बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और फुर्ती के साथ कर रहा था।

लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने के तरीके ने उस व्यक्ति को काफी प्रभावित किया। उसे बच्चे में काफी संभावना नजर आई। उसने पूछा- क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें अपने साथ रखूंगा, शिक्षा दिलाऊंगा। तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था और नई-नई बातें सिखाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने उच्च शिक्षा हासिल की और काफी कुछ ज्ञान अर्जित कर लिया। बड़ा होने पर यह बालक यूनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। और जिस व्यक्ति ने उसे अपने यहां रखा था वह था यूनान का विख्यात तत्व ज्ञानी डेमोप्रीट्स।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस : प्रदूषण से बढ़ती मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

ललित गर्ग

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस हर साल 2 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद, प्रदूषण नियंत्रण तकनीकों, नीतियों, और प्रदूषण को कम करने के महत्व पर ध्यान आकर्षित करना है। यह दिन भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में मनाया जाता है। यह त्रासदी 2-3 दिसंबर, 1984 की रात को हुई थी। इस त्रासदी में जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश एवं दुनिया की हवा में घुलते प्रदूषण का ह्यजहरह्न अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। प्रदूषण के कारण जल, भूमि, और वायु प्रदूषित होता है, जिससे मौतें होती हैं, प्रदूषण से जीवन और स्वास्थ्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान ह्यहेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूटह्न की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्मा इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियों ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है।

बढ़ता वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दशार्ता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है।

हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर ह्यबेहद खराबह्न की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा

को जहरीला बना रहे हैं।

चिंता की बात यह है कि मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है। नतीजन, वायु में सूक्ष्म जहरीले तत्व घुलने लगते हैं और प्रदूषण के गहराने की दृष्टि से इसे खतरनाक माना जाता है। हमारा राष्ट्र एवं दिल्ली सहित अन्य राज्यों की सरकारें नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर खड़ी है। देश में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट के आंकड़े इस वास्तविकता को उजागर करते हुए प्रदूषण की समस्या का कोई दीर्घकालिक और ठोस हल निकालने के लिये चेता रहे हैं। प्रदूषण को कम करने के लिए लोगों को जागरूक करना जरूरी है, विचार और योजनाएं बनानी चाहिए।

वैश्विकीः सीरिया में रूस विरोधी जेहाद

ड़ॉ. दिलीप चौबे

पश्चिम एशिया में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच युद्ध विराम के तुरंत बाद सीरिया में युद्ध का एक नया मोर्चा खुल गया है। सीरिया पश्चिम एशिया में संभवत एकमात्र धर्मनिरपेक्ष देश है जो अरब-इस्लामी देशों की आंखों की किरकिरी बना हुआ है। लंबे समय तक वहां दुनिया भर के जेहादी संगठन राष्ट्रपति बशर-अल-असद की सरकार के खिलाफ मुहिम चलाते रहे हैं। आतंकवादी संगठन आईएस, अल कायदा और अल-नुसरा सहित अनेक जेहादी संगठनों ने सीरिया में बड़े पैमाने पर खून-खराबा किया। राष्ट्रपति असद की सरकार रूस और ईरान के समर्थन से देश में अपना शासन बनाए रखने में सफल रही। एक समय ऐसा था जब दुनिया भर के जेहादी समर्थक लड़ाकू सीरिया कूच कर रहे थे। यूरोप से भी अनेक गुमराह युवा सीरिया के जेहाद में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने आईएस जैसे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में भाग लिया था। लेकिन उन्होंने असद सरकार के खिलाफ सैन्य अभियान चला रहे खी सीरियन आर्मी और अल-नुसरा जैसे संगठनों को सहायता दी थी। इस्राइल भी असद सरकार को अपने लिए खतरा मानता है। यही कारण है कि उसने भी असद विरोधी संगठनों को मदद दी।

नवीनतम घटनाक्रम में तुर्की समर्थक आतंकवादी संगठन हयात तहरीर अल-शाम (एसटीएस) के विद्रोहियों ने सीरिया के दो शहरों अलेप्पो और अल्दीव पर धावा बोल दिया। यह हमला इतना आकस्मिक और बड़े पैमाने पर था कि सरकारी सेनाएं लड़खड़ा गइ्। दो-तीन दिनों में ही आतंकवादियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। सीरिया की सेना के सामने पीछे हटकर नये सुरक्षा मोर्चा कायम करने के अलावा और कोई चारा नहीं था। आतंकवादियों ने अलेप्पो में राष्ट्रपति असद और अन्य राष्ट्रीय नेताओं की प्रतिमाओं को ध्वस्त कर दिया। ऐसे ही दृश्य कुछ दिन पहले बांग्लादेश में देखने को मिले थे जब इस्लामी उग्रवादियों की भीड़ ने राष्ट्रपति बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमाओं को तोड़ा था।

सीरिया की घटनाक्रम में तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की भूमिका सबसे अधिक संदिग्ध है। वास्तव में एचटीएस की सैनिक सफलता के पीछे तुर्की का सक्रिय सहयोग है। सीरिया में तुर्की के सीमावर्ती इलाकों में सीरिया की सेनाओं और उसके समर्थक सशस्त्र गुटों की मौजूदगी है। कुछ वर्ष पूर्व रूस और तुर्की के बीच यह सहमति बनी थी कि वह यथास्थिति कायम रखेंगे। एसटीएस के हमले से जाहिर है कि तुर्की ने इस समझौते को तोड़ा है तथा वह असद सरकार को अस्थिर बनाने की साजिश में शामिल है।

कुछ विश्लेषकों के अनुसार इस प्रकरण में अमेरिका, खंस, इस्राइल और यूक्रेन की भी हिस्सेदारी है। रूस ने तुर्की पर समझौता तोड़ने का आरोप लगाया है। रूस की ओर से सीरिया की मदद के लिए युद्ध विमान भेजे गए हैं। रूस की वायु सेवा अलेप्पो और अल्दीव में विद्रोहियों के मोर्चों पर बमबारी कर रही है। इससे आतंकवादियों को जान-माल का नुकसान होगा और उनकी बढ़त रुकेगी। लेकिन जमीनी मोर्चे पर सरकारी सेनाओं के लिए अलेप्पो पर दोबारा कब्जा करना मुश्किल होगा। रूस भी इस समय यूक्रेन युद्ध में उलझा है। उसके लिए भी आसान नहीं होगा कि वह अपने सैन्य संसाधन बड़ी मात्रा में सीरिया भेजे।

फिलहाल, प्रारंभिक झटके के बाद सीरिया की सेना फिर लामबंद हो रही है। उसने नए सुरक्षा मोर्चे काम किए हैं तथा जवाबी हमले की तैयारी में है। कुल मिलाकर, हालात राष्ट्रपति असद के प्रतिकूल हैं। उनकी सरकार को हिजबुल्लाह का सक्रिय समर्थन हासिल था। पिछले एक वर्ष में हिज्बुल्लाह की ताकत काफी कम हुई है। गाजा में हमास और लेबनान में हिजबुल्लाह इस्राइली हमलों के कारण संगठित सैन्य ताकत नहीं रहे हैं। ईरान भी सीरिया की मदद करने की बजाय आत्मरक्षा की कवायद में है। पश्चिम एशिया में सुन्नी और शिया देशों की टकराव का यह ज्वलंत उदाहरण है। इसकी परिणति एक धर्मनिरपेक्ष देश के पतन के रूप में सामने आ सकती है।

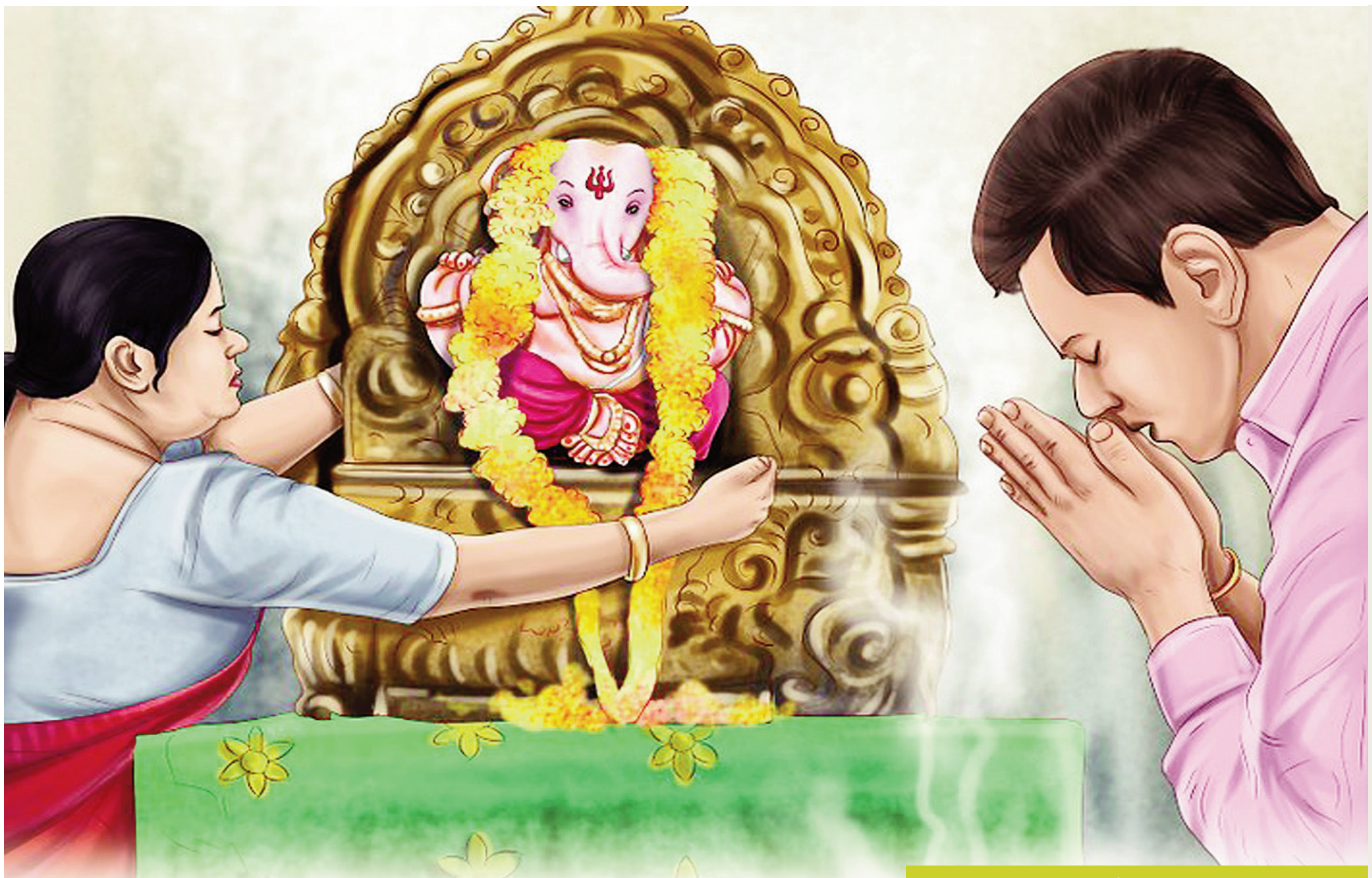

> जब हम अंदर से भरपूर होते हैं, तब हमें किसी की भी कोई मदद की आवश्यकता नहीं रहती, परंतु ज्यों ही हमारा स्टॉक खत्म हो जाता है, त्यों ही हम एक असहाय बच्चे की तरह अपने दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना करने लगते हैं।

ऐसे कीजिए प्रार्थना ईश्वर जल्द सुनेंगे

संसार में ऐसा कोई भी मनुष्य प्राणी नहीं होगा जो प्रार्थना न करता हो। अमीर, गरीब, छोटे,बड़े जो भी हैं, वे सभी प्रार्थना अवश्य करते हैं, मगर हममें से अधिकांश लोग दुःख की घड़ी में प्रार्थना ज्यादा करते हैं, इसलिए ही तो संत कबीर जी ने यह कहा है कि...

दुख में सुमिरन सब करे, सुख में करै न कोय।
जो सुख में सुमिरन करे दुख काहे को होय॥

वास्तव में देखा जाए तो ऐसा ही है, क्योंकि जब हम अंदर से भरपूर होते हैं, तब हमें किसी की भी कोई मदद की आवश्यकता नहीं रहती, परंतु ज्यों ही हमारा स्टॉक खत्म हो जाता है, त्यों ही हम एक असहाय बच्चे की तरह अपने दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना करने लगते हैं।

अनुभव के आधार परऐसा अनेक बार देखा गया है कि सच्चे हृदय से यदि भगवान की प्रार्थना की जाती है तो अपना इच्छित मनोरथ व कार्य जरूर पूरा होता है।

इसके पीछे का अध्यात्मिक रहस्य यह है कि प्रार्थना करने वाले को यह विश्वास रहता है कि परमात्मा ऐसा शक्तिशाली है कि वह आसानी से मेरी इच्छा को पूरा करेंगे ही। इसके साथ-साथ वह यह भी सोचता है कि मैं अपने अन्तःकरण का श्रेष्ठतम भाग, श्रद्धा,विश्वास, परमात्मा पर आरोपण करते हुए सच्चे हृदय से प्रार्थना कर रहा हूं।

इसलिए मेरी पुकार सुनी जाएगी। मनोचिकित्सकों के अनुसार कोई भी मनुष्य जब अपनी मानसिक स्थिति ऐसी बना ले कि मेरा मनोरथ सफल होने की पूरी आशा, पूरी संभावना है ही, तो अधिक मौकों पर उसके मनोरथ पूरे हो ही जाते हैं, क्योंकि आशा और संभावनामयी मनोदशा के कारण मनुष्य की शारीरिक और मानसिक शक्तियां असाधारण रूप से जाग उठती हैं जिसके फलस्वरूप सफलता का मार्ग बहुत आसान बनता जाता है और प्रायः वह प्राप्त भी हो जाता है।

परमात्मा की दृष्टि में सभी प्राणी एक समान हैं, अतः वे समदर्शी कहलाते हैं। किंतु उस समदर्शी को भी विवश होकर एक बार यह कहना पड़ा कि समदर्शी मोहि कह सबकोऊ। सेवक प्रिय अनन्य गति सोऊ॥

अर्थात सभी मुझे समदर्शी कहते हैं, पर मुझे सेवक प्रिय हैं, क्योंकि वह अनन्य गति होता है। इसीप्रकार से विष्णु चतुर्भुज की प्रार्थना में जब भक्तयह कहते हैं कि

अविनयमपनय विष्णो दमयमनशमय विषयमृगतृष्णाम।
भूतदयां विस्तारयतारय संसारसागरत

तब उनकी यह प्रार्थना में कितनी श्रद्धा, विश्वास एवं नम्रता दिखती हैं। अब ऐसा कौन मनुष्य होगा जो इस नम्रता परन पिघल उठे? यह तो फिर उस महान विभूति के लिये प्रयुक्त है जो अपनी दयालुता के लिए दया सागर के नाम से विख्यात हैं।

इस प्रार्थना के बाद क्या कोई चिन्ता, दुःख द्वेषादि टिक सकते हैं? बिलकुल नहीं! गीता में प्रभु स्वयंजब यह गारंटी देते हैं कि जो मनुष्य एकमात्र मुझे लक्ष्य मान कर अनन्य-भाव से मेरा ही स्मरण करते हुए कर्तव्य-कर्म द्वारा पूजा करते हैं, जो सदैव निरन्तर मेरी भक्ति में लीनरहता है उस मनुष्य की सभी आवश्यकता और सुरक्षा की जिम्मेदारी मैं स्वयं निभाता हूं,तो फिर उसे न मानने की कोई गुंजाइश नहीं रहती।

परमात्मा की ओर अपना ध्यान केंद्रित करेंः यहां वहां हाथ फैलाने से बेहतर हैं की हम उस एक परमात्मा की ओर अपना ध्यान केंद्रित करें और अपनी हर समस्याओं का समाधान प्राप्त करने के लिए केवल उस एक सर्व शक्तिमान के सामने अपना माथा टेकें। सच्चे हृदय से यदि ईश्वर की प्रार्थना की जाएतो भक्तों की हर इच्छा व मनोरथ वह जरूर पूरी करते हैं।

बड़े ही विचित्र तरीके से हुआ था राधा का जन्म

पुराणों में वर्णित है कि एक बार गोलोक में किसी बात पर राधा और श्रीदामा नामक गोप में विवाद हो गया। श्रीराधा ने उस गोप को असुर योनि में जन्म लेने का श्राप दिया। तब उस गोप ने भी श्रीराधा को यह श्राप दिया कि आपको भी मानव योनि में जन्म लेना पड़ेगा। वहां गोकुल में श्रीहरि के ही अंश महायोगी रायाण नामक एक वैश्य होंगे। आपका छाया रूप उनके साथ रहेगा। भूतल पर लोग आपको रायाण की पत्नी ही समझेंगे, श्रीहरि के साथ कुछ समय आपका विछोह रहेगा। ब्रह्म वैवर्त पुराण के अनुसार जब भगवान विष्णु के श्रीकृष्ण अवतार का समय आया तो उन्होंने राधा से कहा कि तुम जल्द ही वृषभानु के घर जन्म लो। श्रीकृष्ण के कहने पर ही राधा ब्रज में वृषभानु वैश्य की कन्या हुईं। राधा देवी अयोनिजा यानी माता के गर्भ से उत्पन्न नहीं हुई थीं उनकी माता ने गर्भ में वायु को धारण कर रखा था। उन्होंने योगमाया की प्रेरणा से वायु को ही जन्म दिया परंतु वहां स्वेच्छा से श्रीराधा प्रकट हो गईं।

तीर्थ यात्रा करते वक्त ध्यान रखनी चाहिए ये 5 बातें

तीर्थ दर्शन की परंपरा काफी पुराने समय से चली आ रही है। मान्यता है कि तीर्थ यात्रा से जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही, अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। यदि आप भी किसी तीर्थ स्थान पर जाना चाहते हैं तो यहां जानिए 5 ऐसी बातें जो यात्रा में ध्यान रखना चाहिए

- तीर्थ क्षेत्र में जाने पर मनुष्य को स्नान, दान, जप आदि करना चाहिए। अन्यथा वह रोग एवं दोष का भागी होता है।
- अन्यत्र हिकृतं पापं तीर्थ मासाद्य नश्यति। तीर्थेषु यत्कृतं पापं वज्रलेपो भविष्यति। इस श्लोक का अर्थ यह है कि किसी दूसरी जगह किया हुआ पाप तीर्थ में जाने से नष्ट हो जाता है, लेकिन तीर्थ में किया हुआ पाप कभी नष्ट नहीं हो पाता है। अत: तीर्थ क्षेत्र में कोई अधार्मिक कर्म नहीं करना चाहिए।
- जब कोई व्यक्ति अपने माता-पिता, भाई, परिजन अथवा गुरु को पुण्य फल दिलवाने के उद्देश्य से तीर्थ में स्नान करता है, तब स्नान करने वाले व्यक्ति को पुण्य फल का बारहवां भाग प्राप्त होता है।
- जो व्यक्ति दूसरों के धन से तीर्थ यात्रा करता है, उसे पुण्य का सोलहवां भाग प्राप्त होता है।
- जो व्यक्ति किसी दूसरे कार्य से तीर्थ में जाता है तो व्यक्ति को तीर्थ जाने का आधा पुण्य फल प्राप्त होता है।

इस कारण स्त्रियां कभी नहीं फोड़ती है नारियल!

नारियल को श्रीफल के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है की जब भगवान विष्णु ने पृथ्वी पर अवतार लिया तो वे अपने साथ तीन चीजें- लक्ष्मी, नारियल का वृक्ष तथा कामधेनु लाए इसलिए नारियल के वृक्ष को श्रीफल भी कहा जाता है। श्री का अर्थ है लक्ष्मी अर्थात नारियल लक्ष्मी व विष्णु का फल। नारियल में त्रिदेव अर्थात ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना गया है। श्रीफल भगवान शिव का परम प्रिय फल है। मान्यता अनुसार नारियल में बनी तीन आंखों को त्रिनेत्र के रूप में देखा जाता है। श्रीफल खाने से शारीरिक दुर्बलता दूर होती है। इष्ट को नारियल चढ़ाने से धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाती हैं। भारतीय पूजन पद्धति में नारियल अर्थात श्रीफल का महत्वपूर्ण स्थान है। कोई भी वैदिक या दैविक पूजन प्रणाली श्रीफल के बलिदान के बिना अधूरी मानी जाती है। यह भी एक तथ्य है कि महिलाएं नारियल नहीं फोड़तीं। श्रीफल बीज रूप है, इसलिए इसे उत्पादन अर्थात प्रजनन का कारक माना जाता है। श्रीफल को प्रजनन क्षमता से जोड़ा गया है। स्त्रियों बीज रूप से ही शिशु को जन्म देती हैं और इसलिए नारी के लिए बीज रूपी नारियल को फोड़ना अशुभ माना गया है। देवी-देवताओं को श्रीफल चढ़ाने के बाद पुरुष ही इसे फोड़ते हैं। शनि की शांति हेतु नारियल के जल से शिवलिंग पर रुद्रभिषेक करने का शास्त्रीय विधान भी है। भारतीय वैदिक परंपरा अनुसार श्रीफल शुभ, समृद्धि, सम्मान, उन्नति और सौभाग्य का सूचक माना जाता है। किसी को सम्मान देने के लिए उनी शॉल के साथ श्रीफल भी भेंट किया जाता है। भारतीय सामाजिक रीति-रिवाजों में भी शुभ शगुन के तौर पर श्रीफल भेंट करने की परंपरा युगों से चली आ रही है। विवाह की सुनिश्चित करने हेतु अर्थात तिलक के समय श्रीफल भेंट किया जाता है। बिदाई के समय नारियल व धनराशि भेंट की जाती है। यहां तक की अंतिम संस्कार के समय भी चिता के साथ नारियल जलाए जाते हैं। वैदिक अनुष्ठानों में कर्मकांड में सूखे नारियल को वेदी में होम किया जाता है।

श्रीफल कैलोरी से भरपूर होता है। इसकी तासीर ठंडी होती है। इसमें अनेक पोषक तत्व होते हैं। इसके कोमल तनों से जो रस निकलता है उसे नीरा कहते हैं उसे लज्जतदार पेय माना जाता है। सोते समय नारियल पानी पीने से नाड़ी संस्थान को बल मिलता है तथा नींद अच्छी आती है। इसके पानी में पोटेशियम और क्लोरीन होता है जो मां के दूध के समान होता है। जिन शिशुओं को दूध नहीं पचता उन्हें दूध के साथ नारियल पानी मिलाकर पिलाना चाहिए। डि-हाइड्रेशन होने पर नारियल पानी में नीबू मिलाकर पिया जाता है। इसकी गिरी खाने से कामशक्ति बढ़ती है। मिश्री संग खाने से गर्भवती स्त्री की शारीरिक दुर्बलता दूर होती है तथा बच्चा सुंदर होता है।

घर के नजदीक हो ये पेड़-पौधे तो अवश्य करें पूजा होते हैं ढेरों लाभ

प्राचीनकाल से सनातन संस्कृति में पेड़-पौधों का पूजन होता आया है। ज्योतिष और वास्तु विद्वान भी मानते हैं की इनके पूजन करने से जीवन में आ रही बहुत सारी बाधाओं से मुक्ति पाई जा सकती है। कुछ ऐसे पेड़-पौधे होते हैं, जिन्हें घर में अवश्य रोपित करना चाहिए। यदि आपके घर में स्थान न हो तो आसपास भी ये दिखें तो अवश्य इनका पूजन करें। इससे आपको ढेरों लाभ प्राप्त होंगे।

तुलसी

विष्णु प्रिया हर हिंदू घर में विराजित होनी चाहिए। यदि आपके घर में नहीं हैं तो आज ही ले आएं। सुबह-शाम इन्हें जल अर्पित कर दीपदान करना चाहिए। जिस घर में ऐसा होता है वहां कभी किसी चीज का अभाव नहीं रहता।

पीपल

इस पेड़ को घर में नहीं लगाना चाहिए और न ही इसकी छाया आपके आशियाने पर पड़नी चाहिए। घर से थोड़ी दूरी पर रोपित इस पेड़ का पूजन अवश्य करें। पीपल को जल से सींचने पर सभी पापों का जहां नाश हो जाता है वहीं पितर भी प्रसन्न होकर जीव पर कृपा करते हैं।

बिल्व

भगवान शिव के प्रिय बिल्व वृक्ष को काटने से वंश का अंश समाप्त हो जाता है और उसे लगाने से वंश में वृद्धि होती है। बिल्व पत्र के अभाव में शिव पूजा अधूरी रहती है। नौकरी में प्रमोशन पानी हो या दुख-दर्द से छुटकारा, करें इस पेड़ की पूजा।

केला

घर में केले का पेड़ ईशान कोण में लगाने से धन वृद्धि होती है। यदि इसके साथ तुलसी का पौधा भी रोपित कर दिया जाए तो घर-परिवार पर श्रीविष्णु-लक्ष्मी की कृपा सदा बनी रहती है।

बरगद

बरगद का पूजन करने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि सदा बनी रहती है।

आंवला

प्रतिदिन इसका पूजन करने से जाने-अनजाने किए गए पापों से मुक्ति मिलती है।

शमी

घर में शमी का पेड़ लगाने से दैवीय कृपा बनी रहती है।

अशोक

ये पेड़ जीवन से हर शोक का नाश करता है। जो लोग प्रतिदिन अशोक के पेड़ पर जल अर्पित करते हैं उन पर दैविय कृपा बनी रहती है। उन्हें बीमारी, दुख, अशान्ति जैसी चिंताएं छू भी नहीं पाती।

1207.5 करोड़ रुपए में होगी युद्धपोत आईएनएस विक्रमादित्य की मरम्मत

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रमादित्य की छोटी मरम्मत और इसे सूखे बंदरगाह पर लाने जैसी गतिविधियों के लिए रक्षा मंत्रालय ने एमएस कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के साथ कुल 1207.5 करोड़ रुपए के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय ने बताया कि मरम्मत का यह कार्य पूरा होने के बाद विक्रमादित्य उन्नत युद्धक क्षमताओं के साथ नौसेना के युद्धक बेड़े में शामिल हो जाएगा। मूलरूप से रूस ने इसका निर्माण किया है और इसे वर्ष 2013 में नौसेना के जंगी बेड़े में कमीशन किया गया था। मंत्रालय ने बताया कि यह परियोजना कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को मरम्मत, रखरखाव और ओवरहाल (एमआरओ) के क्षेत्र में एक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। जो देश के औद्योगिक तंत्र को भी सहयोग करेगा। समझौते की मदद से देश में बड़े पैमाने पर नए रोजगारों का सृजन होगा। क्योंकि विक्रमादित्य की मरम्मत और सूखे बंदरगाह पर आने की गतिविधि में कुल करीब 50 सूक्ष्म एवं लघु उद्योग (एमएसएमई) शामिल होंगे। जिससे साढ़े तीन हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। परियोजना से केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे अभियान को भी काफी बढ़ावा मिलेगा।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर मुठभेड़ में सात नक्सली ढेर, हथियार बरामद

-इसी हफ्ते बस्तर दौरे पर आने वाले हैं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में गृहमंत्री अमित शाह का दौरा होने वाला है। इस कुछ दिन पहले ही जवानों ने एक मुठभेड़ में सात नक्सलियों को मार गिराने में कामयाबी हासिल की है। बता दें गृहमंत्री अमित शाह में नक्सली मुक्त राज्य की बात करते रहे हैं। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर ग्रेहाउंड्स फोर्स ने महिला नक्सली समेत सात नक्सलियों को ढेर कर दिया है। जवानों ने मौके से एके-47 समेत अन्य आधुनिक हथियार बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि सुबह से दोनों और से गोलीबारी हो रही थी। यह मुठभेड़ तेलंगाना के मुलुगु जिले के ईटूनगरम थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए। इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे, लेकिन साजिश का पता चलते ही जवानों को मुठभेड़ में उन्हें ढेर कर दिया। इस हफ्ते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी बस्तर दौरे पर आने वाले हैं। मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान हो गई है। इनमें तेलंगाना स्टेट कमेटी मेंबर, डिविजनल कमेटी मेंबर, एरिया कमेटी मेंबर और पार्टी के दो मेंबर शामिल हैं। सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव अपने कब्जे में ले लिए हैं। प्रदेश में इस साल 207 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं।

शिर्डी के साईबाबा के लड्डू प्रसाद से करोड़ों का कारोबार

शिर्डी। शिर्डी के साईबाबा के दर्शन के बाद भक्तों को लड्डू का प्रसाद नि:शुल्क मिलता है, लेकिन अधिक लड्डू के लिए संस्थान ने अब आठ सशुल्क काउंटर शुरू किए हैं और वहां से करोड़ों का कारोबार हो रहा है। मालूम हो कि श्री साईं बाबा के दर्शन के लिए करोड़ों भक्त शिरडी आते हैं। बाबा की समाधि के दर्शन के बाद भक्तों को नि:शुल्क लड्डू दी जाती है। लेकिन मुफ्त प्रसाद सीमित है। यदि आप अधिक प्रसाद चाहते हैं तो आपको शुल्क

देना होगा। 100 ग्राम वजन के प्रसाद के लड्डू गुणवत्तापूर्ण शुद्ध घी, बेसन, काजू, किशमिश और इलायची से तैयार किए जाते हैं। यह प्रसाद 10 रुपये शुल्क लेकर भक्तों को दिया जाता है। आठ पेड काउंटरों से प्रतिदिन 50 हजार लड्डू पैकेट की बिक्री हो रही है। इसके अलावा भक्त जितने भी लड्डू मांगते हैं, काउंटर से ये प्रसाद दिया जाता है। प्रसाद के लड्डुओं की बिक्री से प्रति माह 15 लाख और प्रति वर्ष दो करोड़ से अधिक का टर्नओवर होता है। शिरडी आने वाले साईं भक्तों के लिए संस्थान की ओर से आवास, भोजन के साथ-साथ स्वास्थ्य और चाय की भी व्यवस्था की जाती है। साईं आश्रम, धर्मशाला, द्वावारती, एक हजार और 500 कमरों से साईं समाधि मंदिर और भोजनालय तक बस सुविधा भी प्रदान की जाती है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर सहित लगभग 4000 कर्मचारी लगातार 24 घंटे भक्तों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

तेलंगाना में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी

- जंगल में मुठभेड़ के दौरान मारे गए 7 नक्सली

हैदराबाद । तेलंगाना के मुलुगु जिले के जंगलों में रविवार को पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिसमें सात माओवादी मारे गए हैं। यह घटना इलाके के जंगलों में तलाशी अभियान के दौरान हुई। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर जांच-पड़ताल की जा रही है। तेलंगाना पुलिस की विशेष एंटी-नक्सल फोर्स ग्रेहाउंड्स ने जंगल में तलाशी अभियान शुरू किया था। इसी दौरान पुलिस का सामना सशस्त्र माओवादियों से हो गया। पुलिस के अनुसार, माओवादियों ने फोर्स पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की। इस दौरान हुई गोलीबारी में सात माओवादी मारे गए। मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों में तेलंगाना राज्य समिति (येल्लंडु-नरसंपेट) के सचिव और प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के नेता कुर्सम मंगू उर्फ भद्रू भी शामिल हैं। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से दो एके-47 राइफल सहित कई हथियार और अन्य सामान बरामद किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि माओवादी समूह राज्य में हिंसात्मक गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर इनकी लोकेशन का पता चला था, जिसके बाद यह अभियान चलाया गया।

कांग्रेस लिखकर दे तो असम में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अगर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख भूपेन कुमार बोरा उन्हें पत्र लिखकर गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करें तो वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं। मुस्लिम बहुल सामगुड़ी विधानसभा सीट पर हुआ उपचुनाव जीतने के लिए भाजपा पर लगे गोमांस वितरित करने के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि उन्हें खुशी है कि कांग्रेस ने इस मामले को उठाया। इस सीट पर पहले लगातार पांच बार कांग्रेस को जीत मिली थी।

शर्मा ने शनिवार को यहां भाजपा की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, ''सामगुड़ी सीट 25 साल तक कांग्रेस के पास रही। सामगुड़ी जैसे निर्वाचन क्षेत्र में 27,000 मतों के अंतर से हारना कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी शर्म की बात है। यह भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार है।'' पिछले महीने हुए उपचुनाव में भाजपा के दिप्लू रंजन शर्मा ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील को 24,501 मतों के अंतर से हराया था। सांसद की कथित टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''दुख के बीच रकीबुल हुसैन ने एक अच्छी बात कही कि गोमांस खाना गलत है, है न?

उन्होंने कहा है कि मतदाताओं को गोमांस परोसकर

कांग्रेस-भाजपा का चुनाव जीतना गलत है।'' शर्मा ने सवाल किया, ''मैं जानना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस मतदाताओं को गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीत रही थी। वह सामगुड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीता जा सकता है?'' शर्मा ने कहा, ''मैं रकीबुल हुसैन से कहना चाहता हूं कि गोमांस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने खुद कहा है कि यह गलत है। उन्हें मुझे केवल लिखित में देने की जरूरत है कि न तो भाजपा और न ही कांग्रेस को गोमांस के बारे में बोलना चाहिए, बल्कि असम में इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं, तो सभी समस्याएं हल हो जाएंगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह हुसैन के बयान की पृष्ठभूमि में गोमांस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का रुख जानने के लिए उन्हें पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं भूपेन बोरा को पत्र लिखकर पूछूंगा कि क्या वह भी रकीबुल हुसैन की तरह गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन करते हैं, और अगर ऐसा है तो मुझे बता दें। मैं गोमांस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दूंगा।÷ शर्मा ने कहा, ''मुझे खुशी है कि रकीबुल हुसैन ने यह बयान दिया है, क्योंकि कम से कम एक कदम तो उठाया गया है। अब दूसरा कदम भूपेन बोरा को उठाना चाहिए।'' असम में गोमांस का सेवन गैरकानूनी नहीं है, लेकिन असम मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021 के तहत हिंदू, जैन और सिखों की बहुसंख्या वाले क्षेत्रों तथा किसी मंदिर या सत्र (वैष्णव मठ) के पांच किलोमीटर के दायरे में मवेशी वध और गोमांस की बिक्री पर प्रतिबंध है।

पाकिस्तान से घुसपैठ रोकने के लिए बीएसएफ ने जम्मू में दो और बटालियन तैनात कीं

नयी दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तान सीमा से घुसपैठ को बेहतर ढंग से रोकने और क्षेत्र में हाल में बढ़ी आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जम्मू क्षेत्र में 2,000 से अधिक कर्मियों वाली दो नयी बटालियन तैनात की हैं। बीएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि इन बटालियन के जवानों को पाकिस्तान से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की तैनाती वाले स्थान के ठीक पीछे ''रक्षा की दूसरी पंक्ति'' के रूप में तैनात किया गया है। बल की इन दो बटालियन को हाल में ओडिशा के नक्सल-रोधी अभियान क्षेत्र से हटा लिया गया था और अब इन्हें पूरी तरह से जम्मू क्षेत्र में तैनात कर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि यह कार्य सर्दियों के शुरू होने से पहले पूरा किया जाना था, जब पाकिस्तान से होने वाली घुसपैठ के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सीमा को सुरक्षित रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सूत्रों ने बताया कि नयी इकाइयों के कर्मियों को सांबा क्षेत्र, जम्मू क्षेत्र के कुछ अन्य संवेदनशील इलाकों और जम्मू से लगती पंजाब सीमा पर तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की सुविधा से लैस अनेक तैनाती बिंदु बनाए गए हैं। बीएसएफ भारत के पश्चिमी भाग में जम्मू, पंजाब, राजस्थान और गुजरात से होकर गुजरने वाली 2,289 किलोमीटर से अधिक लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा करता है। जम्मू क्षेत्र में इस सीमा का 485 किलोमीटर हिस्सा है, जो घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों से घिरा हुआ है। जम्मू अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में लगभग एक दर्जन बीएसएफ बटालियन तैनात हैं।

कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ पर लगाए गंभीर आरोप, कहा मस्जिद-मंदिर विवादों को जस्टिस चंद्रचूड़ ने दिया बढ़ावा

इंफाल (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व सीजेआई के रिटायर होने के बाद कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं ने उनपर हमला बोला है। शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत का कहना है कि चाहे अजमेर हो या उत्तर प्रदेश का संभल, सीजेआई चंद्रचूड़ देश में आग लगाने के बाद रिटायर हुए हैं। आज देश की जो हालत है उसके लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। जस्टिस चंद्रचूड़ को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश का कहना है कि 20 मई 2022 को चंद्रचूड़ साहब ने मौखिक टिप्पणी की और उससे भानुमती का पिटारा, पैंडोरा बॉक्स खुल गया। भाजपा इसका पूरा राजनीतिक फायदा उठा रही है। हर जगह सांप्रदायिक तनाव फैलाया जा रहा है।

संजय राउत ने मुंबई में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जहां उन्होंने पूर्व सीजेआई को न सिर्फ मंदिर-मस्जिद विवाद के लिए जिम्मेदार बताया, बल्कि महाराष्ट्र में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के लिए भी आरोपी बताया। राउत ने कहा- सरकार बनाने के लिए अभी तक राज्यपाल से कोई नहीं मिला है। इन सबके लिए जस्टिस चंद्रचूड़ जिम्मेदार हैं उधर, जयराम रमेश ने भी कहा- 20 मई 2022 को पूर्व सीजेआई की टिप्पणी ने इस तरह की याचिकाओं का रास्ता साफ किया है। उन्होंने कहा था कि प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट किसी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र का पता लगाने पर प्रतिबंध नहीं लगाता है। दरअसल, यह एक्ट प्राचीन धार्मिक स्थल के स्वरूप को बदलने पर रोक लगाता है। प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के मुताबिक- पूजा स्थल उसी रूप में संरक्षित किया जाएगा, जिस रूप में वह 15 अगस्त 1947 को था। अगर यह साबित भी हो जाता है कि उसे किसी दूसरे धर्म के उपासना स्थल को तोडक़र बनाया गया है, तब भी उसके स्वरूप को बदला नहीं जा सकता।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा का विपक्ष पर तंज, 'देश बदल चुका है, बस तुम्हारा स्टेटस नहीं बदला'

इंदौर (मध्यप्रदेश) (एजेंसी)। ।केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व में देश बदल चुका है लेकिन विपक्षी दलों का 'विपक्ष का दर्जा' अब तक नहीं बदला। नड्डा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हैं। उन्होंने विश्व एड्स दिवस पर इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान कहा, ''मैं आज राजनीति नहीं करना चाहता हूं लेकिन कई लोग बोलते हैं कि देश में कुछ भी नहीं बदला है। मैं उन्हें बस इतना बोलता हूं कि तुम्हारा स्टेटस (दर्जा) नहीं बदला, बाकी सब बदल गया है। तुम विपक्ष के विपक्ष में ही रहे और ऐसे रहोगे, तो आगे

भी ऐसे ही रहोगे।'

नड्डा ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ भारत के सफल अभियान का जिक्र किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में चिकित्सा के अलग-अलग क्षेत्रों में मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'यह किसी को दिखाई दे जाए कि देश कैसे बदलता है, तो बहुत अच्छी बात है। मैं कई बार बोलता हूं कि मैं आपकी देखने की क्षमता में सुधार तो कर सकता हूं पर आपको नजरिया नहीं दे सकता। अब किसी में नजरिया ही ना हो, तो मैं क्या करूं? नड्डा ने यह भी कहा कि नजरिये के लिए बुद्धि की आवश्यकता होती है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा, ''भारत में टिटनेस की दवा आने में 40 वर्ष, टीबी की दवा आने में 20 से 25 वर्ष, डिप्थीरिया की दवा आने में 20 वर्ष और जापानी इन्सेफेलाइटिस (दिमागी बुखार) की दवा आने में 100 साल लग गए थे।

पोप फ्रांसिस ने संत श्री नारायण गुरु की सराहना की, उनका संदेश आज प्रासंगिक

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। दुनिया के शीर्ष ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने भारत के संत श्री नारायण गुरु की सराहना कर उनके संदेश को पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक बताया है। पोप फ्रांसिस ने कहा कि नारायण गुरु का समाज सुधारक का संदेश 'आज की हमारी दुनिया के लिए प्रासंगिक है, जहां हमें लोगों और देशों के बीच असहिष्णुता और नफरत बढ़ने के उदाहरण देखने को मिल रहे हैं। एर्नाकुलम जिले के अलुवा में श्री नारायण गुरु के सर्व-धर्म सम्मेलन के शताब्दी समारोह के मौके पर वेटिकन में जुटे धर्मगुरुओं और प्रतिनिधियों को संबोधित कर पोप ने यह बात कही। पोप ने कहा कि आज दुनिया में जो अशांति का माहौल है उसके लिए धर्मों की शिक्षाओं को न अपनाना भी जिम्मेदार है। पोप ने कहा कि गुरु ने अपने संदेश में कहा था कि सभी मनुष्य, चाहे उनकी जाति, धर्म और सांस्कृतिक परंपराएं कोई भी हों, एक ही मानव परिवार के सदस्य हैं। पोप ने कहा, 'उन्होंने इस पर जोर दिया कि किसी भी तरह से और किसी भी स्तर पर किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'दुख की बात है कि कई समुदायों और लोगों को नस्ल, रंग, भाषा और धर्म के आधार पर रोजाना भेदभाव झेलना पड़ रहा है। खासकर ऐसा उन लोगों और समुदाय के साथ हो रहा है जो गरीब और कमजोर तबके से जुड़े हैं। पोप ने कहा, 'धर्मों की महान शिक्षाओं को नहीं अपनाना दुनिया में अशांति के लिए जिम्मेदार कारणों में से एक है।' नारायण गुरु को भारत के उन महान संतों में शुमार किया जाता है, जिन्होंने समानता का संदेश दिया। 22 अगस्त, 1956 को केरल के तिरुअनंतपुरम के पास एक गांव चेमपजंथी में मदन असन और कुट्टियम्मा के घर हुआ था। उनका परिवार एझावा जाति से संबंध रखता था और उस समय के सामाजिक मान्यताओं के अनुसार इस अवर्ण' माना जाता था। छोटी उम्र से ही उनका आकर्षण तप की ओर था जिसके चलते वे संन्यासी के रूप में आठ वर्षों तक जंगल में रहे थे। उन्हें वेद, उपनिषद, साहित्य, हठ योग और अन्य दर्शनों का ज्ञान था। उन्होंने समानता का संदेश देकर एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर (ओरु जति, ओरु माथम, ओरु दैवम, मानुष्यानु) का प्रसिद्ध नारा दिया। उन्होंने वर्ष 1888 में अरुविप्पुरम में भगवान शिव को समर्पित एक मंदिर बनाया, जो तब के जाति-आधारित प्रतिबंधों के खिलाफ था। उन्होंने एक मंदिर कलावन्कोड में अभिषेक किया और मंदिरों में मूर्तियों की जगह दर्पण रखा। यह उनके इस संदेश का प्रतीक था कि परमात्मा प्रत्येक व्यक्ति के भीतर है।

अजमेर दरगाहा विवाद : पूर्व ब्यूरोक्रेट्स लॉबी का पीएम मोदी को खत, ऐसी अवैध और हानिकारक गतिविधियों पर हस्तक्षेप करें

अजमेर (एजेंसी)। अजमेर में ख्वाजा साहब की दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका को लेकर देशभर में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इस बीच मामले में पूर्व ब्यूरोक्रेट्स और डिप्लोमैट्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा गया कि भारत की एकता और अखंडता पर हमला करने वाली ऐसी अवैध और हानिकारक गतिविधियों पर हस्तक्षेप करें। पूर्व ब्यूरोक्रेट्स लॉबी ने अपने पत्र में जिक्र कर पीएम नरेंद्र मोदी को याद दिलाया कि उर्स के मौके पर उन्होंने भी अजमेर शरीफ में चादर पेश की थी।

पत्र लिखने वालों में दिल्ली के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर नजीब जंग, यूनाइटेड किंगडम में भारत के पूर्व उच्चायुक्त शिव मुखर्जी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, पूर्व उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व डिप्टी गवर्नर रवि वीर गुप्ता सहित कई पूर्व ब्यूरोक्रेट्स और डिप्लोमैट्स शामिल है।

उन्होंने पत्र में कहा कि कुछ अज्ञात लोग हिंदू हितों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। इस दावे के साथ ये लोग मध्ययुगकालीन मस्जिदों और दरगाहों का सर्वे कराने की बात कहते हैं। पूर्व ब्यूरोक्रेट्स और डिप्लोमैट्स ने स्पष्ट किया कि प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के बाद भी अदालतें ऐसी याचिकाओं को आगे की सुनवाई का अधिकार दे देती हैं।

पत्र में कहा कि यह सोच से परे है कि कोर्ट ने सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की 12वीं सदी की दरगाह पर सर्वे का आदेश कैसे दे दिया। यह स्थल केवल मुसलमानों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी भारतीयों के लिए पवित्र माना जाता है। यह सोच हास्यास्पद है कि एक सूफी संत, फकीर, जो भक्ति आंदोलन का अंग रहा, वह कैसे एक मंदिर को तोड़कर दरगाह बनवा सकता है। इस पत्र में लिखा गया है कि काफी समय से यह देखने को मिल रहा है कि हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के बीच टकराव की स्थिति बना रही है। यही नहीं ऐसा ही इस समुदाय के भी हो रहा है। इससे अल्पसंख्यक समुदाय में चिंता और असुरक्षा का भाव पैदा हुआ है। इस तरह के विवादों से देश तरक्की नहीं कर कता और न ही आपके (पीएम मोदी) विकसित भारत के सपने को पूरा हो सकेगा।

पत्र में विभाजन के समय हुए दंगों और पिछले दशकों में हुए विवाद के बारे में याद दिलाकर कहा गया कि इससे आज भी देश में सांप्रदायिक संबंध मधुर नहीं हो सके हैं। पिछले 10 सालों जिस तरह के घटनाएं हुई, वे जैसी थी उस तरह दिखाई नहीं गई। इसतरह के मामलों में राज्य सरकारों की पक्षपात की नीतियां देखने को मिली हैं। ऐसा, पहले कभी अनुभव नहीं किया गया था। पत्र में जिक्र किया गया हैं कि यह गौमांस ले जा रहे मुस्लिमों को पीटने और धमकाने से शुरू हुआ था। जो धीरे-धीरे निर्दोष लोगों को भीड़ द्वारा घर में घुसकर मार देने में बदल गई। इसमें कई नरसंहार हुए और इस्लामोफोबिया के तौर पर इस परिभाषित कर भाषणों में उपयोग लिया गया। राज्यों के मुखिया (मुख्यमंत्रियों) के इशारे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों से सामान ना लेने, मकान किराए पर न देने जैसा आह्वान किया गया।

महाराष्ट्र में सरकार गठन में हो रही देरी पर आदित्य ठाकरे ने उठाए सवाल, भाजपा पर साधा निशाना

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने सरकार के गठन में हो रही देरी की आलोचना की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह महाराष्ट्र का अपमान है। आदित्य ने रविवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने महायुति सरकार पर निशाना साधा और राज्य में अभी तक राष्ट्रपति शासन नहीं लगाए जाने पर सवाल उठाया।

आदित्य ने लिखा, 'परिणाम आने के एक सप्ताह से अधिक समय तक मुख्यमंत्री का चयन न कर पाना और सरकार न बना पाना न केवल महाराष्ट्र का अपमान है (हमारे राज्य को इतने हल्के में लेने के लिए) बल्कि उनके सबसे प्रिय चुनाव आयोग द्वारा दी गई सहायता का भी।' उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि नियम केवल विपक्षी दलों पर लागू होते हैं, जबकि कुछ विशेष दलों पर नियम लागू नहीं होते।

महायुति के सबसे बड़े घटक भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने लिखा, 'बिना सरकार बनाने का दावा किए और माननीय राज्यपाल को संख्याबल दिखाए बिना, एकतरफा शपथ ग्रहण की तिथि घोषित करना पूरी तरह अराजकता है। और इस सब के बीच, कार्यवाहक मुख्यमंत्री चंद्रमा की कला के अनुसार एक छोटी छुट्टी पर हैं, जैसा कि हमने पहले भी नियमित रूप से देखा है।'

आदित्य ने आगे लिखा, 'इस बीच, महाराष्ट्र उन लोगों के लिए कोई प्राथमिकता नहीं है जो सरकार बना सकते हैं। वे अपनी दिल्ली यात्राओं का आनंद ले रहे हैं। राष्ट्रपति शासन? क्या यह अब तक लागू नहीं हो जाना चाहिए था? क्या ऐसा नहीं होता, अगर विपक्ष के पास संख्याबल होता और निर्णय लंबित होता?'

माह बदलते ही मौसम भी बदला, दिल्ली में कोहरा तो यूपी में चलेगी शीत लहर

मौसम विभाग ने कहा- 15 दिसंबर से कड़ाके की ठंड, चलेंगी सर्द हवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिसंबर माह शुरु हो गया है लेकिन अभी कड़ाके की ठंड नहीं पड़ रही है। आईएमडी के मुताबिक रविवार को दिसंबर के पहले सप्ताह के बाद मौसम में बदलाव आ सकता है। दिल्ली में भी अभी एक सप्ताह तक पारा लुढ़कने के आसार नहीं हैं। पहाड़ों पर मौसम कूल हो गया है। कुछ पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी से निचले इलाकों में ठंड का अहसास होने लगा है।

दिसंबर की शुरुआत के साथ ही मौसम भी करवट बदलनी शुरू कर दी है। दिल्ली में मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक स्मॉग और फॉग दोनों ही देखने को मिलेगा। ठंड उतनी नहीं पड़ेगी लेकिन सर्दी महसूस होगी। रविवार को सुबह स्मॉग और हल्का कोहरा छाया रहा। शाम और रात के समय स्मॉग के साथ हल्का कोहरा छा सकता है। अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने यूपी में भीषण ठंड पड़ने की चेतावनी दी है। विभाग के मुताबिक 15 दिसंबर से कड़ाके की ठंड शुरू हो सकती है और पूरे प्रदेश में ठंड के साथ सर्द हवाएं चलने लगेंगी। इस साल दिसंबर में सामान्य से ज्यादा ठंड पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक आज से तीन दिनों तक लाहौल और स्पीति, चंबा, किन्नौर, कांगड़ा और कुल्लू जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। वहीं जम्मू कश्मीर के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। उसके बाद कुछ दिन मौसम शुष्क बना रहेगा फिर सात दिसंबर के बाद ऊंचे इलाकों में फिर से बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

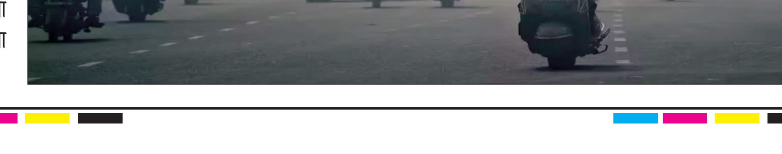

न्यूज स्कोर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस शीर्ष पर कायम

मुंबई ।

राजस्व, लाभ, बाजार मूल्य और सामाजिक प्रभाव के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज मीडिया में भारत की सबसे अधिक विजिबिलिटी वाली कंपनी है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया कि मीडिया में रिलायंस की विजिबिलिटी भारत की अग्रणी एफएमसीजी या बैंकिंग और वित्त कंपनियों की तुलना में काफी अधिक है।

साल 2024 के लिए न्यूज स्कोर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ने 100 में से 97.43 अंक हासिल किए।

साल 2023 में यह 96.46, 2022 में 92.56 और 2021 में 84.9 था। कंपनी लगातार टॉप पर बनी हुई है और इसकी विजिबिलिटी बढ़ रही है।

दरअसल विजीकी का न्यूज स्कोर खबरों की संख्या, शीर्षक उपस्थिति, प्रकाशनों की पहुंच और पाठकों की संख्या के आधार पर निर्धारित होता है।

रिलायंस विजीकी की स्थापना के बाद पिछले पांच वर्षों से वार्षिक रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। विजीकी रैंकिंग में रिलायंस की रैंकिंग 97.43 के न्यूज स्कोर के साथ बाकी कंपनियों से ऊपर रही। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (89.13), एचडीएफसी बैंक (86.24), पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस (84.63), आईसीआईसीआई बैंक (84.33) और जोमैटो (82.94) का स्थान रहा।

विजीकी न्यूज स्कोर एक गणना है, जो विभिन्न कारकों पर विचार करके भारत में किसी ब्रांड की मीडिया उपस्थिति को दिखाता है। इसमें समाचार की संख्या (ब्रांड के बारे में समाचार की संख्या), शीर्षक उपस्थिति (ब्रांड का नाम कितनी बार सुर्खियों में दिखाई दिया), प्रकाशन पहुंच (ब्रांड को कवर करने वाले प्रकाशनों की पहुंच) और पाठक संख्या (ब्रांड को कवर करने वाले प्रकाशनों की पाठक संख्या) शामिल हैं। स्कोर शून्य से 100 तक होता है और यह चार लाख से अधिक प्रकाशनों की निगरानी पर आधारित है।

नैसकॉम ने लॉन्च की प्लेबुक, एआई जोखिम को कम करने में करेगी मदद

नई दिल्ली।

नैसकॉम ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए डेवलपर्स प्लेबुक लॉन्च की है। यह प्लेबुक डेवलपर्स को देश में एआई डेवलपमेंट, स्थापना और इस्तेमाल को लेकर जोखिमों की पहचान कर उन्हें कम करने में मदद करेगी। नई दिल्ली में कॉन्फ्लुएंस फॉर रिस्पॉन्सिबल इंटेलिजेंस (आरआईसीओएन) के उद्घाटन अवसर पर लॉन्च की गई प्लेबुक एआई रिस्क मैनेजमेंट लैंडस्कैप को नेविगेट करने में डेवलपर्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बीच आई है।

प्लेबुक भारत सरकार और नैसकॉम के एक साथ सहयोग से एआई से जुड़े जोखिमों की पहचान करने और उन्हें कम करने के लिए एक इंडस्ट्री फ्रेमवर्क की स्थापना को लेकर अहम है।

आईटी इंडस्ट्री बॉडी ने कहा कि उद्योग, सरकार, शिक्षा और नागरिक समाज के भारतीय और अंतरराष्ट्रीय विषय विशेषज्ञों और हितधारकों के एक समूह ने प्लेबुक की कठोर समीक्षा और सत्यापन किया है। यह जिम्मेदार एआई के लिए एक संतुलित और अच्छी तरह से समर्थित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो देश के हितों और सामाजिक कल्याण के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह ने कहा कि यह प्लेबुक इनोवेटर्स को संभावित जोखिमों की पहचान करने, बेस्ट प्रैक्टिस के साथ तालमेल बैठाने और एआई विकास और स्थापना के लिए जिम्मेदार एआई पद्धतियों को अपनाने के लिए जरुरी मार्गदर्शन प्रदान करती है। इंडिया एआई मिशन के सीईओ सिंह ने कहा कि प्लेबुक सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के रिस्क मैनेजमेंट फ्रेमवर्क में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करती है। प्लेबुक डेवलपर्स को प्रैक्टिकल फ्रेमवर्क के साथ एआई के सिद्धांतों को लागू करने में मददगार साबित होगी।

नैसकॉम के एआई प्रमुख ने कहा कि यह उद्योग हितधारकों के बीच जिम्मेदार एआई प्रैक्टिस को आगे बढ़ाने के लिए नैसकॉम जिम्मेदार एआई हब के चल रहे प्रयासों पर आधारित है।

होंडा की पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्टिवा- ई पेश

नई दिल्ली ।

होंडा ने भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में कदम रख दिया है। कंपनी ने हाल ही में अपनी पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्टिवा- ई को पेश किया है। फिलहाल, कंपनी ने इन स्कूटरों का खुलासा किया है, जबकि कीमतों और बुकिंग की घोषणा 1 जनवरी 2025 को की जाएगी। यह स्कूटर दो वेरिएंट्स एक्टिवा- ई और क्यूसीआई में उपलब्ध होगा। स्कूटर की डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू होगी। शुरुआती चरण में यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में उपलब्ध होगा। एक्टिवा- ई में 1.5केडब्ल्यूएच की दो स्वैपेबल बैटरियां दी गई हैं, जिन्हें होंडा मोबाइल पॉवर पेक- ई नाम दिया गया है। ये बैटरियां एक बार चार्ज होने पर 102 किलोमीटर की रेंज देती हैं।

बैटरी को चार्ज करने की झंझट खत्म करने के लिए होंडा ने दिल्ली और बेंगलुरु में बैटरी स्वैपिंग स्टेशन स्थापित कर दिए हैं, और मुंबई में यह सुविधा जल्द ही शुरू होगी। स्कूटर में 6केडब्ल्यू परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर दी गई है, जो 22एनएम का पीक टॉर्क उत्पन्न करती है।एक्टिवा- ई को 12-इंच अलॉय व्हील्स, टेलिस्कोपिक फोर्क्स और डुअल स्प्रिंग सस्पेंशन के साथ पेश किया गया है। इसमें डिस्क-ड्रम कॉम्बिनेशन ब्रेकिंग सिस्टम दिया गया है। यह स्कूटर पांच आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगा- पर्ल शैलो ब्लू, पर्ल मिस्ट्री व्हाइट, पर्ल सेरेनिटी ब्लू, मैट फॉगी सिल्वर मेटालिक और पर्ल इग्नियस ब्लैक।

होंडा एक्टिवा- ई अपने दमदार फीचर्स और स्वैपेबल बैटरी तकनीक के जरिए भारतीय बाजार में क्रांति लाने के लिए तैयार है। इसमें तीन राइडिंग मोड्स ईको, स्टैंडर्ड, और स्पोर्ट दिए गए हैं। स्पोर्ट मोड में यह 80 किमी/घंटा की टॉप स्पीड देती है और 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार मात्र 7.3 सेकंड में पकड़ लेती है।

आखिरकार महिंद्रा बीई 6 इलेक्ट्रिक कार लॉन्च

नईदिल्ली ।

भारत में आखिरकार महिंद्रा बीई 6 इलेक्ट्रिक कार लॉन्च कर दी गई है। इसकी सीधी टक्कर टाटा कर्व ईवी से होगी, जो पहले से ही इस सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बना चुकी है।कंपनी ने इस नई ईवी को अपने अत्याधुनिक इंग्लो प्लेटफॉर्म पर तैयार किया है।

महिंद्रा बीई 6ई को बोल्ड और आकर्षक डिजाइन के साथ पेश किया गया है। कार के बोनट पर बीई का लोगो और सी-शेप डीआरएल के साथ शार्प एलईडी हेडलाइट्स इसे खास बनाते हैं। इंटीरियर में डबल इंटीग्रेटेड स्क्रीन, टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और ब्लैक-एंड-व्हाइट केबिन थीम दी गई है। इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसकी अधिकतम रेंज है, जो 682 किलोमीटर तक है। दो बैटरी पैक विकल्प 59केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच दिए गए हैं। डीसी 175केडब्ल्यू फास्ट चार्जर की मदद से यह कार मात्र 20 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है। सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, एडीएएस लेवल 2 प्लस और 360 डिग्री कैमरा शामिल हैं। इसकी शुरुआती कीमत 18.90 लाख रुपये रखी गई है। महिंद्रा बीई 6ई अपनी लंबी रेंज और तेज चार्जिंग के साथ एक नया मानक स्थापित कर सकती है।

वहीं, टाटा कर्व ईवी पहले से अपने फीचर्स और मूल्य के कारण बाजार में मजबूत स्थिति में है। दोनों मॉडलों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। वहीं, टाटा कर्व ईवी 502 किलोमीटर की अधिकतम रेंज और 45केडब्ल्यूएच व 55केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आती है। इसके इंटीरियर में 12.3 इंच इंफोटेनमेंट स्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं। इसकी कीमत 17.49 लाख रुपये से शुरू होती है।

हमारे समूह पर हुए हमलों ने हमें मजबूत बनाया है: गौतम अदाणी

अदाणी ने कहा, सपने जितने बोल्ड होंगे, उतना ही सामना कठिन होगा

जयपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुए इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड्स जगमगाईं, जहां अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अपनी विचारधारा को साझा किया। उन्होंने कहा कि हर हमला उन्हें और मजबूत बनाता है और हर बाधा एक सीढ़ी बना देता है। इस समारोह में गौतम अदाणी ने पहली बार अमेरिकी न्याय विभाग के चर्चे किए। उन्होंने दुनिया को यह दिखाया कि उनकी विचारधारा कैसे उन्हें समृद्धि की ओर ले जा रही है। गौतम अदाणी ने समूह के खिलाफ शॉर्ट-सेलिंग का भी उदाहरण दिया, जो दिखाता है कि उनकी संघर्षमय यात्रा में किसी भी चुनौती का कैसे सामना किया गया है। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बनाए रखने का प्रमाण दिया। उन्होंने ध्यान दिया कि सपने जितने बोल्ड होंगे, उतना ही सामना कठिन होगा परंतु उन्हें आगे बढ़ने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। गौतम अदाणी की ये विचारधारा और संघर्ष आज के दुनिया में एक महत्वपूर्ण संदेश है, जो हमें यह सिखाते हैं कि उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए हर मुश्किल का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इन वर्षों में मैं यह स्वीकार करता आया हूं कि जिन बाधाओं का हम सामना करते हैं, वे (दूसरों से) आगे होने की कीमत हैं। आपके सपने जितने बोल्ड होंगे, दुनिया आपको उतना ही अधिक परखेगी। लेकिन आपको आगे बढ़ने, यथास्थिति को चुनौती देने और एक ऐसा रास्ता बनाने का साहस मिलना चाहिए जिस पर पहले कभी कोई न चला हो। पायनियरिंग करने का अर्थ है अज्ञात को अपनाना, सीमाओं को तोड़ना और अपने दृष्टिकोण पर तब भी विश्वास करना जब दुनिया इसे अभी तक नहीं समझ पाई हो।

विदेशी निवेशकों ने निकाले भारतीय इक्विटी बाजार से 21,612 करोड़

अक्टूबर में एफपीआई ने 94,017 करोड़ की बिकवाली की थी

नई दिल्ली।

नवंबर महीने में भारतीय इक्विटी बाजार से विदेशी निवेशकों ने इतने संकेतिक रूपये निकाले जितने कि 2.56 अरब अमेरिकी डॉलर में इस संकेतिक निकासी के परिणामस्वरूप, विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिकी बॉन्ड के प्रतिफल में वृद्धि, डॉलर की मजबूती और घरेलू अर्थव्यवस्था में मंदी की वजह से एफपीआई निवेशकों की बिकवाली दिख रही है। हालांकि, इस निकासी का स्तर अक्टूबर के निकासी के साथ मुकाबला नहीं कर पा रहा है जब एफपीआई ने 94,017 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। अब तक 2024 में एफपीआई ने कुल 15,019 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एक अे धिकारी ने बताया कि आने वाले समय में ट्रंप के नीतियों, मुद्रास्फीति, और ब्याज दर से एफपीआई का रुख निर्धारित होगा। साथ ही, उन्होंने भारतीय कंपनियों के तीसरी तिमाही के आय प्रदर्शन की भूमिका के महत्व को भी जानकारी दी।

एमएंडएम मौजूदा बिक्री नेटवर्क के जरिए ईवी बेचेगी

एक जगह उपलब्ध होंगे सभी विकल्प

नई दिल्ली । महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने घोषणा की है कि वे अब अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपने मौजूदा बिक्री नेटवर्क के माध्यम से बेचेंगे। यह नई पहल का मकसद है कि ग्राहकों को एक ही स्थान पर सभी विकल्प उपलब्ध कराएं जाएं। इस उद्देश्य को पूरा करते हुए कंपनी ने दो नए इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल - बीई 6ई और एक्सईवी 9ई का विस्तार किया है। एमएंडएम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इसमें व्यापक रूप से भाग लेने की योजना बताते हुए कहा` कि हम बिक्री चैनल को एक समान रखना चाहते हैं ताकि ग्राहक को आईसीई और ईवी के बीच चयन करने की सुविधा मिले। वे एक संवेदनशील प्रश्न के जवाब में यह भी बताते हैं कि क्या कंपनी अपने ईवी रेंज के लिए एक अलग बिक्री नेटवर्क की स्थापना करेगी। जारी` किए गए बयान में यह भी कहा कि एमएंडएम एक विशेष टीम की स्थापना कर रही है जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री और सेवा को संभालेगी। उन्होंने बताया कि नए वाहन मॉडल संबंधी डिलीवरी को फरवरी-मार्च के बीच में शुरू किया जाएगा और वे आशा कर रहे हैं कि ग्राहकों को यह नए विकल्प पसंद आएंगे। इस पहल के बाद एमएंडएम ने ईवी बिक्री और सेवा को सुधारने के लिए एक विशेष धारा स्थापित करने की योजना बनाई है जिससे ग्राहकों को अधिक सुविधा मिले।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 6,019 इकाई पर

- विंडसर ने 3,144 इकाइयों की बिक्री के साथ दूसरे महीने भी तोड़तोड़ की

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख मोटरकार कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने रविवार का एक मुख्य घोषणा की कि नवंबर 2024 तक उनकी थोक बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 6,019 इकाई पहुंच गई है। कंपनी ने यह भी कहा कि उनके इलेक्ट्रिक वाहन विंडसर ने 3,144 इकाइयों की बिक्री के साथ दूसरे महीने भी तोड़तोड़ की है। कंपनी ने बताया कि उनकी कुल मासिक बिक्री में नए ऊर्जा वाहनों (एनईवी) का हिस्सा 70 प्रतिशत है। यह उछाल उनके इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है और उन्हें बाजार में भी मजबूती का अहसास करवाता है। इस ताजा विकेन्द्रीकरण के साथ जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धा को लेकर नए उत्साह का संकेत दिया है। उनकी विंडसर श्रृंखला और एनईवी सेगमेंट में उच्च बिक्री उनके उद्यमी रुझान के प्रति विश्वास को मजबूत कर रही है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 16.50 रुपए महंगा हुआ

- एटीएफ के दाम भी 13.18.12 रुपए किलो लीटर बढे

नई दिल्ली । कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं। तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 16.50 रुपये की वृद्धि कर दी है। दिल्ली में यह सिलेंडर अब 1818.50 रुपये का है। यह पांचवां महीना है जब इन सिलेंडरों की कीमतें बढ़ रही हैं। इस बढ़ती कीमतों का असर हवाई ईंधन के भी दामों पर पड़ रहा है। एटीएफ का दाम भी 13.18.12 रुपए किलो लीटर महंगा किया गया है। यह दर भी पिछले महीने की तुलना में बढ़ी है। अब एलपीजी सिलेंडर की कीमतें नवंबर में भी बढ़ी थीं। इसमें कोलकाता में 1927.00 रुपये, मुंबई में 1771.00 रुपये और चेन्नई में 1980.50 रुपये की कीमतों का घोषणा की गई थी। उज्ज्वला योजना के तहत घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में सब्सिडी के बिना इस सिलेंडर की कीमत 803.00 रुपये में है। कंपनियों ने यह भी जाहिर दिया कि हवाई ईंधन के दाम में इजाफा कर दिया गया है, जिससे उड़ान भरने वालों के लिए टिकट की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इस बढ़ोतरी की क्या होगा अनुमान लगाना बेहद मुश्किल है।

देश की नौ प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 2.29 लाख करोड़ बढ़ा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह देश की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में नौ का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,29,589.86 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी गई। इसमें भारतीय जीवन बीमा निगम को सबसे अधिक लाभ हुआ। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 60,656.72 करोड़ रुपये बढ़कर 6,23,202.02 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकर 39,513.97 करोड़ रुपये बढ़कर 13,73,932.11 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,860.79 करोड़ रुपये बढ़कर 17,48,991.54 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 32,657.06 करोड़ रुपये बढ़कर 9,26,725.90 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 20,482 करोड़ रुपये बढ़कर 7,48,775.62 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 15,858.02 करोड़ रुपये बढ़कर 9,17,724.24 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी का मूल्यांकन भी बढ़ा। हालांकि, इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन 18,477.5 करोड़ रुपये घटकर 7,71,674.33 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही, जिसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

वैश्विक रुझानों, ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले तय करेंगे शेयर बाजारों की चाल

- कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा

मुंबई ।

इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों और ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले शेयर बाजारों की दिशा तय कर सकते हैं। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह निवेशक ऑटो बिक्री के मासिक आंकड़ों पर भी निगाहें रहेंगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि बाजार सोमवार को 5.4 प्रतिशत की निराशाजनक जीडीपी वृद्धि पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। आगामी आरबीआई नीति महत्वपूर्ण होगी, जिसमें ब्याज दर निर्णय और टिप्पणी, दोनों पर ही निवेशकों की नजर होगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर, भू-राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से रूस-यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है।

भारत, अमेरिका और चीन से विनिर्माण पीएमआई जैसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा। विनिर्माण और खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कमजोर खपत के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच गई। देश हालांकि अभी भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों ने काफी उतार-चढ़ाव देखा, हालांकि सप्ताह के अंत में बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का नजरिया भारत के विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, ब्याज दर पर फैसले, अमेरिकी एसएंडपी वैश्विक समग्र पीएमआई, विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, गैर-कृषि रोगजार के आंकड़ों जैसे प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारकों से प्रभावित होगा।

बीते सप्ताह मजबूत वैश्विक बाजार, आवक घटने से तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

मांग कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए

नई दिल्ली ।

विदेशी बाजारों में तेजी के रुख के बीच देश में सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के हाजिर दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से लगभग 10-15 प्रतिशत कमजोर रहने की वजह इन तिलहनों की आवक घटने के कारण बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। मूंगफली की आवक बढ़ने के बीच मांग कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह सरसों की आवक घटकर प्रतिदिन करीब 1.5 लाख बोरी रह गई जबकि सरसों की प्रतिदिन की खपत करीब 3.5-4 लाख बोरी की है। चूंकि अब पामोलीन तेल का दाम सरसों से अधिक हो गया है इसलिए आगे जाकर सरसों की खपत और बढ़ने जा रही है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,625-6,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 150 रुपये के सुधार के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,285-2,385 रुपये और 2,285-2,410 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 4,500-4,550 रुपये और 4,200-4,235 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम भी क्रमश- 75 रुपये, 125 रुपये और 185 रुपये सुधरकर क्रमश- 13,875 रुपये, 13,825 रुपये और 9,885 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। आवक बढ़ने और मांग कमजोर होने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट आई। मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,100-6,475 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ वहीं मूंगफली तेल गुजरात 600 रुपये की गिरावट के साथ 14,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 90 रुपये की गिरावट दर्शाता 2,130-2,430 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। मलेशिया में मजबूत होते दाम की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 600 रुपये सुधरकर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पुष्पा इम्पॉसिबल अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस से पहले दिव्यांग व्यक्तियों की समावेशिता को बढ़ावा देता है

मुंबई : सोनी सब शो पुष्पा इम्पॉसिबल में लंबे समय से अपने प्रगतिशील और सशक्तीकरण का संदेश देने वाले शो के लिए जाना जाता है, दुनिया तीन दिसंबर को दिव्यांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को मनाने के लिए तैयार है, शो के लॉन्च के समय चैनल ने विशेष रूप से सक्षम अभिनेता हंस असलोट को डाउन सिंड्रोम वाले एक पात्र गोलू के रूप में कास्ट करके समावेशिता के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता दिखाई। यह निर्णय न केवल उन्हें अपने साथी अभिनेताओं के साथ कहानी में जोड़ता है, बल्कि उनकी ताकत, सपनों और योगदान पर भी जोर देता है, जो कहानी कहने के लिए एक अधिक समावेशी दृष्टिकोण प्रदर्शित करता है। यह एपिसोड अन्य विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा और कहानियों को भी प्रदर्शित करेगा, जो इस तरह की कहानियों के समाज पर पड़ने वाले गहन प्रभाव की मार्मिक याद दिलाता है।

भारत ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश को 6 विकेट से हराया

कैनबरा (एजेंसी)। हर्षित राणा के (चार विकेट) के बाद शुभमन गिल (रिटायर्ड नाबाद 50), यशस्वी जायसवाल (45), नीतीश कुमार रेड्डी (42) रनों की शानदार पारियों की बदौलत भारत ने रविवार को मनुका ओवल में गुलाबी से खेले गए अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश को छह विकेट से हरा दिया।

241 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की। इसी दौरान केएल राहुल (नाबाद 27) रन पर रिटायर्ड हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये शुभमन गिल ने जायसवाल के साथ पारी को संभाला। 17वें ओवर में चार्ली एंडरसन ने यशस्वी जायसवाल (45) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई।

कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर विफल रहे और तीन रन बनाकर आउट हुये। शुभमन गिल (नाबाद 50) रन बनाकर रिटायर्ड हुये। नीतीश कुमार रेड्डी ने (42) रनों की पारी खेली। रवींद्र जाडेजा (27) और सरफराज खान (एक) रन बनाकर आउट हुये। वॉशिंगटन सुंदर (37) रन बनाकर और देवदत्त पड्क्किल (तीन) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 46 ओवर में पांच विकेटपर 256 रन बनाये। भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से जीता।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश की ओर से चार्ली एंडरसन ने दो विकेट लिए। लॉयड पोप, मैट रेनशॉ और जैक क्लेटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज भारतीय टीम ने आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिए।

मोहम्मद सिराज ने भारत को पहली सफलता मैट रेनेशॉ को आउट कर दिलाई। इस दौरन बीच में बारिश के कारण कुछ देर खेल रूका रहा। दोबारा खेल शुरु होने पर आकाश दीप ने जेडन गुडबिन (चार) को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट करवाया। इसके बाद जैक क्लेटन ने सैम कॉन्स्टास के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 109 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में हर्षित राणा ने एक ओवर में ऑस्ट्रेलिया को दो झटके दिए।

हर्षित ने पहले जैक क्लेटन (40) को बोल्ड आउट किया उसके बाद ऑलिवर डेविस (शून्य) बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान जेक एडवर्ड्स (एक)और सैम हार्पर (शून्य) भी हर्षित का शिकार बने। हैनो जेकब्स (60) को वॉशिंगटन सुंदर ने आउट किया। आठवें विकेट के रूप में सैम कॉन्स्टास (107) रन पर आउट हुये। उन्हें आकाशदीप ने सैनी के हाथों कैच आउट कराया। जैक निस्बेट (11) और

एडन ओ%कॉनर (चार) रन बनाकर आउट हुये। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश 43.2 ओवर में 240 पर सिमट गई। भारत की ओर से हर्षित राणा ने चार, आकाश दीप ने दो, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा,वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईपीएल में ऋषभ , श्रेयस और वेंकटेश पर रहेंगी नजरें

मुंबई (एजेंसी)। पिछले तीन सत्र में आईपीएल नीलामी में सबसे अधिक कीमतों में बिकने वाले खिलाड़ी असफल रहे हैं। ऐसे में साल 2025 सत्र के लिए बिके सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत के अलावा श्रेयस अय्यर और वेंकटेश अय्यर की भी इस बार आईपीएल में कड़ी परीक्षा होगी। ऋषभ नीलामी में सबसे अधिक 27 करोड़ जबकि श्रेयस 26.75 करोड़ और वेंकटेश 23.75 करोड़ में बिकने के साथ ही दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे थे। पिछले तीन सत्र की बात करें तो 153 करोड़ रुपए की कीमत वाले 9 खिलाड़ियों की तुलना में सस्ते खिलाड़ी अधिक सफल रहे जबकि उनकी कुल कीमत 3.35 करोड़ रुपए थी।

पिछले सत्र में मिचेल स्टार्क को 24.75 करोड़ मिले थे और उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से- 14 पारी में 26.12 के औसत से 17 विकेट लिए जबकि पैट कमिंस को 20.5 करोड़ मिले थे और उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से 18 विकेट लिए। फाइनल में पहुंचाया। वहीं डैरिल मिचेल ~ 14 करोड़ मिले और उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से 13 मैच में 70 के औसत से 1 विकेट ही लिया। दूसरी ओर पंजाब किंग्स के शशांक सिंह को 20 लाख मिले और उन्होंने पंजाब किंग्स की ओर से 44.25 के औसत के साथ 354 रन बनाये।स्ट्ब्स को 50 लाख मिले ओर उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से 13 पारी में 191 के औसत से 378 रन बनाये जबकि रमनदीप 20 लाख में बिके और उन्होंने फिनिशर के तौर पर काफी अच्छा काम किया। वहीं 2023 और 2022 सत्र में भी करोड़ा की राशि हासिल करने वाले असफल रहे जबकि लाखों पाने वालों ने कमाल किया।

जय शाह ने आईसीसी अध्यक्ष का पद संभाला

दुबई (एजेंसी)। जय शाह ने 1 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये अध्यक्ष के रूप में अपनी पद संभाल लिया। जय शाह ने ग्रेग बार्कले की जगह ली है। बाकले नवंबर 2020 से इस पद पर थे। आईसीस प्रमुख के रूप में अपने अपने संबोधन में शाह ने कहा कि लक्ष्य लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल किये जाने और महिलाओं के खेल के विकास को प्राथमिकता देने पर वह ध्यान देंगे।

शाह ने कहा, आईसीसी अध्यक्ष की भूमिका निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है । आईसीसी निदेशकों और सदस्य बोर्डो के समर्थन और विश्वास के लिए मैं आभारी हूं। यह खेल के लिए एक रोमांचक समय है क्योंकि हम ओलंपिक ओलंपिक खेलों की तैयारी कर रहे हैं और दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए क्रिकेट को अधिक समावेशी और आकर्षक बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हम कई प्रारूपों के एक साथ होने से आ रही परेशानद और महिलाओं के खेल के विकास में तेजी लाने की आवश्यकता पर काम कर रहे हैं। क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर आये जाने की अपार संभावनाएं हैं, और मैं इन अवसरों का लाभ उठाने और खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

शाह ने साल 2009 में गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन से अपना कामकाज शुरू किया था। वहीं साल 2019 में वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) के सबसे कम उम्र के मानद सचिव बने। शाह एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष भी रहे है। इसके अलावा उन्होंने आईसीसीसी की वित्त और वाणिज्यिक मामलों की समिति की अध्यक्षता की। शाह ने पिछले चार वर्षो में अपने योगदान को मान्यता देते हुए निवर्तमान आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले का आभार व्यक्त किया।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट में आठ विकेट से दी शिकस्त

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। हैरी ब्रूक (171) ब्राइडन कार्स (छह विकेट) और जेकब बेथेल (नाबाद 50) रनों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच में रविवार को न्यूजीलैंड को आठ विकेट से शिकस्त दी। इंग्लैंड की टीम ने महज 12.4 ओवर में दो विकेट पर 104 रन के लक्ष्य को हासिल कर यह जीत दर्ज की। चौथे दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड की पूरी टीम 254 रन पर समेट दिया था। डैरिल मिचेल (84), केन विलियमसन (61) रनों की पारी खेली। रचिन रविंद्र (24), नेथन स्मिथ (21) और ग्लेन फिलिप्स (19) रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद इंग्लैंड को जीत के लिए 104 रनों का लक्ष्य मिला था। जिसे उसने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से ब्रायडन कार्स ने 19.1 ओवर में 42 रन देकर छह विकेट लिये। क्रिस वोक्स को तीन विकेट मिले। गस ऐटकिंसन ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सबसे कम ओवरों में टेस्ट क्रिकेट में 100 से अधिक रनों के लक्ष्य को हासिल करने का विश्व रिकार्ड भी बना लिया है। इंग्लैंड के लिए जहां हैरी ब्रूक ने (171) रनों की शानदार शतकीय पारी खेली वहीं ब्रायडन कार्स ने पूरे मैच में 10 विकेट झटके। उन्होंने पहले पारी में 19 ओवर में 64 रन देकर चार विकेट लिए।

वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 19.1 ओवर में 42 रन देकर छह विकेट झटके। उन्हें बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने पहली पारी में केन विलियमसन (93), कप्तान टॉम लेथम (47) और ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 58) की शानदार पारियों की मदद से 348 रन बनाये थे। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में हैरी ब्रूक (171), बेन स्टोक्स (80), गस ऐटकिंसन (48) और बेन डकेट (46) की बेहतरीन पारियों की मदद से499 का स्कोर खड़ा कर पहली पारी के आधार पर 151 रनों की बढ़त ली थी। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने चार, नेथन स्मिथ तीन, टिम साउदी दो और विलियम ओरूर्क ने एक बल्लेबाज को आउट किया था। इंग्लैंड ने इस जीत के साथ ही तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत को मिला फायदा

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के फाइनल की रेस फिलहाल पांच टीमों के बीच जंग है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका और न्यूजीलैंड WTC फाइनल के सबसे बड़े दावेदार हैं। इंग्लैंड के हाथों मिली हार से न्यूजीलैंड को टेबल में रैंकिंग पर कोई नुकसान नहीं हुआ, न्यूजीलैंड चार नंबर पर ही बरकरार रही। वहीं टीम इंडिया को इससे बड़ा फायदा हो सकता है। हाल ही में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पर्थ टेस्ट में हराकर प्वॉइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल किया था। वहीं साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका को हराया और ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर सीधे नंबर 2 पर है। जबकि नंबर 3 पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है।

सूर्यकुमार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलेंगे

हैदराबाद ।भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने की संभावनाएं हैं। सूर्यकुमार मंगलवार से मुंबई की ओर से आंध्र के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) के शेष मैचों में उतरेंगे ।इसके बाद वह 21 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेल सकते हैं। सूर्यकुमार सोमवार को हैदराबाद में मुंबई की टीम से जुड़ेंगे और उनके अगले ही दिन मैच में भी खेलने की उम्मीद है। ग्रुप ई में चौथे स्थान पर काबिज मुंबई ने अब तक अपने तीन मैचों में से दो जीते हैं और रविवार को नागालैंड के खिलाफ होने वाले मैच के बाद उनके पास दो लीग मैच शेष हैं। इस टूर्नामेंट में हार्दिक पांड्या, श्रेयस, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, वरुण चक्रवर्ती और अन्य खिलाड़ी भी खेल रहे है। दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले सूर्यकुमार ने अक्टूबर में रणजी ट्रॉफी का एक दौर भी खेला था। सूर्यकुमार इस टूर्नामेंट में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलेंगे।

रूट ने तेंदुलकर का एक रिकार्ड तोड़ा

क्राइस्टचर्च । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की चौथी पारी में 22 रन बनाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब रूट चौथी पारी में ज्यादा रन बनाने के मामले में भारतीय टीम के महान बल्लेबाज तेंदुलकर से भी आगे निकल गये हैं। रूट के अब चौथी पारी में 1630 रन हो गये हैं जबकि तेंदुलकर के नाम 1625 रन ही हैं।इससे इंग्लैंड ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पिछले महीने रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में एलिस्टर कुक को पीछे छोड़ा था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने यह उपलब्धि केवल 147 टेस्ट और 268 पारियों में हासिल की जबकि कुक ने 161 टेस्ट और 291 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रूट से आगे अब रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ ही हैं।इससे पहले रूट ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान अपना 33वां और 34वां टेस्ट शतक लगाकर शतकों के मामले में कुक का रिकार्ड तोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक अपने नाम किये थे।

अपने भविष्य को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकता : मेसी

-राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने में खुशी होती है

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने कहा है कि मैंने अभी तक अपने भविष्य और संन्यास को लेकर कुछ तय नहीं किया है, इसलिए इस मामले में कुछ नहीं कह सकता। फीफा विश्व कप 2026 के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में बोलिविया के खिलाफ अपनी टीम की 6-0 की जीत में मेसी की अहम भूमिका रही है। मेसी ने इस मैच में अर्जेंटीना की ओर से 10वीं अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक लगायी। इस दौरान मेसी ने कहा कि जब भी वह राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलते हैं तो उन्हें बेहद खुशी होती है। मेसी ने कहा, यहां आकर हमारे लिए लोगों का समर्थन महसूस करके बहुत अच्छा लग रहा है। जिस तरह से लोग मेरा नाम पुकारते हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। हम सभी लोगों के साथ जुड़ाव का आनंद लेते हैं और हमें अर्जेंटीना में खेलना बहुत पसंद है। हम इस जीत से उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपने भविष्य के लिए कोई तिथि या समय सीमा तय नहीं की है, मैं बस इसका आनंद लेना चाहता हूं। मैं यहां आकर और लोगों का प्यार महसूस करके पहले से कहीं अधिक उत्साहित हूं, क्योंकि मुझे पता है कि ये मेरे आखिरी खेल हो सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं क्लब में साल का अंत अच्छे से करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लूंगा और फिर हर दिन का आनंद ले पाऊंगा।

मेसी अपने देश की ओर से शीर्ष स्कोरर भी बन गए हैं, जिन्होंने 189 मैचों में 112 गोल किए हैं। सीनियर टीम की ओर से उन्होंने पहला गोल 1 मार्च, 2006 को बेसल में क्रोएशिया के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में किया था। अर्जेंटीना फुटबॉल वेबसाइट के अनुसार, नेशनल टीम के लिए उनके आधे से अधिक गोल आधिकारिक थे। विश्व कप क्वालीफिकेशन में 34, कोपा अमेरिका में 17 और विश्व कप में 13 और अर्जेंटीना वह देश था जहां उन्होंने सबसे अधिक गोल 34 किए।

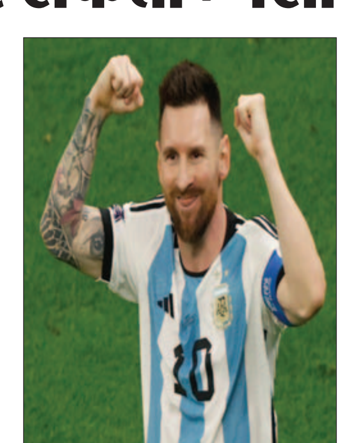

आईपीएल ऑक्शन के सबसे युवा खिलाड़ी पाक के खिलाफ फ्लॉप

दुबई ।आईपीएल ऑक्शन 2024 में सबसे युवा खिलाड़ी के रूप में इतिहास बनाने वाले 13 साल के वैभव सूर्यवंशी एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलने के बाद फ्लॉप साबित हुए।भारत के अंडर-19 टीम के बाएं हाथ के ओपनर सूर्यवंशी पाकिस्तान के खिलाफ मैच में सिर्फ 9 गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए।यह मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था, जहां पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 281 रन बनाए थे।सूर्यवंशी को अपनी पारी के दौरान अली रजा की तेज गेंदबाजी का सामना करना पड़ा, जो एक एंगल बॉल थी। गेंद सूर्यवंशी के बल्ले का मोटा किनारा लेकर विकेटकीपर साद बेग के हाथों में समा गई। इससे पहले, भारत की शुरुआत काफी खराब रही थी। आयुष म्हात्रे भी महज 20 रन बनाकर आउट हो गए थे।

वैभव सूर्यवंशी, जो बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले हैं, को राजस्थान रॉयल्स ने 1 करोड़ 10 लाख रुपये में खरीदा था, जबकि उनका बेस प्राइस सिर्फ 30 लाख था।इस आईपीएल डील के बाद से उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें थीं, खासकर एशिया कप के इस महत्वपूर्ण मैच में। सूर्यवंशी ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय अंडर-19 टीम में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेंचुरी भी बनाई थी, लेकिन एशिया कप में उनका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा।इस मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शाजेब खान के विस्फोटक 159 रन की पारी के दम पर भारत के सामने 282 रन का लक्ष्य रखा।भारतीय टीम ने जवाब में संघर्ष किया, लेकिन उनकी शुरुआत कमजोर रही।हालांकि, भारत अंडर-19 एशिया कप की सबसे मजबूत टीम मानी जाती है, क्योंकि उसने इस टूर्नामेंट में अब तक 8 बार ट्रॉफी जीती है।भारत की टीम इस बार फेवरेट मानी जा रही थी, लेकिन पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में हारने के बाद यह देखा जाएगा कि क्या वे फिर से खिताब हासिल कर पाते हैं या नहीं।

शमी की फिटनेस और प्रदर्शन की समीक्षा कर रहा बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अभी बंगाल की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रहे हैं। शमी को राष्ट्रीय टीम में जगह देने से पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी फिटनेस को लेकर आश्वस्त होना चाहता है। चोट के बाद वापसी कर रहे शमी की फिटनेस और प्रदर्शन की समीक्षा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पदर्शन के आधार पर होगी। राष्ट्रीय चयनकर्ता और बीसीसीआई की स्पोर्ट्स साइंस टीम उनकी फिटनेस का गहरानी से निरीक्षण कर रही है। स्पोर्ट्स साइंस विभाग के प्रमुख नितिन पटेल और चयनकर्ता एसएस दास राजकोट में शमी के प्रदर्शन पर नजर रख रहे हैं। शमी को टीम में शामिल करने से पहले बीसीसीआई पक्का करना चाहता है कि वह टेस्ट क्रिकेट की मांगों को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हों। इस दौरान शमी के दैनिक वर्कलोड, प्री-मैच और पोस्ट-मैच स्थिति पर नजर रखी जा रही है। शमी ने अब तक चार मैच खेले हैं, जिनमें उनका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। उन्होंने पंजाब के खिलाफ 1/46, हैदराबाद के खिलाफ 3/21, मिजोरम के खिलाफ 0/46 और मध्य प्रदेश के खिलाफ 0/38 का प्रदर्शन किया। फिटनेस के लिहाज से वह इन मुकाबलों में बेहतर नजर आए हैं। इससे पहले उन्होंने रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेलते हुए 7 विकेट हासिल किए थे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन शमी की प्रगति पर नियमित अपडेट ले रहा है। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और उप-कप्तान जसप्रीत बुमराह ने शमी को टीम का अहम हिस्सा बताया है। बुमराह ने कहा, शमी हमारी टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। प्रबंधन उनकी स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है, और उम्मीद है कि वह जल्द टीम के साथ जुड़ सकते हैं। शमी के आगे के प्रदर्शन को देखते हुए बीसीसीआई उनका आंकलन करेगा।

त्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन में महिला युगल खिताब जीता

लखनऊ (एजेंसी) भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने रविवार को यहां सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में बाओ ली जिंग और ली कियान की चीन की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर अपना पहला सुपर 300 खिताब जीता। चीन में सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी त्रीसा और गायत्री ने चीन की प्रतिद्वंद्वियों को महज 40 मिनट में 21-18, 21-11 से मात दी।

राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता जोड़ी के लिए यह जीत ऐतिहासिक है क्योंकि त्रीसा और गायत्री इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल जोड़ी बन गईं। यह जोड़ी 2022 चरण में उपविजेता रही थी। भारतीय जोड़ी ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में 4-0 की बढ़त बना ली। हालांकि बाओ और ली ने वापसी की और 14-14 से मुकाबला काफी करीबी हो गया। चीन की खिलाड़ियों की गलतियों ने भारतीयों को 17-15 से आगे कर दिया।

गायत्री के नेट पर फुर्तीले शॉट से भारतीय जोड़ी को दो गेम प्वाइंट हासिल करने में मदद मिली और उन्होंने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में त्रीसा और गायत्री ने ब्रेक तक 11-5 की बढ़त हासिल कर ली। भारतीयों ने लगातार शानदार रैलियों से अंतर 18-7 तक बढ़ा दिया। गायत्री के ताकतवर स्मैश से उन्हें 11 मैच प्वाइंट दिलाए और भारतीय जोड़ी ने खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक की पुरुष युगल जोड़ी तथा तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल टीम ने अपना अभियान उप विजेता के तौर पर समाप्त किया।

पृथ्वी और साइ ने 71 मिनट तक चले पुरुष युगल फाइनल में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन उन्हें चीन के हुआंग डि और लियू यांग से 14-21, 21-19, 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। इससे पहले पांचवी वरीयता प्राप्त तनीषा और ध्रुव की जोड़ी एक गेम की बढ़त गंवाकर मिश्रित युगल के फाइनल में थाईलैंड के डेचापोल पुआवारानुक्रोह और सुपिसारा पाएवसम्प्रान की जोड़ी से 21-18 14-21 8-21 से पराजित हो गई। पृथ्वी और साई ने पहले गेम में 8-8 की बराबरी हासिल की हुई थी लेकिन प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में वापसी करते हुए भारतीयों ने ब्रेक तक 11-7 से बढ़त बना ली और यह गेम हासिल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने साई के ताकतवर स्मैश की बदौलत 1-5 से उबरते हुए 7-7 से बराबरी प्राप्त की। लेकिन 17-18 का अंतर कम करने के बावजूद चीन की जोड़ी ने संयम बरतते हुए मैच जीत लिया। मिश्रित युगल के फाइनल में तनीषा और ध्रुव 6-0 से आगे थे। पर थाईलैंड की जोड़ी ने

वापसी करते हुए बढ़त 14-12 कर दी। दोनों जोड़ियां फिर 18-18 से बराबर थीं।

तनीषा ने अहम मौके पर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के कमजोर रिटर्न का फायदा उठाया और पहला गेम भारतीयों की झोली में चला गया। दूसरे गेम में डेचापोल और सुपिसारा ने वापसी करते हुए 11-6 की बढ़त बना ली और मैच निर्णायक गेम तक ले गईं। तीसरे गेम में भारतीय जोड़ी की गलतियों का फायदा उठाते हुए थाईलैंड की जोड़ी ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बनाने में कामयाब हो गई और फिर मुकाबला जीत लिया।

दूरदर्शन ने हॉकी इंडिया लीग के साथ किया साझेदारी, 28 दिसंबर से प्रसारण शुरू होगा

नई दिल्ली । भारत के राष्ट्रीय प्रसारक दूरदर्शन (डीडी) ने हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के साथ साझेदारी की है, ताकि देशभर के लाखों दर्शकों तक इस रोमांचक टूर्नामेंट का प्रसारण किया जा सके। यह साझेदारी खास है क्योंकि इस बार की लीग महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन सत्र के साथ-साथ पुरुष प्रतियोगिता का भी प्रतीक होगी। एचआईएल 28 दिसंबर से शुरू होगा, और यह टूर्नामेंट भारतीय हॉकी के एक ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनेगा। इस साल के संस्करण में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें भाग लेंगी, जो राउरकेला और रांची में प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस टूर्नामेंट में भारत और दुनिया भर के शीर्ष हॉकी खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। महिला हॉकी इंडिया लीग को शामिल करना हॉकी इंडिया की लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही यह महिला हॉकी को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने का भी संकेत है। प्रसार भारती के चेयरमैन नवनीत सहगल ने इस साझेदारी के महत्व को बताया, हमें गर्व है कि प्रसार भारती हॉकी इंडिया लीग के साथ जुड़ा है। यह मंच हमारे राष्ट्रीय खेल का जश्न मनाता है और विभिन्न श्रेणियों के दर्शकों को जोड़ता है। हमारा उद्देश्य हॉकी की रोमांचक भावना को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाना है, जिसमें महिला एचआईएल का ऐतिहासिक डेब्यू भी शामिल है। प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने इस अवसर पर कहा, भारतीय हॉकी का स्वर्ण युग वापस आ रहा है, जैसा कि टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार दो पदक जीतने से स्पष्ट है।

संक्षिप्त समाचार

जर्मनी- बांग्लादेश के बीच करोड़ों की डील, तकनीकी और वित्तीय क्षेत्र में मिल कर करेंगे काम

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश और जर्मनी के बीच 180 मिलियन यूरो (190.8 डॉलर) से अधिक के दो वित्तीय और तकनीकी समझौते हुए हैं। जिसका लक्ष्य विकास कार्यों में सहयोग करना है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से बताया कि बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय में आर्थिक संबंध प्रभाग के सचिव मोहम्मद शहरियार कादर सिद्दीकी और बांग्लादेश में जर्मनी के राजदूत अचिम ट्रॉस्टर ने अपने–अपने पक्षों की ओर से समझौतों पर हस्ताक्षर किए। कुल राशि में से 45.8 मिलियन यूरो का उपयोग तकनीकी सहयोग के लिए तथा 135 मिलियन यूरो का उपयोग वित्तीय मामलों में सहयोग के लिए किया जाएगा। समझौते के तहत नवीकरणीय ऊर्जा, सतत शहरी विकास, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण, सामाजिक और पर्यावरणीय आपूर्ति श्रृंखला, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ घरेलू हिंसा से निपटने जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मिल कर काम किया जाएगा।

उत्तर कोरिया ने कूड़े से भरे लगभग 40 गुब्बारे दक्षिण कोरिया की ओर भेजे : जेसीएस

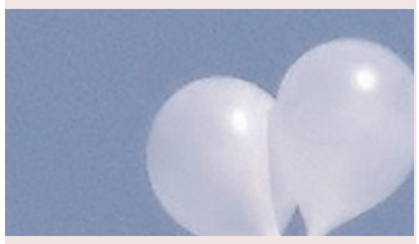

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने पिछली रात से सीमा पार दक्षिण कोरिया में कचरे से भरे लगभग 40 गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें से अधिकांश राजधानी के बड़े क्षेत्र में गिरे हैं। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उन्होंने गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक राजधानी क्षेत्र में उत्तर कोरिया द्वारा छोड़े गए लगभग 30 गुब्बारे देखे, जिनमें सियोल के आसपास का ग्योंगगी प्रांत भी शामिल है। सेना ने कहा, (गुब्बारों से) जो सामग्री मिली, उसमें दक्षिण कोरिया के खिलाफ दुष्प्रचार संबंधी पर्चे थे। उसमें ऐसा कुछ भी नहीं था, जिससे सुरक्षा को खतरा हो। मई के अंत से अब तक उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया में 32 बार ऐसे गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें यह ताजा घटना भी शामिल है, जो दक्षिण कोरिया के द्वारा सीमा पार भेजे गए प्योंगयांग विरोधी प्रचार पत्रकों के जवाब में की गई है।

बेल्जियम में सेक्स वर्कर्स को भी मिलेगी पेंशन और छुट्टियां, बनाए गए नौकरी जैसे नियम

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम ऐसा पहला देश है जिसने सेक्स वर्कर्स को भी सामान्य नौकरी पेशा लोगों की तरह सुविधाएं देने के लिए कानून बना दिया है। बेल्जियम के नए कानून के तहत सेक्स वर्कर्स भी अनुबंध के तहत कार्य करेंगी जिसमें स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, सिक लीव और मैटरनिटी लीव जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। यानी इसे नौकरी की तरह मान्यता दी जाएगी। 2022 में ही बेल्जियम ने इस पेशे को क्राइम कैटिगरी से बाहर कर दिया था। बेल्जियम के अलावा पेरू और तुर्की में भी इस पेशे को वैध करार दिया गया है। इससे पहले बार, इरोटिक मसाज पार्लर और अन्य जगहों पर अवैध तरीके से ही सेक्स वर्कर्स को काम करना पड़ता था। इसके बदले उन्हें कैश में रुपये मिलते थे। यह शोषण का एक खुला हुआ दरवाजा था। इस नए कानून में कहा गया है कि सेक्स वर्कर्स की भर्ती करते वक्त उनके क्रिमिनल रिकॉर्ड भी चेक किए जाने जरूरी हैं। इसके अलावा अपने कर्मचारियों को सम्मान दिलवाना भी रिक्रूटर की जिम्मेदारी है। कई संगठनों ने इस नए कानून की आलोचना भी की है। उनका कहना है कि इस तरह से वेश्यावृत्ति को बढ़ावा मिलेगा और ह्यूमन ट्रैफिकिंग भी तेज हो जाएगी। वहीं अन्य लोगों का कहना है कि यह समाज की सच्चाई है कि यहां सेक्स वर्कर होते हैं। यह खुला हो या फिर छिपा हुआ। ऐसे में सेक्स वर्कर्स को भी सम्मान और सुरक्षा का जीवन जीने का अधिकार है। सेक्स वर्कर्स का मानना है कि कई बार उन्हें इच्छा के खिलाफ भी शोषण का शिकार होना पड़ता है। अगर कानून उनके पक्ष में हो तो वे आसानी से विरोध कर सकती हैं। इसके अलावा अगर काम देने वाला शख्स भी बुरा बर्ताव करता है तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जा सकता है। बता दें कि कोरोना महामारी के वक्त काम की कमी की वजह से सेक्स वर्कर्स सड़कों पर उतर चुके थे। इसके बाद देशव्यापी प्रदर्शन हुए और सरकार ने इसे वैध घोषित कर दिया।

सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर पर विद्रोहियों का कब्जा: 250 की मौत

अलेप्पो में एयरपोर्ट–अस्पताल बंद ; सरकार की मदद के लिए पहुंची रूसी सेना

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में विद्रोही गुट ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो और इदलिब के आधे से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक विद्रोही गुट में हयात तहरीर अल-शम और उसके सहयोगी संगठन शामिल हैं। इन्हें अलकायदा का समर्थन हासिल है। साल 2016 में सीरियाई सेना ने विद्रोहियों को खदेड़ दिया था। 8 साल बाद ऐसा फिर हो रहा है जब विद्रोही गुटों ने अलेप्पो पर कब्जा करने जा रहे हैं। ॥ञ्जस् ने 27 नवंबर को हमला किया था और शहर के अंदर घुस कर कई मिलिट्री ठिकानों पर कब्जा कर लिया था। सीरिया सरकार ने शनिवार को अलेप्पो एयरपोर्ट, हॉस्पिटल और शहर से जुड़ी सभी सड़कों को बंद कर दिया है। इस बीच रूस, सीरियाई सरकार की मदद में जुट गया है। मॉस्को टाइम्स के मुताबिक रूसी सेना ने शुक्रवार को विद्रोहियों और उनके हथियार गोदामों पर घातक बमबारी की। रूसी सेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटे में विद्रोहियों के 23 ठिकानों पर हमला किया और 200 से ज्यादा विद्रोहियों को मार गिराया है। सीरिया में 3 दिन पहले विद्रोहियों का शुरू हुआ हमला बशर अल-असद सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। अब तक हुई झड़पों में दोनों तरफ के 250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

रूस ने सहायता भेजी, ईरान भी कर सकता मदद : रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति असद के 3 सबसे बड़े सहयोगी ईरान, हिजबुल्लाह और रूस घरेलू मामले में उलझे हैं। रूस, यूक्रेन से जंग लड़ रहा है, वहीं, ईरान और हिजबुल्लाह का इजराइल के साथ विवाद चल रहा है। इन तीनों ने असद सरकार को गृह युद्ध से निपटने में अहम भूमिका निभाई थी। सीरिया, ईरान के लिए जरूरी है, क्योंकि हिजबुल्लाह और हमास तक हथियार पहुंचाने के लिए ईरान, सीरिया का इस्तेमाल करता है। ऐसे में जल्द ही ईरान, सीरिया को हथियार मुहैया करा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान समर्थक इराकी मिलिशिया सीरिया जा सकते हैं। इन मिलिशिया में कताइब हिजबुल्लाह, असाइब अहल अल हक, हरकत अल नुजबाह शामिल हैं। सीरिया में 2011 में शुरू हुआ गृह युद्ध 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हुई थी। सीरिया के लोगों ने 10 साल से सत्ता में काबिज बशर अल-असद सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए। इसके बाद फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सऊदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच, सीरिया में आतंकवादी संगठन ढ्ढस्ढ्ढस् ने भी पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छिटपुट झड़प ही हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, एक दशक तक चले गृहयुद्ध में 3 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके अलावा लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा था।

सीरिया के गृहयुद्ध में तबाह हो गया अलेप्पो शहर : 1986 में यूनेस्को से वैश्विक धरोहर का दर्जा हासिल करने वाला और दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक अलप्पो शहर 2012 के आते-आते सीरिया के गृह युद्ध की अहम जगह बन गया था। सीरिया का अलेप्पो शहर न सिर्फ वैश्विक धरोहर बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का केंद्र भी था, खूबसूरत मस्जिदों और कलाकृतियों से सजा हुआ यह शहर देखते ही देखते अपनों के हाथों ही तबाह हो गया। जुलाई 2012 तक अलेप्पो दो हिस्सों में बंट चुका था, जिसका एक हिस्सा फ्री सीरियन आर्मी के पास था और दूसरा बशर अल-असद के कब्जे में। सरकार की मदद करने वाले देशों में रूस, ईरान, इराक, अफगानिस्तान, लेबनान और पाकिस्तान शामिल था। वहीं विद्रोहियों को अमेरिका, सऊदी अरब और तुर्किये से मदद मिल रही थी। सरकार के हवाई हमलों में वह सारी खूबसूरत कलाकृतियां मस्जिद और सांस्कृतिक धरोहर खो गईं।

बांग्लादेश में इस्कॉन पर बैन के लिए सड़कों पर कट्टरपंथी:जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में ढाका हाईकोर्ट के इस्कॉन पर बैन लगाने से इनकार करने के बाद कट्टरपंथी समूहों ने शुक्रवार को भारी हंगामा किया। जुम्मे की नमाज के बाद देशभर की मस्जिदों में लाखों मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। सबसे बड़े प्रदर्शन राजधानी ढाका और चटगांव में हुए। प्रदर्शनकारियों ने इस्कॉन को 'हिंदू उग्रवादी संगठन' और 'कट्टरपंथी व राष्ट्र-विरोधी समूह' बताते हुए इस संगठन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की। इन रैलियों में कट्टरपंथी संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम, खिलाफत मजलिस और इस्लामिक आंदोलन सहित कई धार्मिक-आधारित संगठनों और राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया। हिफाजत ने कहा कि देश की पराजित ताकतें हिंदुओं का इस्तेमाल अराजकता फैलाने के लिए कर रही हैं। पिछले मंगलवार को चटगांव कोर्ट परिसर में जिस तरह से वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या की गई, वह गृहयुद्ध भड़काने की कोशिश थी। वहीं, चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई के लिए इस्कॉन ने कोलकाता में विरोध कीर्तन आयोजित किया। इस्कॉन ने घोषणा की है कि रविवार को दुनिया भर के सभी इस्कॉन मंदिरों में वैश्विक प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाएगा। इसमें बांग्लादेश में हिंदू भक्तों और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए प्रार्थना की जाएगी। मौजूदा सरकार को मुश्किल में डालने की कोशिश में एक स्थानीय और विदेशी समूह बहुत सक्रिय है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारी आंतरिक सद्भावना और शांति व्यवस्था किसी भी तरह से नष्ट न हो। खालिद हुसैन ने ये भी कहा कि वकील की हत्या में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। चटगांव में 26 नवंबर को चिन्मय प्रभु के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान एक वकील की मौत हो गई थी। मारे गए वकील का नाम सैफुल इस्लाम ऊर्फ आलिफ (35) था।

वेटिकन में विश्व धर्म संसद की शुरुआत, सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि होते हैं सम्मिलित

वेटिकन, एजेंसी। वेटिकन में शिवगिरि मठ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरधार्मिक सम्मेलन शुक्रवार को शुरू हुआ. यह कार्यक्रम 100 साल पहले अलुवा में श्री नारायणगुरु की ओर से आयोजित अंतरधार्मिक सम्मेलन के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित हो रहा है. सर्वधर्म सम्मेलन एवं विश्व धर्म संसद आज शाम 7 बजे स्नेह संगम के साथ प्रारंभ हुई. सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सद्भावना फैलाना है. विश्व धर्म संसद 29, 30 नवंबर और 1 दिसंबर को आयोजित की जाएगी. पोप फ्रांसिस कल (30 नवंबर) महासभा में एक उपदेश देंगे. सम्मेलन में विभिन्न देशों के 100 प्रतिनिधि, भारत के जन प्रतिनिधि और भिक्षु भाग लेंगे. सच्चिदानंद स्वामी, मठ के महासचिव स्वामी सुभंगानंद, पूर्व महासचिव स्वामी ऋतंबरानंद, पूर्व कोषाध्यक्ष स्वामी विशालानंद, गुरु धर्म प्रचार सभा के सचिव स्वामी असंगानंदगिरि, स्वामी हंसतीर्थ, अलुवा अद्वैत आश्रम के सचिव स्वामी धर्मचैतन्य और स्वामिनी आर्यानंद देवी शिवगिरि मठ के सदस्य हैं. सम्मेलन में प्रतिनिधित्व करना और भाग लेना. सच्चिदानंद स्वामी की ओर से तैयार की गई पुस्तक सर्वमाता सम्मेलनम का इतालवी अनुवाद और गुरु एंड वर्ल्ड पीस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद का विमोचन किया जाएगा।

बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास समेत इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खाते फ्रीज

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश को चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और जेल में डाले जाने पर दुनिया भर के हिंदुओं से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद, मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने कथित तौर पर देश के बैंकों को बांग्लादेश में अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) से जुड़े 17 लोगों के खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया है।

ढाका में स्थानीय मीडिया ने शुक्रवार को बताया कि बांग्लादेश वित्तीय खुफिया इकाई (बीएफआईयू) ने इस्कॉन बांग्लादेश से जुड़े 17 व्यक्तियों के बैंक खातों को 30 दिनों के लिए फ्रीज करने का आदेश दिया है। इसमें जेल में बंद इसके नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी भी शामिल हैं। रिपोर्टों से पता चला है कि देश के कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों को खातों से एक महीने के लिए सभी लेन-देन को निलंबित करने का सरकारी निर्देश भेजा गया है। दास को सोमवार को ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया था और एक दिन बाद जेल भेज दिया गया था। दास के अलावा बांग्लादेश सरकार द्वारा निशाना बनाए गए अन्य 16 हिंदुओं में कार्तिक चंद्र डे, अनिक पाल, सरोज रॉय, सुशांत दास, विश्व कुमार सिंघा, चंदिदास बाला, जयदेव करमाकर, लिपि रानी करमाकर, सुधामा गौर दास, लक्ष्मण कांति दास, प्रियतोष दास, रूपन

दास, रूपन कुमार धर, आशीष पुरोहित, जगदीश चंद्र अधिकारी और साजल दास शामिल हैं। बांग्लादेश के एक प्रमुख बंगाली अखबार प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, बीएफआईयू के पत्र में कहा गया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम-2012 की धारा 23(1)(सी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत इस्कॉन और उसके संबंधित पक्षों तथा उनके स्वामित्व वाली संस्थाओं के नाम पर रखे गए खातों (आयात और निर्यात कंपनियों के खातों को छोड़कर) के लेनदेन को 30 दिनों के लिए निलंबित करने का आदेश दिया गया है। साथ ही, बीएफआईयू ने सभी खातों की लेखा संबंधी जानकारी, जैसे खाता खोलने का फॉर्म, केवाईसी फॉर्म, अप-टू-डेट लेन-देन विवरण आदि, अगले तीन कार्य दिनों के अंदर भेजने को कहा है।

सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास पर पिछले महीने चटगांव में भगवा झंडा फहराने के लिए देश के झंडे का कथित रूप से अपमान करने के लिए बांग्लादेशी अधिकारियों द्वारा देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। देश में बांग्लादेशी हिंदुओं के सड़कों पर उतरने के बाद दास को मंगलवार को चटगांव की एक अदालत में पेश किया गया और बाद में जेल भेज दिया गया। इसी समय, न्यायालय भवन में हिंसा भड़क उठी, जिसके कारण 32 वर्षीय अधिवक्ता सैफुल इस्लाम अलिफ की मृत्यु हो गई। बांग्लादेश में कट्टरपंथी अब दास के समर्थकों को अधिवक्ता की मृत्यु के लिए दोषी ठहरा रहे हैं, जबकि इस्कॉन और अन्य हिंदू संगठनों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि न्यायालय परिसर में उस दिन हुए उपद्रव में कोई हिंदू शामिल नहीं था।

चीनी पत्रकार को जासूसी के आरोप में सात साल जेल की सजा

जापानी राजदूत से मिलते समय हिरासत में लिए गए थे

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक पत्रकार को जासूसी के आरोप में सात साल जेल की सजा सुनाई गई है। आरोपी पत्रकार डोंग युयु चीन की सरकारी मीडिया में भी काम कर चुके थे। डोंग के परिजनों ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डोंग युयु 62 साल के हैं और उन्हें दो साल पहले साल 2022 में फरवरी माह में जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया गया था, तब से वह जेल में ही हैं। जब पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया था उस समय वह गुआंगमिंग डेली में काम करते थे। एक रेस्तरां में जापानी राजनयिक से मिलते वक्त पुलिस ने उन्हें पकड़ा था। पुलिस ने दावा किया था कि वे उस रेस्तरा में अक्सर अपने विदेशी मित्रों से मिलते रहते थे। पत्रकार के परिजनों ने बताया कि बीजिंग नंबर 2 इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने जब यह फैसला सुनाया उस वक्त सभी को अदालत से बाहर कर दिया गया था। इतना ही नहीं फैसले की प्रति भी न तो उन्हें और न ही डोंग के वकील को साझा की गई। इसके अलावा, अदालत की वेबसाइट पर भी फैसले को नहीं शेयर किया गया है। डोंग के परिवारीजनों ने यह भी बताया कि फैसले में

तत्कालीन जापानी राजदूत हिदेओ तारुमी और शंघाई स्थित मुख्य राजनयिक मासारू ओकाडा को जासूसी संगठन से संबंधित एजेंट बताया गया है।

कम्युनिस्ट पार्टी के रुख के विरुद्ध लेख लिखते रहे हैं डोंग युयु : बता दें कि डोंग गुआंगमिंग डेली के संपादकीय विभाग के काम करते थे। इस अखबार को एक समय में अन्य सरकार समर्थित अखबारों की तुलना में अधिक उदार माना जाता था। डोंग ने न्यूयॉर्क टाइम्स के चीनी संस्करण में भी काम किया था। अपने लेखों में डोंग ने संवैधानिक लोकतंत्र और राजनीतिक सुधार के लिए अपना समर्थन जताया था। हालांकि बाद में इन लेखों को कम्युनिस्ट पार्टी के रुख के विरुद्ध माना गया। वहीं, चीन में अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स ने डोंग की सज़ा की निंदा की। उन्होंने कहा कि डोंग को अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता का प्रयोग करने के लिए दंडित करना अन्यायपूर्ण है।

वजन घटाने वाली दवाओं के रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर रोक लगाएगा दक्षिण कोरिया

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने एक निर्णय में कहा कि वजन कम करने वाली दवाओं के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए वह इनके रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर प्रतिबंध लगाएगा। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय के अनुसार वजन घटाने वाली दवाओं के रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर प्रतिबंध लगाने का यह निर्णय सोमवार से प्रभावी होगा, जिसमें दो सप्ताह की छूट दी जाएगी। डेनमार्क स्थित नोवो नॉर्डिस्क द्वारा विकसित की गई वेगोवी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण यह कदम ऐसी दवाओं के दुरुपयोग और अवैध बिक्री पर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सरकार 2025 की पहली छमाही के भीतर ऐसी दवाओं के संबंध में टेलीमेडिसिन परामर्श के लिए दिशानिर्देश स्थापित करने की भी योजना बना रही है। दक्षिण कोरिया ने सामान्य अस्पतालों में प्रशिक्षु डॉक्टरों की चल रही हड़ताल के बीच अस्थायी रूप से टेलीमेडिसिन परामर्श की अनुमति दी है। यह हड़ताल फरवरी से शुरू हुई थी। वेगोवी को दक्षिण कोरिया में 15 नवंबर को लॉन्च किया गया था। यह एक वजन घटाने वाली दवा है, जो मोटापे का इलाज कर सकती है और इसने चमत्कारी वजन घटाने वाली दवा के रूप में अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। स्वास्थ्य

मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि चिकित्सा संस्थानों को इस दवा को इस तरह से बढ़ावा देने से बचना चाहिए, जिससे मरीजों को यह विश्वास हो जाए कि इसे सामान्य वजन घटाने के लिए आसानी से दिया जा सकता है, तथा टेलीमेडिसिन के माध्यम से दवा लिखते समय दुरुपयोग को रोकने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। मौजूदा नियमों के अनुसार, वेगोवी को केवल 30 या उससे ज्यादा बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) वाले रोगियों को ही दिया जाना चाहिए। 27 से 30 के बीच बीएमआई वाले वयस्क जिन्हें उच्च रक्तचाप या डिस्लिपिडेमिया जैसी समस्याएं हैं, उन्हें भी यह दवा दी जा सकती है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सा संस्थानों से खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन की स्वीकृति शर्तों का अनुपालन करने का भी अनुरोध किया है।

चीन के हुनान प्रांत में मिला दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार, कीमत 83 अरब डॉलर

हुनान , एजेंसी। चीन के हुनान प्रांत में दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार खोजा गया है। इस भंडार का आकार करीब 1,000 मीट्रिक टन है और इसकी अनुमानित कीमत 83 अरब डॉलर (करीब 7 लाख करोड़ रुपये) बताई जा रही है। यह खदान दक्षिण अफ्रीका की साउथ डीप खदान से भी बड़ी है, जहां 900 मीट्रिक टन स्वर्ण अयस्क है।

पिंगजियांग काउंटी में खजाना : यह भंडार हुनान प्रांत के पिंगजियांग काउंटी में पाया गया है। भूवैज्ञानिकों के मुताबिक, वहां दो किलोमीटर की गहराई पर 40 स्वर्ण शिराओं का पता चला है। इन शिराओं में स्वर्ण अयस्क जमा है और कई ड्रिलिंग के बाद चट्टानों के कोर में सोना पाया गया। 3डी मॉडलिंग से यह भी पता चला है कि खदान की गहराई में 3 किमी तक और स्वर्ण अयस्क हो सकते हैं।

स्वर्ण अयस्क से सोने की संभावना : हर मीट्रिक टन अयस्क से 138 ग्राम तक सोना निकाला जा सकता है। इससे चीन के सोने के कारोबार को बड़े फायदे की उम्मीद है। यह खोज चीन को वैश्विक स्वर्ण कारोबार में और मजबूत कर सकती है।

सोने के कारोबार में चीन की बढ़ती ताकत : चीन पहले से ही दुनिया के स्वर्ण उत्पादन में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, चीन दुनिया के कुल स्वर्ण उत्पादन का 10त्न करता है। इस साल की शुरुआत में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के पास 2,000 टन से ज्यादा सोना है, जो इसे दुनिया के सबसे बड़े सोने के भंडार वाले देशों में शामिल करता है।

इसके बाद रूस और ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है।

स्वर्ण अयस्क बनने की प्रक्रिया : स्वर्ण अयस्क कई भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के तहत बनता है, जो लाखों सालों में पूरी होती है। इसमें गर्म और खनिज युक्त तरल पदार्थ पृथ्वी की अंदरूनी दरारों में घूमते रहते हैं। इन तरल पदार्थों में आसपास की चट्टानों का सोना घुलता है, जब तापमान में बदलाव होता है, तो ये तरल पदार्थ जम जाते हैं और इनकी सतह पर स्वर्ण अयस्क जमा हो जाता है।

चीन की स्वर्ण शक्ति : इस खोज से चीन को न केवल सोने के भंडार में वृद्धि होगी, बल्कि इसकी आर्थिक ताकत भी और बढ़ेगी, जिससे वैश्विक बाजार में चीन का दबदबा और मजबूत होगा।

संक्षिप्त खबरें

यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर बरवाडीह-चुनार-बरवाडीह पैसेंजर ट्रेन का पुनः परिचालन का किया गया उद्घाटन

धनबाद(बिभा): यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर गाड़ी संख्या 03653(53351)/ 03654(53352) बरवाडीह- चुनार- बरवाडीह पैसेंजर ट्रेन का पुनः परिचालन किया गया है। इस अवसर पर सांसद कालीचरण सिंह द्वारा बरवाडीह स्टेशन पर एवं सांसद विष्णु दयाल राम द्वारा डाल्टनगंज स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर गाड़ी संख्या 03653(53351) बरवाडीह- चुनार पैसेंजर ट्रेन का पुनः परिचालन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

ईसीआरकेयू के समर्थन में रेल कर्मचारियों ने निकाली मोटरसाइकिल जुलूस

धनबाद(बिभा) : ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन धनबाद ने धनबाद शाखा दो से चुनावी जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत रेल कर्मियों का भारी संख्या में मोटरसाइकिल जुलूस निकाला जो बेकर बंध,हिल कॉलोनी,डी एस कॉलोनी,वॉच वार्ड वार्ड कॉलोनी,कोचिंग डिपो,पावर हाउस,तेतुलतला कॉलोनी,लोअर मटकुरिया, रंगातार कॉलोनी और धनबाद के सभी बड़े छोटे रेल कॉलोनी में प्रदर्शन करते हुए शाखा एक पहुंचे। आज का इस मोटर साईकिल जुलुस मे नेताजी सुभाष, सोमेन दत्ता, एन के खवास,,जितेन्द्र कुमार साव,बी के दुबे,आर के सिंह,परमेश्वर कुमार, मृगभूषण सिंह, मो जफर सिद्धिकी,सी.एस.प्रसाद इजहार आलम,विमान मंडल,अजय कुमार सिन्हा,सुरेन्द्र कुमार चौहान,अमरजीत यादव,धीरज कुमार,संतोष गोंड,अजमुदीन अंसारी,प्रदीप मंडल,सागर पासवान, अरूण कुमार,नवीन कुमार,संजीत कुमार,पिंटू नंदन, रंजीत यादव,भानु प्रकाश बी के दुबे,रविंदर रवानी,राजीव कुमार,शिव जी प्रसाद,बी बीआजाद ,चंद्रशेखर,राजकुमार,मिथलेश,अमित कुमार,अशोक कुमार और बिस्वजीत मुखर्जी शामिल थे।

सब जूनियर बालक और बालिका सेपकटकरा झारखण्ड टीम का चयन ट्रायल सम्पन्न.

रांची(बिभा): जयपाल सिंह स्टेडियम रांची में प्रातः 9:00 बजे से सब जूनियर बालक-बालिका सेपकटकरा सलेक्शन ट्रायल का आयोजन किया गया। इस चयन ट्रायल में झारखण्ड राज्य के विभिन्न जिलों के तकरीबन 100 खिलाड़ियों ने भाग लिया. इस ट्रायल के आधार चयनित खिलाडी आगामी 27वी नेशनल सब जूनियर सेपकटकरा प्रतियोगिता में भाग लेंगे. इसकी जानकारी देते हुए एसोसिएशन के सचिव श्री उदय साहू ने बताया की आज के इस चयन ट्रायल का आयोजन श्री अमरेंद्र दत्त द्विवेदी को देखरेख में आयोजित हुआ. इनके साथ साथ गोपाल मुंडा, राजकुमार महतो, रौनक कुमार का सहयोग रहा.इस अवसर पर सेपकटकरा एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के कोषाध्यक्ष शिवेंद्र दुबे, रौनक कुमार, संतोष कुमार गुप्ता ।

सब जूनियर सेपकटकरा दल के बालक वर्ग :-. अभय लोहरा, सत्यम कुमार महतो, अमन बासुकी, चंदन कुमार महतो, सुमित गोप, कश्मीर गुप्ता. बालिका वर्ग :- नजमीन खातून पार्वती कुमारी अर्फीन खातूनपूनम कुमारी नितिका सोरेन ललिता हांसदा टीम कोच : अमरेंद्र दत्त द्विवेदी शामिल हैं।

डिजिटल अरेस्ट से बचने के लिए जरूरी है जागरूकता और सावधानी: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

देवघर : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री विशाल सागर ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी जानकारी और बचाव को लेकर जिलावासियों को जागरूक करते हुए जानकारी दी है कि डिजिटल अरेस्ट एक साइबर फ्रॉड है, जिसमें धोखाधड़ी करने वाले लोग आपको अनजान नंबर से कॉल या वॉट्सएप करते हैं। कॉल पर ठग पुलिस, सीबीआई, ट्राई कर्मचारी, नारकोटिक्स, आरबीआई और कस्टम अधिकारी बनकर आत्मविश्वास से बात करते हैं। वॉट्सएप या स्काइप पर वीडियो कॉल करने को कहते हैं, जहां फर्जी अधिकारियों का एकदम असली सा सेटअप नजर आता है।

इसके अलावा ये फर्जी अधिकारी पीड़ित को इमोशनली और मेंटली टॉर्चर करते हैं। वे आपको बताते हैं कि आप क्रिमिनल हैं। या कहते हैं कि आपके आधार कार्ड/मोबाइल नंबर का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों में हो रहा है। सामने बैठा व्यक्ति पुलिस जैसी दिखने वाली वर्दी में होता है, ऐसे में ज्यादातर लोग डर जाते हैं और उनके जाल में फंसते चले जाते हैं। आसान भाषा में कहा जाए तो डिजिटल अरेस्ट में फर्जी सरकारी अधिकारी बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से लोगों को डरा-धमकाकर रकम वसूली करना है। ऐसे में आवश्यक है कि जैसे हम असली दुनिया में खुद की सुरक्षा का ध्यान रखते हैं, ठीक उसी तरह वर्चुअल वर्ल्ड (काल्पनिक दुनिया) में भी खुद को सुरक्षित रखने के लिए सावधानी बरते। साथ ही ऐसा किसी तरह का कॉल आने पर इसकी सूचना तुरंत अपने नजदीकी थाने या 1930 डायल कर पुलिस को अवगत कराएं। वही डिजिटल अरेस्ट की पहचान करने और बचने के लिए सतर्कता जरूरी है। अगर आपके पास किसी अनजान नंबर से कोई फोन, वॉट्सएप कॉल या वीडियो कॉल आता है तो कॉल पर बात करते वक्त घबराए नही सावधानी बरतें या ऐसे अनजान कॉल को इग्नोर करें।

टंडवा में मनाया गया एनटीपीसी का 50वां स्थापना दिवस

बिभा संवाददाता

चतरा। एनटीपीसी के 50 वर्ष पूरे होने पर उत्तरी करणपुरा वृहत ताप विद्युत परियोजना में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित की गई, जिसमें इंडियन आईडल 12 के विजेता अरूणिता एवं पवनदीप राजन ने अपनी उत्कृष्ट गायन की प्रस्तुति दी। दर्शकों के जमकर सराहना की।

कार्यक्रम का उद्घाटन परियोजना प्रमुख एसके सूआर, वसुंधरा लेडिज क्लब की अध्यक्ष दीपाली आचार्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय गान व एनटीपीसी की निगम गीत के सामूहिक गायन के साथ की गई। तत्पश्चात नटराज डांस ग्रुप के कलाकारों द्वारा भगवान गणपति की स्तुति प्रस्तुत की गई। मशहुर सिंगर अरूणिता ने एक से बढ़कर एक गीत गायन कर दर्शकों को खुब झुमाया। वहीं, आइडल सिंगर पवनदीप राजन ने गिटार की धून व तबले की थाप पर अपनी सुरीली आवाज से लोगों को मंत्रमुग्ध किया। इससे पूर्व परियोजना प्रमुख एस के सुआर व वसुंधरा लेडीज क्लब के अध्यक्षा दीपाली आचार्य ने आइडियल सिंगर अरूणिता व पवनदीप राजन को बुके व शॉल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी विभिन्न इकाइयों से विद्युत उत्पादन कर राष्ट्र को ऊजार्वान बनाने के साथ-साथ विकास में भी अपनी महती भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम को सफल बनाने में नीरज राय, धीरज गुप्ता, अंशु कुमार, अभिषेक आनंद, मोहिनी कुमारी समेत परियोजना कर्मियों ने महत्ती भूमिका निभाई।

इस मौके पर एचओपी एसके सुआर, जीएम (ऑपरेशन और मेंटेनेंस) राजीव कुमार सिन्हा, जीएम (फ्यूल मैनेजमेंट) रविन्द्र शर्मा, जीएम (मेंटेनेंस) मुकुल राय, जीएम (प्रोजेक्ट) विजय शंकर दुबे, एजीएम (एचआर) नीरज रॉय और एजीएम (टीएस) जुनैद जावेद धीरज गुप्ता, अभिषेक आनंद, मोहिनी कुमारी समेत अन्य उपस्थित थे।

बाघवार अकादमी के बच्चों ने अंतर विद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में किया शानदार प्रदर्शन, जीते कई मेडल

बिभा संवाददाता

चान्हो : प्रखण्ड स्थित बाघवार , अकेडमी ने शनिवार, को रांची के ध्रुवा सेक्टर-2 स्थित कैराली स्कूल में रांची सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के द्वारा आयोजित अंतर विद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में बाघवार अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेडल की झड़ी लगा दी।

बाघवार अकादमी की टीम में 6 सदस्य शामिल थे, जिनमें 3 लड़कियां और 3 लड़के थे। इस टीम का नेतृत्व विद्यालय की स्पोर्ट्स टीचर शालिनी टोप्पो ने किया। प्रतियोगिता में रांची जिले के 20 विद्यालयों के लगभग 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इन सभी खिलाड़ियों को रांची जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष मिथिलेश कुमार द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बाघवार अकादमी के निदेशक अशोक बघवार और प्रधानाचार्य अरुण बाघवार ने कोच शालिनी टोप्पो और पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस सफलता का श्रेय बच्चों की कड़ी मेहनत और कोच की उत्कृष्ट मार्गदर्शन को जाता है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सभी खिलाड़ियों को विद्यालय की मॉर्निंग असेंबली में पुनः सम्मानित किया जाएगा। यह प्रदर्शन बाघवार अकादमी के खिलाड़ियों की मेहनत और खेल के प्रति उनकी लगन का प्रमाण है।

लड़कियों की उपलब्धियां:

प्रियांशु कुजूर (कक्षा 7): –38 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीता।

शीतल उरांव (कक्षा 10): तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) और प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया।

श्रेया रानी (कक्षा 9): अगले महीने होने वाली ताइक्वांडो स्टेट चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया।

लड़कों की उपलब्धियां:

रोशन कुमार (कक्षा 10): –54 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीता।

प्रिंस लकड़ा (कक्षा 8): –49 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीता।

मोहित उरांव (कक्षा 10): अपने शानदार प्रदर्शन से रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीता।

एड्स छुने या साथ बैठने से नहीं फैलता है : सुमन ठाकुर

बिभा संवाददाता

रांची : माननीय झालसा के निदेर्शानुसार, माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, डालसा के मार्गदर्शन में मांडर प्रखंड के मुड़मा गांव में विश्व एड्स दिवस के अवसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में पीएलवी सुमन ठाकुर, पूनम देवी व अन्य उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के कार्यरत पीएलवी सुमन ठाकुर ने कहा कि एड्स एक जानलेवा बीमारी हैं। एड्स से बचाव के लिए सरकार के द्वारा कई लाभकारी याजनाएं चलाये जा रहें हैं। उन्होंने कहा कि किसी के साथ बैठने या छुने से एड्स नहीं फैलता है। एड्स के रोगी के साथ सम्मान के साथ पेश आये न कि उनके साथ दुव्यर्वहार करें।

डालसा के पीएलवी नूनम देवी ने कहा कि एचआईवी व एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रत्येक वर्ष 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को इस भयावह बीमारी के प्रति जागरूक करना है ताकि इस बीमारी के संक्रमण से लोगों को बचाया जा सके।

यह भी ज्ञात हो कि राज्य के सबसे बड़े अस्पताल, रिम्स रांची में भी समय-समय पर डालसा के पीएलवी के द्वारा एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है और लोगों को जागरूक किया जाता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर और एड्स से बचाना भी है।

अंत में डालसा के पीएलवी सुमन ठाकुर और पूनम देवी के द्वारा ग्रामीणों को बीच एड्स से संबंधित पम्पलेट और लिफलेट भी बांटे गयें।

मांडर बाजार टांड से मोटरसाइकिल चोरी

मांडर : मांडर बाजार टांड से रविवार को फुसरा टांड निवासी मलिक शेख की टीभीएस आपाची मोटरसाइकिल जेएच–01सीए–5709 अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गयी घटना शाम लगभग 4:00बजे की है, प्राप्त जानकारी के अनुसार मलिक शेख एन एच 75 पर किनारे अपनी मोटर साईकल खड़ी कर सब्जी खरीदने के लिए बाजार गए, एक घंटे बाद जब वे वापस लौटे तो उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल गायब पायी, चोरी की सुचना मांडर थाने को दें दी गई है पुलिस मामले की छान बीन कर रही है।

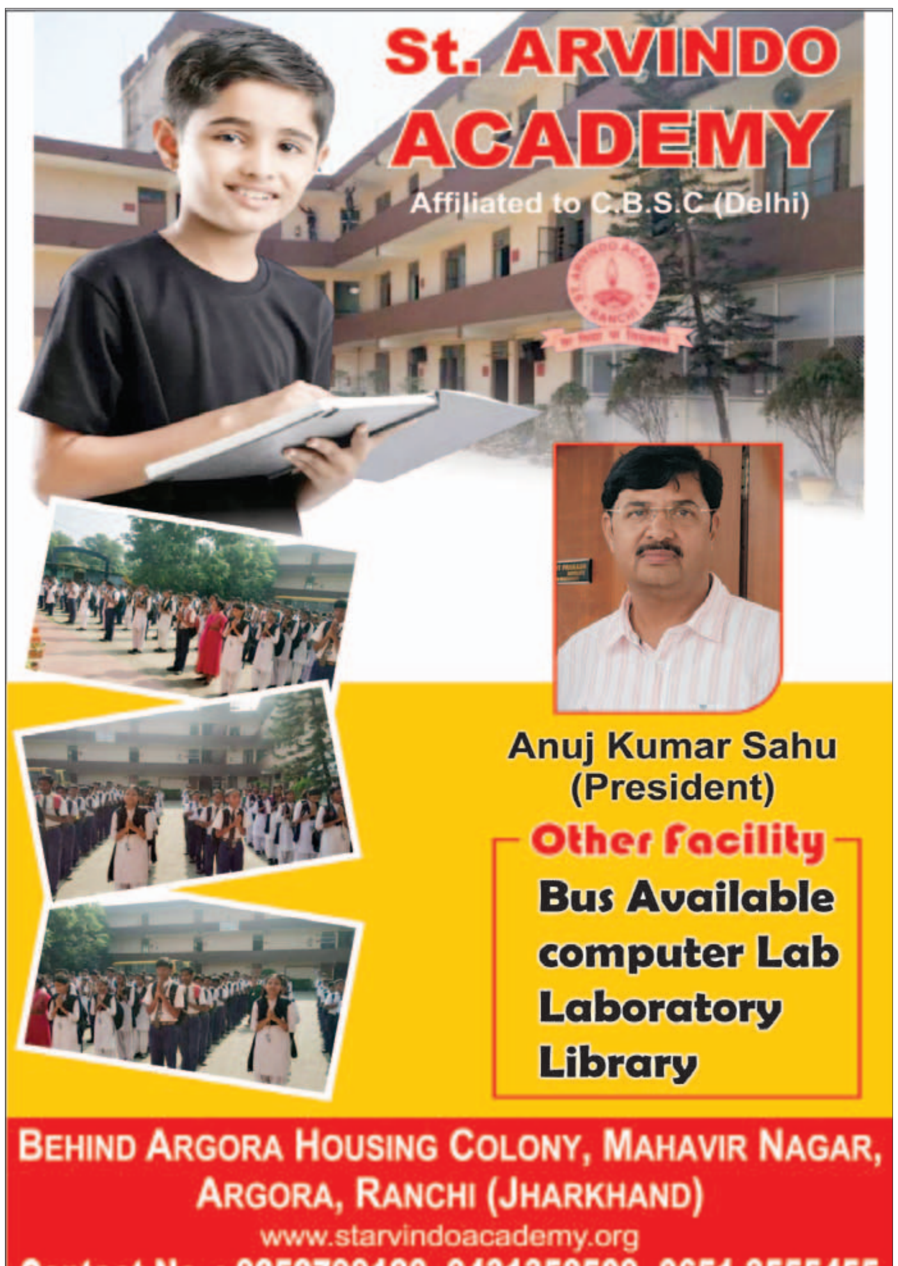

एसपी अजय कुमार ने वायदा पूरा कर दिखाया

होटल व्यवसायी संजीव चड्ढा के घर चोरी करने वाले चोर को 24 घंटे के अंदर किया गिरफ्तार

प्रकाश पटवारी

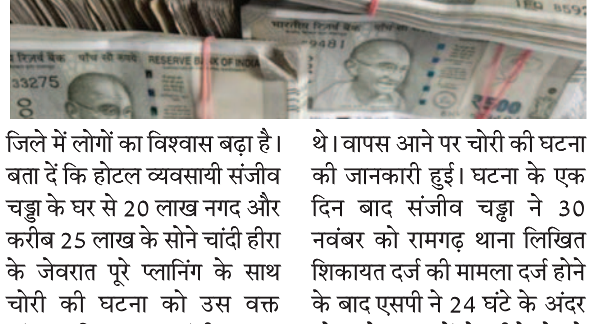

रामगढ़: होटल व्यवसायी संजीव चड्ढा के घर चोरी की वारदात होने के बाद रामगढ़ जिला के पुलिस कप्तान अजय कुमार ने जो वायदा किया था कि चोरी करने वाला चोर 24 घंटे के अंदर सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा उसे पूरा करते हुए एसपी अजय कुमार की स्पेशल टीम ने संजीव चड्ढा के घर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले चोर को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही चोरी गए लाखों रुपए और सोने चांदी हीरा के जेवरात भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक संजीव चड्ढा के होटल में काम करने वाले पुराने स्टाफ ने ही चोरी की पूरी वारदात को पूरे प्लानिंग के साथ अंजाम दिया था। लेकिन कहते हैं ना चोर चाहे जितना भी चालक क्यों ना हो पुलिस के लिए कोई ना कोई सुराग जरूर छोड़ ही जाता है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक चोर के द्वारा छोड़े गए छोटे से सुराग से एसपी के द्वारा गठित स्पेशल पुलिस टीम ने चोरी की इतनी बड़ी वारदात का 24 घंटे के अंदर ही को खुलासा कर दिया। आरक्षी अधीक्षक के तत्परता से जिले में लोगों का विश्वास बढ़ा है। बता दें कि होटल व्यवसायी संजीव चड्ढा के घर से 20 लाख नगद और करीब 25 लाख के सोने चांदी हीरा के जेवरात पूरे प्लानिंग के साथ चोरी की घटना को उस वक्त अंजाम दिया जब संजीव चड्ढा अपने पूरे परिवार के साथ शादी समारोह में भाग लेने रांची गए हुए थे। वापस आने पर चोरी की घटना की जानकारी हुई। घटना के एक दिन बाद संजीव चड्ढा ने 30 नवंबर को रामगढ़ थाना लिखित शिकायत दर्ज की मामला दर्ज होने के बाद एसपी ने 24 घंटे के अंदर चोर को सलाखों के पीछे भेजने का वायदा रामगढ़ वासियों से किया था।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com